Vol.22, Issue 6 | Annual Subscription ₹480

@NewsRotary

/RotaryNewsIndia

अप्रैल 2023

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

Rotary

ADVT.

Rotary
MELBOURNE 2023
Rotary International Convention Melbourne, Australia
May 27 - 31, 2023
Jennifer Jones
RI President
Join us for a Vibrant and Festive
SOUTH ASIAN RECEPTION
at The Rotary International Convention, Melbourne
Register soon..!!
Registration Fee: Rs 6,000 / US $75 per person
Date: May 28, 2023 | Time: 05.00 pm to 08.00 pm
Venue: Crown Conference Centre, 8 Whiteman Street, Southbank VIC 3006, Australia
Bank Details:
Muruganandam . M
Account no: 00000035443584016
IFSC Code: SBIN0001363
AS Venkatesh
RI Director
Convener - South Asia Reception
Dr Mahesh Kotbagi
RI Director
MMMTRICHY
PDG AKS Rtn Muruganandam M
B.E., M.B.A., M.S., M.F.T., PGDMM., DEM.,
Chairman - South Asia Reception - 2023 RI Convention, Melbourne
Chairman - Mahabs 21 (Rotary Zone Institute)
RPIC - Zone 5 (2023-2026) | District Trainer (2023-24)
District Governor (2016-17) | RID 3000
Chairman - Excel Group of Companies
/mmmtrichy | www.mmmtrichy.com | Mail: mmmrotary@excelgroup.co.in | Ph: +91 93825 50001

विषयसूची

12
आत्मसम्मान की कमी से मुकाबला करने के लिए युवा लड़कियों को प्रेरित करना

20
पंचायत स्कूल के बच्चों ने बनाया टेलिस्कोप

26
भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र यूथ एक्सचेंज छात्रों को लुभाता है

32
HIV संक्रमितों की उनके जीवन साथियों से मुलाकात

34
रोटरी मंडल 3150 गांवों का समर्थन करता है

44
RID 3000 के रोटेरियनों ने भूकंप पीड़ितों की मदद करते हुए तुर्की की यात्रा का आनंद उठाया

46
भूख से लड़ने के लिए एक मुट्ठी चावल

48
प्रोजेक्ट सूर्या वाई में आदिवासी मकानों को प्रकाशित करता है

52
चेन्नई में एक समावेशी संगीत उत्सव

54
अलीगढ़ में उद्यमियों का सृजन

60
'राइड फॉर रोटरी' रोटेरियनों को जोड़ता है

64
एक सुरक्षित पेयजल समाधान

68
नौशाद, बॉलीवुड संगीत के कोहिनूर

74
कम रक्तचाप, कम चिंता

एक बढ़िया तरह से संकलित मार्च अंक

रोटरेक्टरों द्वारा झुग्गी के बच्चों को पढ़ाए जाने वाली कवर फोटो देखकर खुशी हुई और यह जानकर अच्छा लगा कि ऑस्ट्रेलिया के रोटरी क्लब बेरी के केन हट ने एक नेक काम के लिए पैराग्लाइडिंग करके 200,000 डॉलर एकत्रित कर लिए है।

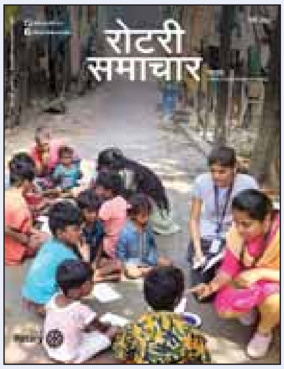

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स का चाय मास्टर जेनशितु सेन पर लिखा गया लेख प्रेरणादायक है क्योंकि यह शांति-निर्माण पर केंद्रित है। संपादक का संदेश हाल ही में रिलीज हुई फिल्म *पठान* के खिलाफ हो रही घृणित टिप्पणियों का मुकाबला करने में भारतीयों की एकता की स्पष्ट तस्वीर पेश करता है और इसने ₹1,000 करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड कमाई की है।

रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने तुर्की/सीरिया भूकंप पीड़ितों के बारे में एक मर्मस्पर्शी संदेश लिखा है। रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने सदस्यता को बनाए रखने के लिए क्लबों में किए जाने वाले बदलावों के महत्व पर जोर दिया। TRF न्यासी अध्यक्ष इयान रिसले जल और स्वच्छता की समस्याओं से निपटने की आवश्यकता को अच्छी तरह से समझाते है। TRF न्यासी भरत पांड्या ने समय पर हमें भारतीयों की देने की पुरानी आदत की याद दिलाकर इसे TRF को देने से जोड़ा। चेन्नई सेंट्रल के रोटरेक्ट क्लब के महान कार्य के बारे में जानकर खुशी हुई जो पूनमल्ली के पास स्थित एक झुग्गी में एक कक्षा चलाता है। अन्य लेख जैसे *TRF का विकास, पोलियोप्लस - रोटरी के ताज में नगीना,* PRIP राजेंद्र साबू द्वारा पांडुरंगा सेट्टी को श्रद्धांजलि, *सिंगापुर के रोटेरियनों की रोटरी क्लब सोनकच्छ के साथ साझेदारी,* और *आपके सवाल और गॉर्डन मेकीनली के जवाब* सभी पढ़ने में आनंददायक है।

अध्यक्ष जोन्स की श्रीलंका यात्रा का विवरण देने वाली तस्वीरों सहित सभी तस्वीरें खूबसूरत है। इसके अलावा, एक परी जैसी आवाज वाली वाणी जयराम के बारे में पढ़कर खुशी हुई। *मंडल गतिविधियों* को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। कुल मिलाकर मार्च का अंक बहुत ही शानदार है।

फिलिप मुलप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - मंडल 3211

मार्च अंक में रोटरी क्लब गतिविधियों पर समृद्ध सामग्री मौजूद है। वाणी जयराम को दी गई श्रद्धांजलि उनके जीवन के कुछ दिलचस्प किस्सों की याद दिलाती है। दिवंगत पार्श्व गायक पर इस लेख को प्रकाशित करने के लिए *रोटरी न्यूज़* को धन्यवाद क्योंकि यह लेख दुनिया भर में पढ़ा जाएगा।

के गणेशमूर्ति
रोटरी क्लब कुत्रालम - मंडल 3212

लेख *वाणी जयराम: एक अद्भुत आवाज मौन* में मैंने देखा कि दक्षिण भारतीय संगीतकारों के साथ उनकी कोई तस्वीर नहीं है। उन्हें शामिल किया जा सकता था।

कंडासामी सरोजा

लेख *नागपुर के रोटेरियन आदिवासी कल्याण के लिए काम करते है* बहुत शानदार है और इसका श्रेय रोटरी क्लब नागपुर विजन की अध्यक्ष डॉ शिवानी सुले को जाना चाहिए जिन्होंने नागपुर से लगभग 300 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी क्षेत्र मेलघाट के आदिवासी लोगों की सेवा करने का विचार प्रस्तुत किया।

यह सराहनीय है कि पुणे से छह घंटे की ड्राइव की दूरी पर होने के बावजूद भी क्लब ने महान ट्रस्ट के डॉक्टरों की मदद से एक चिकित्सा शिविर की मेजबानी की।

डॉ शिवानी और उनकी टीम को एक अस्थायी ऑपरेशन थिएटर में 32 बड़ी सर्जरियों सहित 52 सर्जरियों की व्यवस्था करने के लिए बधाई।

एन जगदीसन
रोटरी क्लब एलुरु - मंडल 3020

ऊंची उड़ान

एक अखिल महिला क्लब, रोटरी क्लब चेन्नई मेराकी के सदस्यों ने साबित कर दिया कि वे अलग है और चमत्कार कर सकते है।

बहुत ही साहस के साथ 5500 किमी की यात्रा करने वाली इस टीम में इसकी चार्टर अध्यक्ष शिवबाला राजेंद्रन, अध्यक्ष श्रीकला गोपी, सचिव प्रीता महेश और समन्वयक कोथांगी सुचित्रा शामिल है। उन्होंने एंड पोलियो नाउ, महिला कल्याण, DEI नीति और गो ग्रीन आदि जैसे रोटरी विषयों का प्रचार किया।

इसके अलावा पांच रो ई मंडलों के 150 क्लबों द्वारा उनका शानदार स्वागत रोटरी की सार्वजनिक छवि को प्रदर्शित करने के उनके प्रयासों का प्रमाण है। यह टीम अपने *प्रोजेक्ट विरियम सिरगुगल* (पंख फैलाना) के साथ हिमालय की ऊँचाइयों तक पहुंच गई जिसके लिए हम तमिलनाडू के रोटेरियनों को उन पर गर्व है। उन्हें दिल से बधाई।

वी आर टी दोरैराजा
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

मैं वास्तव में हमारी पत्रिका, *रोटरी न्यूज़* की दिल से सराहना करता हूँ क्योंकि रोटरी के विभिन्न पहलुओं के अलावा हमें प्रेरणादायक लेखों के साथ-साथ विभिन्न क्लब परियोजनाओं के बारे में पढ़ने को मिलता है।

गीता दुबे
रोटरी क्लब जमशेदपुर फेमिना - मंडल 3250

फरवरी अंक का संपादकीय जोशीमठ, जहाँ एक पर्यावरणीय हादसा इंतजार कर रहा है सामयिक है क्योंकि यह पाठकों को प्रकृति की अवहेलना करने के परिणामों की चेतावनी देता है। लेख *रोटरी को अनूठा बनाना* पढ़ने योग्य है।

विशाखा विस्टा जोन संस्थान से जुड़े सभी लेख उन लोगों के पढ़ने हेतु बहुत ही विस्तृत एवं दिलचस्प है जो इस कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके।

एस एन षणमुगम
रोटरी क्लब पनरुट्टि
मंडल 2981

रोटरी प्लस-अच्छी पहल

यह वास्तव में एक अद्भुत प्रयास है। कई महान परियोजनाओं को विभिन्न बाधाओं के कारण हमारी प्रिंट पत्रिका में जगह नहीं मिल पाती। *रोटरी न्यूज़* प्लस उन छूटी हुई परियोजनाओं को प्रदर्शित करने का एक बढ़िया मंच है।

गणेश पट्टनशेट्टी
रोटरी क्लब निपानी
मंडल 3170

एक रोटेरियन होने पर गर्व है। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले के मेरे क्लब ने समुदायों के लिए उपयोगी अनेक परियोजनाएं शुरू की है। धन्यवाद, रोटरी।

जवाहर अंबालावनन, रोटरी क्लब वीरानम लेक सिटी - मंडल 2981

कवर पर: लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए RID 3212 की परियोजना *यादुमानवल* के एक सत्र में एक ग्रामीण स्कूल की छात्रा बात करती हुई।

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए।
rotarynewsmagazine@gmail.com पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकरि और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए।

WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिक रोटरी परियोजनाओं के बारे में पढ़ने के लिए हमरी वेब साइट *www.rotarynewsonline.org* पर Rotary News Plus पर क्लिक करें।

रोटरी न्यूज़
में विज्ञापन दें

दर सूची

बैक कवर	₹1,00,000
इनर फ्रंट कवर	₹60,000
इनर बैक कवर	₹60,000
इनसाइड फुल पेज	₹30,000
हाफ पेज	₹20,000

विशेष विवरण

17 x 23 cm	फुल पेज
17 x 11 cm	हाफ पेज

केवल रंग में विज्ञापन

तीन महीने और उससे अधिक के विज्ञापनों पर आकर्षक छूट उपलब्ध है।

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
फोन: 044 42145666
ईमेल: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी यूथ नेटवर्क का परिचय

आप सबसे खराब चीजों में से सर्वश्रेष्ठ कैसे निकालते है?

हम में से कोई भी यह कभी नहीं भूलेगा कि महामारी ने कैसे हमारी दुनिया और हमारे जीवन को बदल दिया। हम में से प्रत्येक को अनिश्चितता के इस दौर से गुजरना पड़ा और कोई भी इसके प्रभावों से बच न सका।

मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि इससे एक अलग तरह के वैश्विक नेतृत्व के लिए जगह बनी है - वो जो साहसी, समानुभूतिपूर्ण और कमजोर है। मैं 2020 की शुरुआत में अपनी एक अच्छी मित्र एनीला कैरासेडो से ऑनलाइन मिली। वह एक ऐसी ही नेता है और मैं इस महीने के लेख को उन तक पहुँचाने के लिए रोमांचित हूँ।

– जेनिफर जोन्स

जनवरी में फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में अंतर्राष्ट्रीय सभा को संबोधित करते हुए एनीला कैरासेडो।

मार्च 2020 में मुझे पैनिक अटैक आया। मैं सांस नहीं ले पा रही थी और मुझे अपनी छाती में भयानक दर्द महसूस हुआ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोविड-19 को वैश्विक महामारी घोषित किए कुछ दिन हो गए थे और मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में रोटरी यूथ एक्सचेंज की एक छात्रा के रूप में अपने वर्ष के मध्य दौर में था। इसके बारे में सोचें: एक 18 वर्षीय लड़की विदेशी भाषा बोले जाने वाले एक अलग देश में फंस गई जहाँ वह उन लोगों के साथ थी जिनसे वह केवल छह महीने पहले ही मिली थी। यह बहुत डरावना था।

लेकिन मैं अनिश्चितता से परिचित हूँ। मैं वेनेज़ुएला में पैदा हुई और पली-बड़ी जो पश्चिमी गोलार्ध में सबसे खराब मानवीय और राजनीतिक संकटों में से एक से गुजर रहा था। लेकिन मेरी माँ हमेशा कहती थी, ''चुनौतियां उन जरूरतों से अधिक कुछ नहीं है जिन्हें समाधान की आवश्यकता होती है।''

मैंने अपने इंटरेक्ट और यूथ एक्सचेंज दोस्तों को फोन किया। एक साथ मिलकर हमने परियोजनाओं को साझा करने और क्वारंटीन के दौरान बाकी सभी लोगों द्वारा किए जा रहे कार्यों को जानकर उससे प्रेरित होने के लिए एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की। उस पहली बैठक में हमारे साथ 17 देशों से 70 लोग जुड़े थे जिसमें मुख्य रूप से छात्र शामिल थे।

शुरुआत से हमने दुनिया भर के रोटरी युवाओं के लिए उनके अनुभवों को साझा करने और अलगाव में रहने के दौरान उनके परियोजना विचारों से दूसरों को प्रेरित करने हेतु एक ऑनलाइन मंच तैयार किया। हमने ऐसे सलाहकारों और समर्थकों की तलाश की जो हमारे समूह की युवाओं से जुड़ने, संस्कृतियों को साझा करने और अंतर्राष्ट्रीय सेवा परियोजनाओं के लिए नए सहयोगी अवसर तैयार करने में मदद करेंगे। हमने इसे रोटरी इंटरेक्टिव क्वारंटीन या RIQ नाम दिया।

मात्र एक साल बाद ही हम 80 देशों के 5,000 से अधिक छात्रों के साथ जुड़े। हमारी टीम के कई सदस्य मंडल इंटरेक्ट प्रतिनिधि और मंडल समिति के सदस्य बन गए और हम में से कुछ रोटरी अंतर्राष्ट्रीय परिषद में भी सेवा प्रदान करते है।

आखिरकार, क्वारंटीन प्रतिबंध हटा लिए गए और हमारे प्रतिभागियों की जरूरतें बदल रही थी। RIQ के रूप में हमारी आखिरी आधिकारिक बैठक में पूर्व रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने हमें और भी बड़ा बदलाव लाने हेतु प्रेरित किया इसलिए हमने RIQ को रोटरी यूथ नेटवर्क या RYN में बदल दिया।

मुझे मिलाकर हमारे कुछ सदस्यों को उद्घाटन इंटरेक्ट एडवाइजरी काउंसिल में सेवा देने के लिए चुना गया जहाँ हमने रो ई निदेशक मंडल के समक्ष रोटरी में युवाओं के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

मंडल के समक्ष हमारी प्रस्तुति ने अध्यक्ष जेनिफर और उनकी टीम को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय में एक युवा सलाहकार परिषद बनाने हेतु प्रेरित किया जिसमें मैं सह-अध्यक्ष के रूप में सेवा देने हेतु कृतज्ञ हूँ।

रोटरी यूथ नेटवर्क आधिकारिक तौर पर ह्यूस्टन में 2022 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ब्रेकआउट सत्र के दौरान लॉन्च किया गया। हम में से पांच, जिन्होंने इंटरेक्ट, यूथ एक्सचेंज और रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड्स में भाग लिया था, ने एक संगठन को लॉन्च करने के लिए कई महाद्वीपों की यात्रा की, जिसे हमने दो साल पहले ऑनलाइन शुरू किया था। इस सम्मेलन में पहली बार हम व्यक्तिगत रूप से मिले थे।

जब मैंने और मेरे दोस्तों ने अपनी बात खत्म की तो हमें एहसास हुआ कि 500 से अधिक लोग खड़े होकर हमारे लिए तालियाँ बजा रहे थे। हमारी आँखों में आँसू भर आए और उत्साह एवं उपलब्धि की भावना से हम सराबोर हो गए।

किसने सोचा था कि एक पैनिक अटैक से ऐसा होगा?

एनीला कैरासेडो

रोटरी क्लब बे सेंट लुइस, मिसिसिपी

मंडल 6840 रोटरेक्ट प्रमुख निर्वाचित

संपादक
का संदेश

नारी शक्ति
कल्पना और सच्चाई

पहले एक चेतावनी... अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस में मेरा ज्यादा विश्वास नहीं है... ना ही मदर्स डे, फादर्स डे, डॉटर्स डे आदि का उत्सव मनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। कुल मिला के ये व्यापारिक हथकंडा है, विभिन्न उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए इजाद किया नया तरीका है।

वर्तमान में मेरे सामने रोटरी की पहली महिला अध्यक्ष जेनिफर जोन्स की छवि है, जो तुर्की और सीरिया के भूकंप पीड़ितों के पीड़ितों और इस त्रासदी से बचे हुए लोगों के लिए विनम्रतापूर्वक दान की अपील कर रही हैं। इस कार्य से, जहां वे नियुक्त हैं - अमेरिका, उनसे बहुत दूर, विपत्ति का सामना कर रहे साथी मनुष्यों के प्रति उन्होंने करुणा, संवेदना, नेतृत्व और जोश का प्रदर्शन किया है। कार्यस्थल पर आने वाली अधिकांश महिलाओं में ये गुण होते हैं; इन में फोकस, ईमानदारी और कड़ी मेहनत जोड़ दें, बस, मिल गया आपको सफलता का सूत्र। हम जानते हैं कि महिलाओं में विविधता और समावेशन को समाविष्ट करने की प्रवृत्ति रहती हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश को अपने करियर के किसी न किसी पड़ाव पर पक्षपात और भेदभाव से गुजरना पड़ता है। लेकिन नाना प्रकार के अवरोधों के बावजूद जब महिलाएं अपनी प्रतिभा और क्षमता के आधार पर शीर्ष पर पहुंचती हैं, तो क्या उनकी उपलब्धि, उत्कृष्टता या योगदान की सराहना की जाती है?

दुर्भाग्य से, नहीं, मैकिन्से 2022 की रिपोर्ट में, यह खुलासा हुआ है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत महिला नेता कहती हैं कि विविधता, समानता और समावेशन (रोटरी का अपना डीईआई मंत्र) को बढ़ावा देने के तहत उनके द्वारा किये गए कार्यों को, उनके कामकाज के मूल्यांकन में नज़र अंदाज़ किया जाता है।

यह तो प्रमाणित हो ही चुका है कि कार्यक्षेत्र में विविधता होने से कार्य प्रदर्शन सहित उत्पादक क्षमता में भी बढ़ोतरी होती है, फलस्वरूप लाभ में भी वृद्धि होती है। हां, पश्चिमी दुनिया की तुलना में कॉर्पोरेट्स को भारत में इस दुविधा का सामना अधिक करना पड़ता है, क्योंकि महिला कर्मचारियों को बच्चे के जन्म के पहले और बाद में लंबे समय तक अवकाश पर रहने की आवश्यकता होती है। प्रवेश स्तर कार्य में अधिक महिलाओं को नौकरी देने में अग्रणी एक प्रमुख आईटी कंपनी ने देखा कि कंपनी द्वारा भारी भरकम लागत से प्रशिक्षित किये जाने के कुछ वर्षों बाद महिलाऐं नौकरी छोड़ देती हैं, बच्चे के पालन-पोषण के लिए। लेकिन महिलाओं के साथ निरंतर संपर्क और संवाद, नियमों में शिथिलता और लचीले मानदंड के साथ साथ उनकी योग्यता और कौशल बढ़ाने के लिए दिए गए अतिरिक्त प्रशिक्षण के बढ़िया परिणाम सामने आये। हर साल कुछ हज़ार प्रशिक्षित, कुशल और योग्य महिलाओं को खो देने की अपेक्षा, कंपनी, अप्रत्याशित रूप से, उस संख्या में जबरदस्त गिरावट लाने में कामयाब रही है। यह कंपनी और महिलाओं दोनों के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ है !

नेतृत्व की स्थिति की बात करें तो तस्वीर बेहतर हो तो रही है, लेकिन यह अभी भी निराशाजनक है। 2022 की अर्न्स्ट एंड यंग की 'बोर्डरूम में विविधता' पर रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सूचीबद्ध कंपनियों के बोर्ड में केवल 18 प्रतिशत महिलाएं हैं, 2013 से 6 प्रतिशत बेहतर, लेकिन अभी भी स्थिति संतोषप्रद नहीं है। वो भी इसलिए क्योंकि कंपनी अधिनियम में भारत सरकार 2013 के शासनादेश के कारण, कि सभी सूचीबद्ध कंपनियों के बोर्ड में अनिवार्य रूप से कम से कम एक महिला अवश्य होनी चाहिए। आज, निफ्टी 50 की कंपनियों में से कम से कम 95 प्रतिशत में महिला निदेशक विद्यमान हैं!

लेकिन स्थिति में सुधार हो रहे हैं; आईटी प्रमुख कंपनी इंफोसिस में कार्यरत महिलाओं से, जिन्हें पालन-पोषण की वजह से कैरियर ब्रेक लेना पड़ता है, उनके साथ निरंतर संपर्क और संवाद रखते हुए और लचीलेपन का आश्वासन देने के साथ, अतिरिक्त प्रशिक्षण प्रदान करती है, वहीं टाटा स्टील द्वारा लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए किया गया प्रयास *Women@Mines* नामक सराहनीय है, जिसके तहत महिलाओं को बिजली/यांत्रिक रखरखाव सहित खनन के सभी क्षेत्रों में सम्मिलित किया गया है।

आज जब हम भारतीय कंपनियों के कार्यबल में बेहतर लैंगिक विविधता की प्रतीक्षा कर रहे हैं, क्या हम महिलाओं को सूली पर चढ़ाना बंद कर सकते हैं और परिवार के लिए किए जाने वाले ''त्याग'' की प्रशंसा करते हुए हमेशा उनसे कड़ी मेहनत की उम्मीद रखना, वो सबसे पहले उठें और सबसे बाद में सोएं, और करती रहे, कर सकते हैं बंद? उच्च मध्यवर्गीय परिवारों में भी ऐसा ही होता है। ऐसा करके हम महिलाओं का महिमामंडन नहीं करते, बल्कि परिवार द्वारा उस को दिए गए ढेर सारे कमरतोड़ कार्यों का, चुप रह कर एक तरह से समर्थन करते हैं, उससे उम्मीद करते हैं और काम होने के बाद उसकी तारीफ़ करते हैं! महिलाओं को ऐसी प्रशंसा की ज़रुरत नहीं है; वे पुरुषों के बगल में खड़े रह कर बहुत खुश हैं, जमीन पे रह कर !

आवश्यकता उन्हें समझने की है, उनकी सहायता करने की है, सुपरवूमन की उपाधि की नहीं!

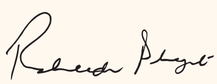

रशीदा भगत

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981 सेल्वनाथन वी
RID 2982 सरवनन पी
RID 3000 आई जेराल्ड
RID 3011 अशोक कंट्रर
RID 3012 डॉ ललित खन्ना
RID 3020 भास्कर राम वी
RID 3030 डॉ आनंद ए झुंझुनूवाला
RID 3040 जिनेंद्र जैन
RID 3053 राजेश कुमार चुरा
RID 3054 डॉ बलवंत एस चिराना
RID 3060 श्रीकांत बालकृष्ण इंदानी
RID 3070 डॉ दुष्यंत चौधरी
RID 3080 कल्टा वी पी
RID 3090 गुलबहार सिंह रेटोले
RID 3100 दिनेश कुमार शर्मा
RID 3110 पवन अग्रवाल
RID 3120 अनिल अग्रवाल
RID 3131 डॉ अनिल लालचंद परमार
RID 3132 रुक्मेश पन्नालालजी जकोटिया
RID 3141 संदीप अग्रवाला
RID 3142 कैलाश जेठानी
RID 3150 तल्ला राजा शेखर रेड्डी
RID 3160 वोम्मिना नागा सतीश बाबू
RID 3170 वेंकटेश एच देशपांडे
RID 3181 एन प्रकाश कारंथ
RID 3182 डॉ जयगौरी हदीगाल
RID 3190 जीतेंद्र अनेजा
RID 3201 राजमोहन नायर एस
RID 3203 बी इलंगकुमारन
RID 3204 बी वी प्रमोद नयनार
RID 3211 के बाबूमोन
RID 3212 मुत्तु वी आर
RID 3231 पलनी जे के एन
RID 3232 डॉ नंदकुमार एन
RID 3240 कृषाणवा पाबि
RID 3250 संजीव कुमार ठाकुर
RID 3261 शशांक रस्तोगी
RID 3262 प्रवुदत्त सुबुद्धि
RID 3291 अजॉय कुमार लॉ

प्रकाशक एवं मुद्रक पीटी प्रभाकर द्वारा रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600 014 से मुद्रित एवम दुगर टावर्स, तीसरा फ्लोर, 34, मार्शल रोड, एग्मोर, चेन्नई से प्रकाशित। संपादक : रशीदा भगत।

प्रकाशित सामग्री में अभिव्यक्त विचार योगदानकर्ताओं के स्वतंत्र विचार हैं, और आवश्यक नहीं कि वे रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट (आरएनटी) के संपादक या रोटरी इंटरनेशनल के ट्रस्टी के विचारों से मेल खाते हों। संपादकीय या विज्ञापन सामग्री से होने वाली किसी भी क्षति के लिए आरएनटी जिम्मेदार नहीं होगा। लेख और रचनाओं का स्वागत है किन्तु उन्हें संपादित किया जा सकता है। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

निदेशकों

एक स्वच्छ हरी-भरी दुनिया

यदि आप थके हुए है और थोड़ा विराम चाहते है तो आप क्या करेंगे? आप छुट्टी पर कहाँ जाना पसंद करेंगे - कोई ऐसी जगह जहाँ स्वच्छ हरित जंगल हो, नीले महासागर और नदियों के साथ ताज़ी हवा एवं ऑक्सीजन की प्रचुरता हो?

शुरूआत में जिस स्थान पर आप रहते है उसके भीतर हरियाली प्राप्त करने में मेरी मदद करें। आप अपनी बैठक में आंतरिक पौधे लगाकर शुरूआत कर सकते है - वे न केवल जबरदस्त ऑक्सीजन छोड़ते है बल्कि उस जगह को सुंदर और जीवंत भी बनाते है।

जहाँ आप रहते है उस स्थान पर पेड़ लगाने से गर्मियों में आपके घर में ठंडक रहती है और सर्दियों में ये सर्द हवाओं के प्रवेश को रोकते है। पेड़-पौधे लगाने से समग्र सूक्ष्म जलवायु में सुधार होता है जिससे यह हमारे निवास के लिए एक बेहतर जगह बनती है। हम सभी को अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

पेड़ गंध अवशोषित करते है, ध्वनि प्रदूषण को कम करते है और सड़कों, पुलों और मार्गों जैसे ठोस, मानव निर्मित सतहों से प्रतिबिंबित गर्मी को कम करके प्रतिरोधक के रूप में कार्य करते है। एक बड़ी छतरी बनाने वाले लंबे पेड़ विशाल क्षेत्र को कवर करते है, गर्मी को अवशोषित करते है और आसपास के तापमान को कम करते है।

हाल ही में रो ई ने पर्यावरण संरक्षण को एक नए ध्यानाकर्षण क्षेत्र के रूप में जोड़ा है और विभिन्न स्वच्छता अभियानों एवं पर्यावरणीय गतिविधियों में लिप्त गैर सरकारी संगठनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

हमारे पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए माउंट एवरेस्ट बेस कैंप, महासागरों, किलों, नहरों, सार्वजनिक उद्यानों और मंदिरों की सफाई जैसे स्वच्छता अभियान चलाए जाने चाहिए।

मैंग्रोव समुद्र तट को स्थिरता प्रदान करते है। वे बाढ़ को रोकने और मिट्टी के कटाव को कम करने में मदद करते है। वे कम ऑक्सीजन वाली मिट्टी में भी बढ़ सकते है।

आइए हम सभी हमारी पृथ्वी को बेहतर बनाने हेतु बड़ी संख्या में विभिन्न मंचों पर एक साथ आएं। ग्लोबल वार्मिंग को कम करने और एक बेहतर, स्वच्छ एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करें। दुनिया की जलवायु को बदलने की आवश्यकता है और हमें स्वच्छ एवं ताजी हवा में सांस लेने की जरूरत है... और इस सब की शुरुआत एक पेड़ लगाने से होगी।

मानसून जल्द ही आ रहा है तो चलिए इस पीढ़ी और अगली पीढ़ी के लिए भविष्य बदलने की तैयारी करें ताकि हम सभी इस सुंदर प्रकृति के बीच रह सकें।

महेश कोटबागी

रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

लचीलापन महत्वपूर्ण है

हर सार्थक रोटेरियन चाहता है कि उसका क्लब जीवंत हो। हालांकि अलग-अलग लोगों के लिए जीवंत क्लब की परिभाषाएं भिन्न हो सकती है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक ऐसा क्लब जिसके सदस्य खुश हो, वह हमेशा जीवंत रहेगा।

सदस्यों की संतुष्टि की कुंजी उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने में निहित है। अधिक सटीक रूप से, उन्हें अपनी सदस्यता में मूल्यवान अनुभव होना चाहिए। कई लोगों को लगता है कि रोटरी पिछले कुछ वर्षों में महंगी हो गई है। जबकि मैं इस बात का समर्थन करता हूँ कि हमें व्यर्थ व्यय के प्रति सावधान रहने की आवश्यकता है, यह भी सच है कि हम सभी कम महत्वपूर्ण चीजों पर बहुत अधिक खर्च करते है। तो बात क्या है? मुझे लगता है कि सदस्य जिस अधिक महत्वपूर्ण संसाधन को विवेकपूर्ण ढंग से खर्च करना चाहते है, वो उनका पैसा नहीं बल्कि उनका समय है।

क्लबों को इस जरूरत को पूरा करने के लिए लचीला होना होगा। पिछले कुछ वर्षों में, क्लबों को कई चीजों पर निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है जो पहले एक ही नियम द्वारा चलते थे। क्योंकि हर चीज़ सभी के लिए सही नहीं हो सकती। उपस्थिति की आवश्यकता, बैठक आवृत्ति, बैठकों की प्रकृति, क्लबों का प्रकार, सदस्यों का वर्गीकरण और कई अन्य ऐसे मुद्दे है जिनपर क्लब अपनी सहूलियत के हिसाब से उपयुक्त निर्णय लेकर उनमें परिवर्तन कर सकते है।

क्या हम वास्तव में इस नई सुविधा का लाभ उठा रहे है या अभी भी हम इस बात को मानते है कि परिवर्तन बुरा है? मैं क्लबों से आग्रह करता हूँ कि वे इस बात पर दोबारा विचार करें कि सदस्य क्या चाहते है और क्या क्लब उन जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से सक्रिय है। यह बैठक का समय या स्थान या लोगों को सौंपी गई भूमिकाओं या क्लबों द्वारा अपनाए गए विभिन्न अभ्यासों के बारे में हो सकता है।

प्रगति इस बात को जानने के साथ शुरू होती है कि परिवर्तन आवश्यक है। तो चलिए हम अपने क्लबों को दोबारा नया बनाएं ताकि सदस्यों द्वारा रोटरी को दिया गया समय सार्थक सिद्ध हो। लचीलापन महत्वपूर्ण है। जब परिवर्तन की हवा चलती है, तो हम या तो लचीले रहकर आगे बढ़ते है या दृढ़ बने रहकर टूट जाते है। विकल्प हमारा है और चुनाव आसान है।

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

न्यासी मंडल

ए एस वेंकटेश **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3232
डॉ महेश कोटबागी **रो ई निदेशक**	RID 3131
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

रो ई निदेशक-निर्वाचित

अनिरुधा रॉयचौधरी	RID 3291
टी एन सुब्रमण्यन	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2022-23)

डॉ दुष्यंत चौधरी **अध्यक्ष,गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3070
वेंकटेश एच देशपांडे **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3170
डॉ एन नंदकुमार **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3232
दिनेश कुमार शर्मा **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3100

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

बड़ा सोचें, बड़ा करें

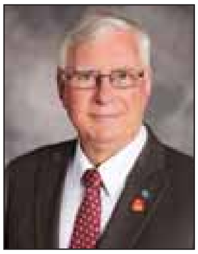

जब आप प्रकृति से प्यार करते है तो आप इसका ख्याल भी रखना चाहते है। अप्रैल रोटरी के लिए पर्यावरणीय महीना है और 22 तारीख को पृथ्वी दिवस है। इस अवसर को चिह्नित करने हेतु सड़क किनारे की सफाई जैसी स्थानीय परियोजनाएं शानदार है और एक परिवर्तन लाती है। द रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से वित्त पोषित की गई बड़े पैमाने की परियोजना पर अन्य क्लबों और मंडलों के साथ साझेदारी करके पर्यावरण की रक्षा के बारे में भी बड़ा सोचने पर विचार करें।

फाउंडेशन वैश्विक अनुदान के समर्थन से पेंसिल्वेनिया और ब्राजील के रोटरी क्लबों ने रियो क्लारो शहर में कचरा बीनने वालों की एक सहकारी समिति को प्लास्टिक प्रसंस्करण उपकरण प्रदान करने हेतु मिलकर काम किया। कचरे से पुनर्चक्रण योग्य वस्तुओं को छाँटने वाले श्रमिकों ने अपनी आय में 50 प्रतिशत की वृद्धि की और एक स्वच्छ पर्यावरण में योगदान करते हुए इस सहकारी समिति का विस्तार किया।

कुछ बड़ा करना भी फाउंडेशन के प्रोग्राम्स ऑफ स्केल के पीछे के मुख्य विचारों में से एक है। एक कार्यक्रम की तीन से पांच साल की अवधि में वितरित प्रत्येक 2 मिलियन डॉलर के अनुदान के साथ दीर्घकालिक स्थायी परिवर्तन की क्षमता को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों में वृद्धि होती है। 2021-22 प्रोग्राम्स ऑफ स्केल प्राप्तकर्ता, टुगेदर फॉर हेल्थी फॅमिलीस इन नाइजीरिया, देश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से इसके समाधान पर अभी कड़ी मेहनत कर रहे है।

प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान हाल ही के वर्षों में रोटरी और इसके संस्थान के सबसे रोमांचक विकास में शामिल है। इनका दुनिया पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। याद रखें कि प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान आपकी संस्थान अनुदान परियोजनाओं से कुछ भी नहीं ले जाते है; इसमें निवेश किया गया पैसा संस्थान की कुल राशि का बहुत ही छोटा हिस्सा है। इसके साथ ही रोटरी संस्थान ने बड़ी साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए प्रोग्राम्स ऑफ स्केल को डिजाइन किया जिसमें किसी पहल का सह-वित्तपोषण शामिल हो सकता है।

इसलिए, इस महीने बड़ा सोचें - पर्यावरण और वैश्विक अनुदान एवं प्रोग्राम्स ऑफ स्केल के बारे में - और आप देखेंगे कि हमारे संस्थान की कोई सीमा नहीं है।

इयान एच एस राइसली

ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

2023 कन्वेंशन

ब्रेकआउटस में सबसे बेहतर

रोज़ शिलिंग

ह्यूस्टन में 2022 रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन में शांति निर्माण पर एक ब्रेकआउट सत्र।

रोटरी इंटरनेशनल सम्मेलन में, मेलबोर्न में दर्जनों ब्रेकआउट सत्रों में, साथी रोटरी सदस्य माहिर परामर्श देंगे कि आप अपने क्लब को उसके संघात को बढ़ाने के लिए घर ले जा सकते हैं - और अपने ख़ुद के रोटरी तजुर्बे को और बेहतर बना सकते हैं।

27-31 मई के सम्मेलन की अवधि में, रोटरी के सदस्य और माहिर रोटरी एक्शन योजना को जीने के टिप्स साझा करेंगे, दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों के ऊपर ध्यान दिलाने के लिए आप क्या कर सकते हैं, अपने नेतृत्व कौशलता को पॉलिश करेंगे, क्लब की विभिन्नता को बढ़ाएंगे और नए लोगों को आकृष्ट करेंगे।

दूसरे नियोजित सत्रों में, आप नौजवान लोगों से नए दृष्टिकोण अपनाने, अपने समाज और उसके अच्छे काम में दिलचस्पी बढ़ाने और रोटरी सदस्यता को प्रत्येक के लिए अर्थपूर्ण बनाने की युद्ध-कला सीखेंगे।

नौजवानों को गरीबी से बाहर लाने में सहायता करने के लिए तकनीकी केंद्र *(tech hub)* का इस्तेमाल करने, मासिक धर्म की जरूरतों के बारे में ख़ामोशी तोड़ने, मौसम को संबोधित करने के लिए पौधों से भरपूर खाद्य पर विचार करने और गुलामी, प्लास्टिक प्रदूषण , कुपोषण, और बहुत कुछ को रोकने के साथ विभिन्न किस्म के सत्र सेवा विचारों के समृद्ध पूल में खोदेंगे।

आप किन कार्यशालाओं में हिस्सा लेना चाहते हैं, इसकी योजना बनाने के लिए सम्मेलन वेबसाइट पर सत्रों की संपूर्ण प्रस्ताविक सूची ब्राउज़ करें। सत्र 29-31 मई हैं। पंजीकरण की ज़रूरत नहीं है, और बैठक व्यवस्था पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर है।

अधिक जानें और convention.rotary.org पर रजिस्टर करें।

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	36,947
रोटरेक्ट क्लब	:	11,207
इंटरेक्ट क्लब	:	19,053
आरसीसी	:	12,745
रोटरी सदस्य	:	1,192,270
रोटरेक्ट सदस्य	:	174,895
इंटरेक्ट सदस्य	:	438,219

15 मार्च, 2023 तक

सदस्यता सारांश 1 मार्च 2023 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	136	6,407	7.32	71	462	55	243
2982	82	3,731	6.92	30	760	114	76
3000	132	5,485	10.19	103	1,623	325	215
3011	123	4,719	28.42	82	2,607	144	37
3012	151	3,767	23.17	73	1,278	94	61
3020	84	4,903	7.20	41	1,160	168	350
3030	101	5,448	14.94	126	2,171	371	383
3040	115	2,622	15.75	59	784	94	190
3053	66	2,853	16.37	35	566	55	128
3054	169	6,958	19.80	107	1,536	209	575
3060	102	4,988	14.86	66	2,371	81	149
3070	127	3,443	16.47	47	557	64	59
3080	107	4,331	12.86	120	2,234	215	116
3090	104	2,421	5.33	46	636	120	164
3100	106	2,257	13.65	14	125	39	151
3110	143	3,953	12.42	16	126	33	106
3120	89	3,684	15.74	35	398	36	55
3131	142	5,725	24.80	136	3,013	265	144
3132	91	3,648	12.88	37	514	127	168
3141	111	6,200	26.79	149	6,579	231	170
3142	103	3,906	21.25	90	3,040	149	88
3150	112	4,401	13.02	151	2,034	160	127
3160	78	2,771	9.17	32	233	20	82
3170	145	6,755	15.97	104	1,825	272	177
3181	87	3,650	10.19	37	423	224	117
3182	88	3,653	10.13	44	192	132	106
3190	168	6,967	20.11	219	5,242	288	74
3201	169	6,591	9.92	131	1,921	115	91
3203	94	4,956	7.77	75	972	244	39
3204	75	2,544	7.27	23	194	33	13
3211	156	5,128	8.54	8	108	32	133
3212	127	4,787	11.45	85	3,527	303	153
3231	96	3,467	8.34	37	411	99	417
3232	171	6,846	20.01	136	7,543	246	101
3240	109	3,675	16.79	71	1,438	206	226
3250	103	3,909	21.18	68	1,050	85	188
3261	90	3,274	19.95	17	50	26	44
3262	125	3,860	14.61	75	756	662	277
3291	152	3,993	25.04	138	2,034	111	696
India Total	**4,529**	**172,676**		**2,934**	**62,493**	**6,247**	**6,689**
3220	72	2,147	16.21	98	5,042	145	77
3271	167	3,357	18.05	166	2,546	270	28
3272	162	2,323	14.94	70	938	22	47
3281	311	7,329	18.27	281	2,268	157	207
3282	184	3,642	10.21	202	1,717	50	47
3292	154	5,802	18.80	184	4,928	148	133
S Asia Total	**5,579**	**197,276**		**3,935**	**79,932**	**7,039**	**7,228**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

आत्मसम्मान की कमी से मुकाबला करने के लिए युवा लड़कियों को प्रेरित करना

रशीदा भगत

जब 17 साल की एक खूबसूरत, स्मार्ट, बुद्धिमान, लंबे, घुंघराले बाल और चमकदार त्वचा वाली सांवली लड़की खड़े हो कर आपसे कहती है कि उसकी त्वचा के गहरे रंग के कारण, उसके सहपाठी उससे दूर रहते हैं और कोई उसका दोस्त नहीं बनना चाहता, तो आपका दिल कसक उठता है, जयंतश्री बालकृष्ण कहती हैं, जो एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और विभिन्न लैंगिक विषयों पर प्रेरक वक्ता हैं।

वह रो ई मंडल 3212 में डीजी वी आर मुत्तु की लड़कियों के सशक्तिकरण से सम्बंधित मौलिक परियोजना - *यादुमानवल* (जिसका तमिल में अर्थ 'वह सब कुछ है') की प्रमुख वक्ता हैं।

इस परियोजना के अंतर्गत, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन, के. जयकुमारी, रोटरी क्लब विरुधुनगर की एक सदस्य के साथ, वह ग्रामीण क्षेत्रों में, लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए विशेषकर रो ई मंडल 3212 के उच्च विद्यालयों और कॉलेजों में 'टॉक शो' आयोजित करती हैं, या उनके शब्दों में जैसा वह इन सत्रों को कहती हैं 'श्रवण सत्र।'

सविता (बदला हुआ नाम), ''शिवकाशी की सुंदर, प्रतिभाशाली, स्मार्ट और बुद्धिमान 17 वर्षीय लड़की'' की बात करें, जिसने इस सत्र के प्रश्नोत्तर भाग के दौरान खड़े हो कर निराशाजनक रूप से अपने आत्मसम्मान पर ठेस लगने की व्यथा सुनाई। सिर्फ उसकी त्वचा के काले रंग की वजह से उसके सहपाठियों ने उसका बहिष्कार कर दिया गया था।

जब मैंने उससे कहा कि आज तक अपने जीवन में मुझे जितने भी खूबसूरत लोग मिले हैं तुम उन सबसे आकर्षक युवा व्यक्तियों में से एक हो जिसकी त्वचा इतनी चमकदार है और पूछा कि तुम खुद को दूसरे की दृष्टि से क्यों मापती हो, हालांकि मैं जो कह रही थी उसे समझने और पचाने में उसे कुछ वक्त ज़रूर लगा था।'' कोयम्बटूर में पीएसजी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष जयंतश्री कहती हैं कि ''ऐसा लग रहा था जैसे उसकी ज़िन्दगी में पहली बार कोई उसके रूप रंग की तारीफ कर रहा था। वह इसे एक तारीफ के रूप में भी नहीं ले पाई थी ... उसके चेहरे पर एक संदेह की की झलक साफ़ दिख रही थी मानो मैं उसे चिढ़ा रही थी। पर जब वो समझी कि मैं क्या कह रही हूँ फिर तो वह इतनी भावुक हो गई कि फूट-फूट कर रो पड़ी।''

लड़की को पानी का गिलास दिया गया, थोड़ी देर बाद वो सम्भली और शांत हुई। ''लेकिन वो वक्ता असमंजस में पड़ गई कि उसने मेरी तारीफ स्वीकार की भी है या नहीं।''

जयंतश्री और विजयकुमारी दोनों, जहां भी ये सत्र आयोजित होते हैं, जो हमेशा उसे अपने साथ ले कर उच्च विद्यालयों और कॉलेजों में जाती हैं, हमारे समाज में अपने शारीरिक रूप रंग की वजह से कम होते आत्मसम्मान का आईना है जिसके अभिशाप से बहुत सारी लडकियां गुजर रही हैं। खुद लैंगिक अधिकारों की चैंपियन रही विजयकुमारी कहती हैं: ''इस मंडल परियोजना के माध्यम से, लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए हम *यादुमानवल* आन्दोलन को तमिलनाडु की ग्रामीण बालिकाओं के घर - घर तक ले जा रहे हैं ताकि उन्हें आत्मविश्वास और साहस के

स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ यादुमानवल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शिक्षाविद जयंतश्री बालकृष्णन।

साथ विकसित होने में मदद मिल सके।''

वह बताती हैं कि इन सत्रों को संबोधित करने के लिए जयंतश्री को चुना गया था क्योंकि वह एक विश्व प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता हैं, जिनके भीतर युवाओं से बुलवाने की कला है, और वे उन्हें अपने सपनों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। ''उन्हें उनकी दिमागी बेड़ियों से बाहर निकलने में मदद करने के लिए वह छात्राओं के साथ घुल मिल जाती हैं, और ज्यूँ ज्यूँ सत्र आगे बढ़ता जाता है, छात्राएं उनके साथ जुड़ाव महसूस करने लगती हैं और लंबे समय से चले आ रहे संदेहों को दूर करने के लिए उसके साथ खुल जाती हैं। आश्चर्य की बात है, वे ऐसे सवाल पूछती हैं जो शायद वे अपनी माँ से भी नहीं पूछेंगी हमारा मानना है कि लड़कियों में यह मनोवैज्ञानिक परिवर्तन उनकी स्वतंत्रता, विकास और जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है।''

यह परियोजना, जो 2022 की शुरुआत में मुत्तु के गवर्नर बनने से पहले शुरू की गई थी, उनकी अपनी कंपनी इदयम एडिबल ऑयल्स के साथ-साथ अरुण आइसक्रीम द्वारा प्रायोजित है और दक्षिण तमिलनाडु के अंदरूनी इलाकों के हाई स्कूलों और कॉलेजों में संचालित की जा रही है।

लड़कियों और लड़कों दोनों के साथ 45 से अधिक ऐसे संवाद सत्र आयोजित करने के बाद, दोनों महिलाओं को लगा कि ग्रामीण लड़कियां चिंता और अवसाद जैसी बड़ी समस्याओं से निपटती हैं, उनके अंदर पनपने वाली हीन भावना उन टिप्पणियों और गालियों से शुरू होती है जो उन्हें लगातार दी जाती हैं, और वे आत्म सम्मान की कमी से जूझ

रही हैं। जयंतश्री का दृढ़ विश्वास है कि जब लैंगिक मुद्दों पर चर्चा हो तो लड़कों को भी वहां उपस्थित रहना चाहिए।

एक ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित सत्र से लौट रही दोनों महिलाओं के साथ चर्चा में जयंतश्री बताती हैं कि यह सत्र मासिक धर्म और एमएचएम पर था और ''हॉल में इतने सारे लड़के बैठे थे। वे भी इस चर्चा में गंभीरता से शामिल थे और ध्यान से सुन रहे थे। कोई हूटिंग या सीटी नहीं बजी थी जैसा कि सैनिटरी पैड के ऊपर पानी डाले जाने के वीडियो या दृश्य दिखाए जाने पर अक्सर होता हैं। महिलाओं की शारीरिक समस्याओं के बारे में पुरुषों को समझना होगा, संवेदनशील बनाना होगा, हमें उनके सहयोग की आवश्यकता है।''

हमारे समाज में युवा महिलाओं के सामने आने वाले मुद्दों और उनकी समस्याओं पर चर्चा करते समय वह इसे बहुत तथ्यात्मक होते हुए सीधे मुद्दे पर बात करती हैं हैं। ''हमारे सत्रों में लैंगिक मुद्दों का न तो रूमानीकरण होता है और न ही उनका महिमामंडन होता है हम इन मुद्दों और समस्याओं के बारे में सबसे वास्तविक रूप से बात करते हैं। हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि महिलाओं को दया की भीख नहीं चाहिए; बस उन्हें तो समझने की और सहानुभूति की जरूरत है।'' वह कहती हैं, किशोर छात्रों का यह समावेश बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि ''जब वे बड़े हों और परिवार की शुरूआत

करें, तो वे एक वयस्क और परिपक्व इंसान बनें, जो अपने परिवारों की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार है।''

ग्रामीण परिवेश की छात्राओं द्वारा उठाए गए सबसे आम मुद्दों/ /पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में जयंतश्री कहती हैं कि ये ज्यादातर हीन भावना को दूर करने से संबंधित होते हैं। ''अधिकांश किशोर लड़कियों की तरह, वे अपनी शारीरिक बनावट के बारे में काफी अनभिज्ञ होती हैं, विडंबना ये है कि ये उसे अपने जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू समझती हैं जिसका श्रेय जाता है सौंदर्य प्रसाधन कंपनियों द्वारा डाले गए दबाव को। जिसके बारे में हम सभी जानते हैं। नतीजा, सविता का उदाहरण जो अपने काले रंग से निपटने में खुद को असमर्थ पाती है, भले ही उसकी त्वचा सुंदर और चमकदार है।''

एक और आम सवाल कि मंच के भय को कैसे दूर किया जाए, कैसे निपटा जाए। इनमें से अधिकांश लड़कियां बोलने से डरती हैं, यहां तक कि अपने शिक्षकों के साथ चैट सत्र के दौरान भी। इसलिए कई संस्थानों में ''जब लड़कियां खुल के बात करती हैं और उत्सुकता से इतने सारे ईमानदार और अपरंपरागत प्रश्न पूछती हैं, तो कई शिक्षक जयंतश्री द्वारा लड़कियों को सहजता से आकर्षित करने और उनकी झिझक दूर करने पर पर आश्चर्य व्यक्त करती हैं। जब मंच के डर पर काबू पाने की बात आती है, तो मैं कभी-कभी दिखावा करती हूं कि मैंने सवाल नहीं सुना और लड़की को मंच पर आकर, मंच से सवाल पूछने के लिए कहती हूँ। जब वह मंच से पूछती है, तो मैं उनसे कहती हूँ: 'देखा, तुम्हें अब मंच से घबराने डरने की जरूरत नहीं है, अब तुम मंच से बोल चुकी हो!'''

कुछ और सवाल भी थे कि जब लड़कियां सड़कों पर चलती हैं या बसों में होती हैं तो लड़कों द्वारा सीटी बजाने और छेड़छाड़ से कैसे निपटा जाए। सौभाग्य से, एक जगह, कुछ महिला पुलिस कर्मी भी मौजूद थीं, और उन्होंने लड़कियों से कहा कि ''आपको सिर्फ प्रिंसिपल से शिकायत करनी है, जो आपकी शिकायत हमें दे देंगी, और इन अपराधियों से हम निपटेंगे।''

युवा लड़कियों के साथ इस तरह की बातचीत के बाद एक बात तो साफ़ हो जाती है कि उनकी अपेक्षाएं अपने माता पिता की इच्छा से बहुत अलग है। उदाहरण के लिए, कुछ लड़कियों ने कहा कि वे रक्षा बलों में शामिल होने में बहुत रुचि रखती हैं लेकिन उनके माता-पिता इस के खिलाफ हैं। ''कक्षा

अपनी थोड़ी बहुत जानकारी के आधार पर हमें लगता है कि हम इन बच्चों के बारे में सब कुछ जानते हैं लेकिन जब हम उनके सामने खड़े हो कर देखेंगे कि वे कितने गंभीर और परिपक्व प्रश्न पूछते हैं, तो बगलें झाँकने लगेंगे और खुद को बड़ा असहाय महसूस कर सकते हैं।

जयंतश्री बालकृष्णन
संसाधन व्यक्ति

---

9 की एक छात्रा ने मुझसे यह सवाल पूछा और वो जानना चाहती थी कि वह अपने माता-पिता को कैसे समझा सकती हैं .. यहां इस बात पर गौर करें कि, वे अपने माता-पिता की शिकायत नहीं कर रही हैं... उसने शब्द 'समझा सकती' का प्रयोग किया था। इसलिए शहरी क्षेत्रों की समृद्ध किशोरियों के विपरीत, जो उद्दंड भी हो सकती हैं, इन लड़कियों के मनोभाव काफी अलग है,'' वह कहती हैं।

विजयकुमारी और जयंतश्री दोनों कहती हैं कि एक और समस्या है, कई लड़कियां अपने माता-पिता द्वारा उनकी असमय शादी कर देने की इच्छा से परशान हैं, जबकि लड़कियां अपनी शिक्षा जारी रखने और नौकरी करने में रुचि रखती हैं ताकि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें। ''उनमें से बहुत सी मुझसे पूछती हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए। इसलिए मैं उनसे कहती हूं... चिल्लाओ या रोओ मत , ना ही दबाव की रणनीति का उपयोग करो जैसे कि अपने आप को अपने कमरे में बंद कर लिया या खाना नहीं खाया। सहज रहें और सामान्य व्यवहार करें, और उन्हें समझाने की कोशिश करें ... उन्हें अपना नजरिया बताएं अपने दृष्टिकोण पर लाने की कोशिश करें कि उच्च शिक्षा ही आपके लिए सबसे अच्छी चीज है। इसे हर दिन और बिना नागा रोज़ कहें और मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि वे धीरे धीरे समझ जाएंगे कि उन्हें आपके सपनों का समर्थन करना चाहिए और वो ज़रूर करेंगे,'' जयंतीश्री कहती हैं। वह फिर से दोहराती हैं कि कोई शिकायत नहीं करनी, कोई भूख हड़ताल नहीं या कोई दबाव नहीं होना चाहिए ... ''उनकी आंखों में आँखें डाल कर कहें कि आप तो मुझे जन्म से जानते हैं, अगर आप ही नहीं समझेंगे और जो मैं चाहती हूं उसका समर्थन नहीं करेंगे, तो फिर कौन करेगा?''

अपने क्लब की पूर्व अध्यक्ष रही विजयकुमारी, जो सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल की सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापिका भी रह चुकी हैं, बताती हैं कि वे लड़कियों को अन्य लड़कियों का उदाहरण भी देती हैं जो शादी के बाद अपने पति की सहायता और समर्थन से अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं और यह शोध छात्राओं के लिए विशेष रूप से सच है। ''तो हम उनसे कहती हैं, कि अगर आपके पास शादी करने के अलावा कोई चारा नहीं है, तो अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने पति और ससुराल के लोगों को समझाएं और उनका समर्थन लेने का प्रयास करें।''

प्यार और रोमांस या कामुकता के सवालों के बारे में आप क्या कहती हैं, मैं जयंतश्री से पूछती हूं। ''कोई ऐसे सवाल ही नहीं पूछते,'' वह दृढ़ता से कहती हैं। ''हम 45 मीटिंग के ज़रिये 60,000 किशोर लड़कियों से मिल चुके हैं और हमने किसी भी बच्चे को रोमांस, प्यार या सिनेमा संस्कृति के बारे में बात करते हुए नहीं पाया। जब उनके भविष्य के बारे में बात की जाती है, जब आप किसी बहुत सकारात्मक चीज़ पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो वे खुद ही बहुत गंभीर और संजीदा सवाल पूछते हैं, जो उनके शिक्षकों को भी हैरान कर देते हैं कि आखिर ये बच्चे उनके साथ इस तरह खुल कर बात क्यों नहीं करते!''

वह कहती हैं: ''आज हमारा 45वां सत्र था और मुझे बार-बार एहसास होता है कि आखिर इन लड़कियों और लड़कों की मूल आवश्यकता क्या है - बस एक जोड़ी कान और सुनने के लिए एक अदद दिल चाहिए। एक बार ; जब आप उन्हें समझा देते हैं और उन्हें अहसास हो जाए कि आप ईमानदार हैं, उन्हें सुनने के लिए तैयार हैं और उनकी सहायता करना चाहते हैं ... यकीन कीजिये , वे सिर्फ दो मिनट में आपकी नब्ज पकड़ लेंगे, फिर तो वो पूरी तरह खुल जाएंगे और आपके सामने अपने दिल खोल कर रख देंगे। यह अवसर देने के लिए मैं रोटरी की बहुत आभारी हूं। अपनी थोड़ी बहुत जानकारी के आधार पर हमें लगता है कि हम इन बच्चों के बारे में सब कुछ जानते हैं लेकिन जब हम उनके सामने खड़े हो कर देखेंगे कि वे कितने गंभीर और परिपक्व प्रश्न पूछते हैं, तो बगलें झाँकने लगेंगे और खुद को बड़ा असहाय महसूस कर सकते हैं। यह मेरे लिए सीखने, पढ़े हुए को भुलाने और पुनः सीखने का एक बेहतरीन अनुभव रहा है। अगर मैं कुछेक लड़कियों को भी उनमें व्याप्त आत्म सम्मान की कमी से बाहर निकालने में सहायक हो सकूं तो यह बहुत बड़ी बात होगी।''

विजयकुमारी कहती हैं कि 14 साल और उससे अधिक उम्र की लड़कियों के साथ इन सेशन का मुख्य उद्देश्य है, ''उन्हें यह विश्वास दिलाना है कि जीवन एक चुनौती के बजाय एक बड़ा अवसर है। हम इन लड़कियों को यह एहसास कराने का प्रयास करते हैं कि असफलता भी जीवन का एक अनिवार्य अंग है और उनके भीतर साहस पैदा करते हैं ताकि वे पूछ सकें, इसके बाद, 'आगे क्या?'''

डीजी मुत्तु, जिनकी परिकल्पना यह परियोजना है, कहते हैं कि उन्हें लड़कियों को सशक्त बनाने की प्रेरणा महान कवि भरतियार की कविताओं से मिली। ''भारत में ज्यादातर स्थानों पर, विशेष रूप से तमिलनाडु में, पुरुष हमेशा आगे रहते हैं, इसलिए मैं एक ऐसी परियोजना की खोज में था जिसके तहत लड़कियां, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, सुर्खियों में आए, जहां लड़कियों और महिलाओं को हमारे समर्थन और सहयोग की सख्त जरूरत है। और मेरा मानना है कि *यादुमानवल* इसका सटीक जवाब है।''

शायद, वह कहते हैं, सच तो ये है कि उनकी खुद की भी तीन पोतियां हैं, निश्चित रूप से इस ने भी शायद उनके दिमाग में परियोजना के विचार में योगदान दिया होगा। ''इसकी सफलता को देखकर, इस परियोजना के फायदे पूरे राज्य में पहुँचाने के लिए हमें तमिलनाडु के किसी भी रोटरी क्लब के साथ साझेदारी करके बहुत खुशी होगी।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

New members from different groups in our communities bring fresh perspectives and ideas to our clubs and expand Rotary's presence. Invite prospective members from all backgrounds to experience Rotary.

REFER A NEW MEMBER
my.rotary.org/member-center

Rotary

FIND A CLUB
ANYWHERE IN THE WORLD!

Use Rotary's free Club Locator and find a meeting wherever you go!

www.rotary.org/clublocator

जनवरी 2023 तक मंडल टीआरएफ योगदान

अंतरिम परिणाम (अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
India					
2981	19,151	512	0	1,125	20,788
2982	10,196	2,238	4,061	33,116	49,611
3000	23,610	3,169	0	0	26,779
3011	38,119	8,063	25,127	238,088	309,396
3012	13,280	752	65,235	140,713	219,980
3020	106,894	7,902	40,000	400	155,196
3030	51,772	290	0	1,275	53,337
3040	18,660	2,006	0	22,156	42,822
3053	41,122	136	0	0	41,258
3054	9,130	826	0	31,500	41,456
3060	71,305	1,500	0	64,635	137,440
3070	47,956	2,570	50,233	11,296	112,055
3080	27,492	7,482	0	38,163	73,137
3090	8,368	0	5,651	0	14,019
3100	52,929	400	25,012	0	78,341
3110	21,034	454	24,304	631,051	676,843
3120	23,823	411	0	0	24,234
3131	305,668	8,789	36,315	302,254	653,026
3132	40,636	2,391	50,000	2,012	95,039
3141	681,895	32,756	102,003	1,451,865	2,268,519
3142	195,175	3,721	24,866	77,045	300,807
3150	76,936	27,423	43,012	417	147,788
3160	3,749	2,363	0	3,675	9,786
3170	80,673	33,854	15,506	862	130,895
3181	77,084	622	25	912	78,644
3182	36,769	2,789	0	0	39,559
3190	63,921	7,350	38,170	36,593	146,034
3201	95,560	23,874	12,295	414,030	545,760
3203	7,124	12,833	1,000	30,054	51,011
3204	5,645	806	0	152	6,603
3211	73,343	5,065	10,000	1,049	89,458
3212	178,860	37,834	305	52,146	269,145
3231	60,394	23,432	32,278	11,569	127,672
3232	60,503	58,338	19,358	201,544	339,743
3240	80,731	14,913	1,000	3,622	100,266
3250	13,030	290	0	13,605	26,925
3261	16,616	917	0	5,277	22,809
3262	46,043	463	700	34,012	81,218
3291	50,452	1,172	40,533	8,190	100,348
India Total	**2,835,646**	**340,708**	**666,989**	**3,864,404**	**7,707,747**
3220 **Sri Lanka**	48,474	8,333	4,000	226	61,033
3271 **Pakistan**	25	22,125	0	250	22,400
3272 **Pakistan**	455	12,687	0	5,000	18,142
3281 **Bangladesh**	58,696	3,546	22,125	154,245	238,612
3282 **Bangladesh**	46,640	6,701	2,000	10,320	65,662
3292 **Nepal**	165,773	20,236	49,167	29,830	265,006

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र, विश्व कोष और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं।
स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

ADVT.
Saaral
YOURS NATURALLY
NATURAL NATIVE NUTRITION
Amla with Honey
Saaral Amla VITA-CANDY SIMPLY SWEET
Saaral Amla VITA-CANDY DESI MASALA
Saaral Amla with Honey
Saaral Amla with Honey
Vitamin C
Vita-C for Immunity
Saaral Ultimate ATTA
ULTIMATE ATTA
MULTI-MILLET COOKIES
GULKAND
Saaral Gulkand with Honey
NATIVE SOUPS
Red Rice
Black Rice
Brown Rice
NATIVE RICES
Barnyard Millet
Kodo Millet
Foxtail Millet
Little Millet
Browntop Millet
NATIVE MILLETS
www.saaralstore.com | info@saaralfoods.com

पंचायत स्कूल के बच्चों ने बनाया टेलिस्कोप

जयश्री

जहाँ हम में से अधिकांश लोगों ने हाल ही में शाम को आकाश में शुक्र-बृहस्पति के योग को अपनी आंखों से देखा वहीं कोयंबटूर के पास थुडियालुर पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने स्वयं के द्वारा निर्मित स्कूल के टेलीस्कोप के माध्यम से इस खगोलीय घटना का आनंद लिया।

एक टेलीस्कोप बनाकर उसे अपने स्कूल को समर्पित करना उन सभी 20 विद्यार्थियों के लिए एक रोमांचकारी क्षण था। कोयम्बटूर के उपनगर तुडियालुर के सरकारी स्कूल में *प्रोजेक्ट विनवेली* के तहत रोटरी क्लब ई-क्लब ऑफ मेट्रो डायनामिक्स, रो ई मंडल 3201 द्वारा प्रायोजित एक विशेष कार्यशाला के माध्यम से यह अनूठी उपलब्धि प्राप्त हुई। ओपन स्पेस फाउंडेशन (OSF) के तकनीकी विशेषज्ञों ने दूरबीन निर्माण में कक्षा 6-8 की इस युवा टीम का मार्गदर्शन किया।

परियोजना अध्यक्ष विद्या ठाटमंगलम कहती है कि इन बच्चों के लिए खगोल विज्ञान बिल्कुल नया नहीं है। इसमें उनकी रुचि उनकी अंग्रेजी शिक्षिका चित्रा ने जगाई जिन्होंने 2019 में एक सौर फिल्टर के माध्यम से सूर्य का अध्ययन करने में उनकी मदद की थी। उन्होंने OSF के माध्यम से इन युवा मस्तिष्कों में एक वैज्ञानिक चिंगारी सुलगाने हेतु इसकी व्यवस्था की थी। यह उनके स्कूली जीवन में कुछ अद्भुत की शुरुआत थी। कुछ बच्चों ने पिछले साल सितंबर में अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह खोज अभियान में भी भाग लिया था,'' विद्या आगे कहती है।

जब OSF ने स्कूल से उनके परिसर में एक टेलीस्कोप बनाने हेतु संपर्क किया तो ''चित्रा ने इस परियोजना को प्रायोजित करने के लिए

कोयंबटूर निगम आयुक्त एम प्रताप थुडियालूर पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल के छात्रों द्वारा बनाए गए टेलीस्कोप के माध्यम से एक छात्र को आकाश का अन्वेषण करना में मदद करते हैं।

दूरबीन के निर्माण में तल्लीन एक छात्र।

हम चाहते है कि सरकारी स्कूल के बच्चों को समान अवसर प्राप्त हो ताकि उनकी शिक्षा भी निजी स्कूलों में पढ़ने वाले उनके समकक्ष साथियों के बराबर हो सके।

आयुष अग्रवाल
रोटरी क्लब ई-क्लब ऑफ मेट्रो डायनामिक्स, रो ई मंडल 3201

हमसे संपर्क किया। उन्होंने पूरे जोश के साथ बताया कि यह कार्यशाला बच्चों के लिए कितनी उपयोगी साबित होगी। और हम उनकी मदद करने के लिए तुरंत राज़ी हो गए,'' वह कहती है।

टेलीस्कोप के उद्घाटन के दौरान स्कूल में रात में आसमान का अवलोकन आयोजित किया गया जिसमें निगम आयुक्त प्रताप मुरुगन, मंडल सामुदायिक सेवा अध्यक्ष आर एस मारुति और जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। दुनिया भर से हमारे सदस्य इस कार्यक्रम में आभासी रूप से शामिल हुए। विद्यार्थियों ने एस्ट्रोमेट्रिका सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्षुद्रग्रहों का पता लगाने के तरीकों पर एक पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। उनके उत्साह से प्रभावित होकर आयुक्त ने स्कूल के लिए अतिरिक्त कक्षाओं को मंजूरी दी और उन्हें शहर के रीजनल साइंस सेंटर का दौरा कराने का वादा दिया।

क्लब ने हाल ही में चित्रा को उनके पेशे के प्रति समर्पण के लिए व्यावसायिक सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। ''यह कार्यशाला एक बड़ी सफलता साबित हुई और छात्रों पर इसका स्थायी प्रभाव रहेगा जिससे वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के चमत्कारों की खोज जारी रखने हेतु प्रेरित होंगे,'' शिक्षिका कहती है।

सितंबर में क्लब ने स्कूल में एक स्मार्ट कक्षा स्थापित की। क्लब अध्यक्ष आयुष अग्रवाल कहते है, ''हम चाहते है कि सरकारी स्कूल के बच्चों को समान अवसर प्राप्त हो ताकि उनकी शिक्षा भी निजी स्कूलों में पढ़ने वाले उनके समकक्ष साथियों के बराबर हो सके।''

रोटरी क्लब कोयम्बटूर मेट्रोपोलिस द्वारा प्रायोजित इस क्लब को 2020 में 31 सदस्यों के साथ चार्टर्ड किया गया था ''जो रोटरी से अनजान नहीं थे क्योंकि हममें से अधिकांश रोटेरियनों के बच्चे है,'' कनाडा के टोरंटो में रहने वाली विद्या कहती है। इस क्लब में यूएस, यूके, कनाडा, सिंगापुर, नीदरलैंड्स और भारत के 38 सदस्य है। वे सेवा परियोजनाओं और फैलोशिप योजनाओं पर चर्चा करने हेतु सप्ताह में दो बार आभासी रूप से मिलते है।

परियोजना की क्षमता

बच्चों में सीखने की अक्षमता को संबोधित करने के लिए क्लब ने अपनी *प्रोजेक्ट एबिलिटी* के तहत 950 डॉलर की लागत से तीन C-पेन रीडर और पेंसिल ग्रिप्स, रीडिंग स्ट्रिप्स और फिंगर फोकस टूल जैसे अन्य उपकरण दिए, जो सभी कनाडा से विकलांगों की मदद करने वाले एक गैर

पीडीजी राजकुमार वी, जिला सामुदायिक सेवा के अध्यक्ष आर एस मारुति, डॉ कृष्णन स्वामीनाथन, ट्रस्टी, ईधायंगल ट्रस्ट, और रोटरी क्लब कोयम्बटूर मेट्रोपोलिस और रोटरी ई-क्लब मेट्रो डायनेमिक्स के सदस्य, कॉम्बैट डायबिटीज प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक मिनी रेफ्रिजरेटर एक वंचित परिवार को दान करते हुए।

सरकारी संगठन, मगिळ्वी फाउंडेशन को भेजे गए थे। ''इन उपकरणों का उपयोग सात स्कूलों में उपचारात्मक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा ताकि सीखने में अक्षम 80 छात्रों को इसका लाभ मिल सके,'' विद्या कहती है।

C-पेन एक सहायक उपकरण है जिसका उपयोग आमतौर पर यूएस और यूके में पढ़ने एवं लिखने में अक्षम विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है, वह समझाती है। यह टेक्स्ट को स्कैन करके इसे ऑडियो में परिवर्तित करता है ताकि उपयोगकर्ताओं द्वारा इसे आसानी से फॉलो किया जा सके। क्लब ने पंचायत स्कूलों में रीडिंग कैंप आयोजित करने के लिए कोयम्बटूर कॉर्पोरेशन और सेंट्रल लाइब्रेरी के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया। प्रत्येक शिविर में लगभग 40 छात्र भाग लेते है और स्वयंसेवक उन्हें C-पेन का उपयोग करने में मदद करते है और उनके सुधार की निगरानी करते है, वह आगे कहती है।

किशोर मधुमेह को संबोधित करना

कॉम्बैट डायबिटीज, बच्चों में टाइप 1 मधुमेह को संबोधित करने के लिए डॉ कृष्णन स्वामीनाथन द्वारा प्रबंधित किए जाने वाले इधायंगल ट्रस्ट के साथ क्लब की एक संयुक्त पहल है। क्लब के अध्यक्ष कहते है, ''हमारे सदस्यों ने इस परियोजना के लिए इस साल ₹50 लाख का योगदान दिया। इंसुलिन के सुरक्षित भंडारण के लिए गांव के 50 बच्चों को ₹8,000 की लागत से मिनी रेफ्रिजरेटर वितरित किए गए। डॉ स्वामीनाथन के क्लिनिक को बन्नारी अम्मान स्पिनिंग मिल्स से ₹5 लाख के वित्त पोषण के साथ 14 निरंतर ग्लूकोज निगरानी उपकरण (CGM), एक इलेक्ट्रोलाइट विश्लेषक और एक माइक्रोस्कोप दान किया गया ताकि मधुमेह का समय पर पता लगाया जा सके। ''CGM उन बच्चों के लिए विशेष रूप से सहायक है जिनकी रक्त शर्करा की पूरे दिन निगरानी किए जाने की आवश्यकता होती है। यह एक पहनने योग्य उपकरण है जिसमें एक सेंसर लगा हुआ है जो उन्हें उंगली की दर्दनाक चुभन से बचाता है,'' अग्रवाल कहते है।

एकाएक रक्त शर्करा के स्तर, HBA1C, थायरॉयड, किडनी, आंख, ECG और मधुमेह पैर की निगरानी के लिए सुसज्जित एक वैन को दूरदराज के ग्रामीण समुदायों में शिविर आयोजित करने के लिए ट्रस्ट को दान किया गया। परियोजना निदेशक रेशमा रमेश ने इस परियोजना के लिए रासी सीड्स से ₹35 लाख की CSR फंडिंग प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।■

डॉ स्वामीनाथन, एजी शशि कुमार, परियोजना निदेशक रेशमा रमेश और रोटरी ई-क्लब मेट्रो डायनेमिक्स सचिव इशिता भंसाली, सीजीएम उपकरणों के साथ जिससे किशोर मधुमेह वाले बच्चों को मदद मिल सकती है।

ADVT.

BLOOD BANK EQUIPMENT

Precision

that ensures you don't have to use a microscope to view the happiness

- 4.3" Colour HMI with touch screen
- 200000 data storage capacity
- Configurable maintenance reminder
- 7 days circular chart recorder
- Caster wheels for ease of mobility
- Self-diagnostic system with error messages
- Email, SMS and call alert up to 15 users
- Connectivity to central monitoring software
- Multilevel password protected HMI
- High speed ethernet connectivity
- Multi-level password protected HMI
- Micro controller based programs
- Frost free refrigeration system
- Micro controller based programs

- Blood Collection Monitor
- Blood Donor Couch
- Blood bag tube sealer
- Cryofreeze (-80.0°C)
- Plasma Freezer (-40.0°C)
- Laboratory Centrifuge
- Cryoprecipitate bath
- Plasma Thawing bath
- Platelet Incubator and agitator
- Blood Bank Scale
- Centrifuge Equaliser
- Walk in Blood Bank Refrigerator
- Laboratory refrigerators
- Plasma expressor
- Laminar air flow

Refrigerated Centrifuge | Lab refrigerator | Blood Bank Refrigerator | Platelet incubator | Ultra Plasma freezer

Labtop Instruments Pvt. Ltd. ISO 13485 : 2012

Labtop House, Plot No. 59, Waliv Phata, Sativali Road, Vasai (E),
Dist - Palghar - 401208, Maharashtra, India. Tel.:+918446053761 to 70 (10 lines)
Email: info@labtopinstruments.com
Web: www.labtopinstruments.com

LABTOP®
Quality Lab Equipment

चेन्नई में रोटरी ने महिला ड्राइवरों को प्रशिक्षित किया

किरण ज़ेहरा

किरण ज़ेहरा

वह कार को पार्किंग स्थल से बाहर निकालती है, मुख्य सड़क पर जाने के लिए बाईं ओर मुड़ती है, एक किलोमीटर तक ड्राइव करती है और चेन्नई के मारुति सुज़ुकी ड्राइविंग स्कूल की तरफ वापस जाने के लिए आराम से एक यू-टर्न लेती है, जहाँ वह अपना चार-पहिया ड्राइविंग कोर्स पूरा कर रही है। यह उसकी तीसरी प्रायोगिक कक्षा है और सरोजा देवी (29) को आत्मविश्वास और खुशी महसूस होती है कि ''अब मैं बिना किसी हिचकिचाहट के कार चला सकती हूँ वो भी पिछली सीट पर एक यात्री को बैठाकर।'' रोटरी की वजह से ''अब मैं अतिरिक्त कमाई करने और बेहतर तरीके से अपने परिवार का समर्थन करने में सक्षम होंगी,'' रो ई मंडल 3232 की एक महिला सशक्तिकरण पहल, प्रोजेक्ट वाहिनी, की लाभार्थी कहती है।

इस पहल के अंतर्गत, 250 महिलाओं को पेशेवर कार ड्राइविंग सबक प्राप्त होंगे। ''हम उन्हें प्लेसमेंट भी देने की कोशिश करेंगे,'' मंडल महिला सशक्तिकरण समिति की प्रमुख शारदा सुंदरम कहती है।

लाभार्थियों में 18-35 वर्ष की आयु की महिलाएं है, जिन्हें DORAI फाउंडेशन द्वारा चुना गया है, जो इस परियोजना में स्थायी साझेदार है। उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करना चाहते है कि वे अपने प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और पाठ्यक्रम को बीच में छोड़े नहीं। संस्थान उनकी प्रगति पर नज़र रखता है,'' वह कहती है।

इसकी संस्थापक डॉ सुमित्रा प्रसाद कहती है कि इनमें से ''अधिकांश महिलाएं बीच में ही

अपना स्कूल छोड़ चुकी थी और घरेलू सहायिका या दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों के रूप में काम करती है और घरेलू दुर्व्यवहार का सामना करती है। यह उनके लिए चीजों को बदलने का एक अवसर है।''

चेन्नई के दस रोटरी क्लबों ने 20 लाभार्थियों के पहले बैच के प्रशिक्षण के लिए ₹10,000 प्रति व्यक्ति को वित्त पोषित किया। इस पहल में CARS इंडिया और मारुति सुजुकी ड्राइविंग स्कूल प्रशिक्षण साझेदार है। CARS इंडिया के संस्थापक सैयद फहीम कहते है, ''रोटरी के साथ साझेदारी से हमारी ब्रांड छवि में सुधार होगा और हमें एक महत्वपूर्ण मुद्दे का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।''

इस प्रशिक्षण में एक महीने के अंदर 14 कठिन मॉड्यूल शामिल है और इसमें व्यक्तिगत सौंदर्य और संचार कौशल प्रशिक्षण भी शामिल है। ''प्रशिक्षण के पहले 21 दिनों के अंत तक उन्हें बुनियादी यातायात नियमों का पता चलेगा और उन्हें सिमुलेटर एवं ऑन-रोड ड्राइविंग के माध्यम से ड्राइविंग का प्रायोगिक अनुभव प्राप्त होने के साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए RTO में ड्राइविंग परीक्षा देने का आत्मविश्वास भी मिलेगा,'' मारुति ड्राइविंग स्कूल, जहाँ छह लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, के वरिष्ठ प्रबंधक, टी आर रेजीथ कहते है।

एक ट्रांसजेंडर और *प्रोजेक्ट वाहिनी* की लाभार्थी संजना ने ''रोटरी को मुझे ड्राइविंग सीखने का एक अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद। यह LGBTQ समुदाय की समावेशिता को प्रदर्शित करने का एक स्वागत योग्य कदम है। इस तरह का प्रायोजन मेरे जैसी ट्रांसवुमन को एक नया कौशल सीखने का मौका देता है जिसे मैं वहन नहीं कर सकती थी।''

वी मुत्तुकुमारन

रो ई मंडल 3232 के मंडल सम्मेलन में डीजी एन नंदकुमार, रोटरी क्लब मद्रास साउथ के अध्यक्ष जवाहर निचानी और महिला अधिकारिता समिति की अध्यक्ष शारदा सुंदरम (बाएं), की उपस्थिति में संजना, एक ट्रांसजेंडर और प्रोजेक्ट वाहिनी की लाभार्थी, ठ्ठझ्ठ एलिज़ाबेथ यूसोविक्ज़ से अपना पाठ्यक्रम पूरा करने का प्रमाण पत्र प्राप्त करती हैं।

यह LGBTQ समुदाय की समावेशिता को प्रदर्शित करने का एक स्वागत योग्य कदम है। इस तरह का प्रायोजन मेरे जैसी ट्रांसवुमन को एक नया कौशल सीखने का मौका देता है जिसे मैं वहन नहीं कर सकती थी।

— **संजना,** एक ट्रांसजेंडर

शारदा का कहना है कि उन्हें लोगों और संगठनों से अनुरोध प्राप्त हुआ है कि संजना को चॉफर सेवा के लिए नियुक्त किया जाए। ङ्कयह प्रोजेक्ट वाहिनी के लिए एक जीत है। रोटरी ने न केवल ट्रांसजेंडरों को देखने के लिए लोगों के नजरिए को बदला है बल्कि इससे ट्रांस समुदाय के अधिकांश सदस्य अच्छी नौकरियां करने हेतु प्रेरित होंगे।फ़्र

रो ई मंडल 3232 के मंडल सम्मेलन में लाभार्थियों के पहले बैच ने अपना ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किया। मंडल सम्मेलन के मुख्य अतिथि, RIPR एलिजाबेथ उसोविच लाभार्थियों को लाइसेंस सौंपकर प्रसन्न थी। एम्पावरिंग गर्ल्स टास्क फोर्स (जिसे PRIP शेखर मेहता की पहल के अंतर्गत स्थापित किया गया था) की अध्यक्ष होने के नाते ''मैं इस तरह की परियोजनाओं के प्रभाव को जानती हूँ। यह पहल न केवल इन महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाती है, बल्कि उनके परिवारों को भी बेहतर बनाती है।'' उन्होंने आग्रह किया कि रो ई मंडल 3232 के रोटरी क्लबों को ''महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कल्याण और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाली सेवा परियोजनाओं में भाग लेने और उनको बढ़ावा देने के लिए एक ढांचा तैयार करके संसाधन विकसित करना चाहिए।''

एक अन्य लाभार्थी उमा माहेश्वरी वी (33) अपना लाइसेंस प्राप्त करके खुशी से झूम रही थी। ''मैं कार में बैठने के बारे में नहीं सोच सकती थी लेकिन रोटरी ने मुझे ड्राइवर की सीट पर बैठा दिया और अब मैं अपने जीवन को सफलता की ओर ले जाऊंगी।'' ■

जापान से यूथ एक्सचेंज छात्रा इरोहा स्वाई मेघालय की पारंपरिक वेशभूषा में।

शोभा नहार

Rotary PEOPLE OF ACTION

भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र यूथ एक्सचेंज छात्रों को लुभाता है

रशीदा भगत

जब रो ई मंडल 3131 रोटरी के यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम (RYE) के अंतर्गत छह अलग-अलग देशों से आये 12 युवाओं के एक समूह की मेज़बानी कर रहा था, उन्होंने महसूस किया कि ''इन छात्रों को पूर्वोत्तर, विशेष रूप से असम और शिलांग में लगभग 10 दिन व्यतीत करने चाहिए और वहां का स्वाद और अनुभव भी लेना चाहिए।'' मंडल 3240 के आगामी गवर्नर नीलेश अग्रवाल याद करते हैं।

जब मंडल 3131 यूथ प्रोग्राम की अध्यक्ष शोभा नाहर मंडल 3240 में रोटरी कनेक्शन तलाश रही थीं, अग्रवाल को पता चला कि विदेशी छात्रों का एक समूह एक साल के यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए पुणे आया हुआ था और उनके मंडल में एक साथी की तलाश कर रहा था। अपने मंडल 3240 के यूथ एक्सचेंज चेयर के रूप में, उन्होंने तुरंत शोभा से संपर्क किया और छात्रों को असम और मेघालय लाने और उन्हें पूर्वोत्तर राज्यों की विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के संपर्क में लाने के लिए मंडल 3131 के साथ साझेदारी का प्रस्ताव दिया।

उन्होंने अपने मंडल के यूथ एक्सचेंज की आगामी अध्यक्ष प्रियामा गोस्वामी के साथ तैयारियां शुरू कर दीं।

और 4 अक्टूबर को, जब शोभा के साथ 12 छात्रों की टीम गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उतरी, रोटरी क्लब गौहाटी साउथ की सदस्य प्रियमा, इसके अध्यक्ष राजेश बत्रा और एजी विभूति दत्ता के साथ डीजीई अग्रवाल उन्हें लेने के लिए वहां मौजूद थे।

RYE छात्रों के लिए विकसित एक अंतरराष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम है। 1929 से, रो ई दुनिया भर के युवाओं को विभिन्न देशों में भेजता रहा है, जो नई संस्कृतियों का तजुर्बा ले कर एक पूर्ण विकसित वयस्क और दुनिया के नागरिक बनने का एक विस्तृत अनुभव प्राप्त

आरवाईई छात्रों के साथ रोटरी क्लब गुवाहाटी साउथ के अध्यक्ष राजेश भात्रा।

करते हैं। प्रियमा, अपने 76 सदस्यीय क्लब की निर्वाचित सचिव हैं, जहां 60 प्रतिशत सदस्य महिलाएं हैं, वो महिला सशक्तिकरण टीम की प्रमुख भी हैं, वो याद करती हैं कि जब डीजीई अग्रवाल ने उन्हें स्पेन, जर्मनी, जापान, इटली, फ्रांस और ब्राजील के 12 छात्रों के लिए 10-दिवसीय कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए कहा तो वह बहुत उत्साहित हुई थी। उन्हें काजीरंगा, माजुली द्वीप, चेरापूंजी और मेघालय की राजधानी शिलांग जैसी जगहों पर ले जाने पर हमने काम शुरू कर दिया। उन्हें गुवाहाटी में आयोजित दुर्गा पूजा के लिए भी आमंत्रित किया गया था और साथ ही उन्होंने नेहरू स्टेडियम में दशहरा समारोह में भी भाग लिया था।

जहाँ तक हो सके, रो ई विनिमय छात्रों को रोटेरियन परिवारों के घर पर ठहराने के लिए प्रेरित करता है, आने वाले छात्रों को गुवाहाटी और शिलांग के विभिन्न रोटरी क्लबों के रोटेरियन परिवारों द्वारा क्षेत्र की संस्कृति और रीति-रिवाजों से परिचित होने के लिए उनके घरों पर ठहराया गया था। इन छात्रों के लिए रंगारंग दुर्गा पूजा / दशहरा उत्सव में भाग लेना एक आकर्षक अनुभव था और उन्होंने इस महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार के बारे में सब कुछ जाना, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में बड़े उत्साह, विश्वास और उत्साह के साथ मनाया

मुख्यमंत्री ने छात्रों के साथ कुछ समय बिताया। वह इनके देशों के बारे में जानना चाहते थे, और ब्राजील के छात्र के साथ फुटबॉल पर चर्चा करने में काफी दिलचस्पी दिखाई।

प्रियामा गोस्वामी
इनकमिंग युथ एक्सचेंज चेयर
रो ई मंडल 3240

ऊपर से दक्षिणावर्तः
दाएं सेः डीजीई नीलेश अग्रवाल, इनकमिंग यूथ एक्सचेंज चेयर (रो ई मंडल 3240) प्रियमा गोस्वामी और रो ई मंडल 3131 यूथ एक्सचेंज चेयर शोभा नाहर असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में वाईई छात्रों के साथ; गुवाहाटी में दशहरा समारोह में भाग लेने के लिए एक स्टेडियम में वाईई छात्र; डीजीई अग्रवाल, प्रियामा, शोभा और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा (बीच में) के साथ वाईई छात्र; रोटरेक्ट क्लब डिब्रूगढ़ के रोटरेक्टर्स के साथ वाईई के छात्र। चित्र में डीजीई अग्रवाल, पीडीजी कल्पना खुंद और शोभा भी दिखाई दे रहे हैं; माजुली द्वीप में एक कार्यशाला में विभिन्न प्रकार के मुखौटे।

जाता है। शोभा कहती हैं, छात्रों ने देवताओं को फूल चढ़ाने के लिए *पुष्पांजलि* अनुष्ठान में भाग लिया और फिर उन्हें दिए गए प्रसाद का आनंद लिया।

उनकी असम यात्रा का एक आकर्षण, गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ छोटी मुलाकात रही। ''बेशक, मुख्यमंत्री के साथ समय लेना बहुत मुश्किल था, लेकिन हमारे आगामी डीजी अग्रवाल ने इसकी व्यवस्था की थी, और मुख्यमंत्री ने छात्रों के साथ कुछ समय बिताया। वह इनके देशों के बारे में जानना चाहता था, और ब्राजील के छात्र के साथ फुटबॉल पर चर्चा करने में काफी दिलचस्पी दिखाई,'' प्रियामा कहती हैं। ''वह उनसे भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे में उनके विचार जानने के इच्छुक थे कि वे वहां के लोगों और संस्कृति के बारे में उनके क्या विचार थे।'' रोटेरियनों ने मुख्यमंत्री को RYE कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताया और उन को RYE बैज भी लगाया। शोभा कहती हैं, ''इस कार्यक्रम को मीडिया ने व्यापक रूप से कवर किया जसके फलस्वरूप रोटरी की सार्वजनिक छवि में आशातीत वृद्धि हुई।''

बाद में, छात्रों को राजभवन भी ले जाया गया जहां उन्होंने असम के राज्यपाल जगदीश

मुखी के साथ जलपान किया और छात्रों ने उनके साथ पूर्वोत्तर के विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं पर चर्चा की।

लेकिन उनकी सबसे रोमांचक यात्रा माजुली की रही, दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप जो दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है, और इसे प्यार से 'असम की सांस्कृतिक राजधानी' कहा जाता है। ''हमारे आगंतुक यह जानकर रोमांचित थे कि माजुली भी यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों के चयन में एक प्रबल दावेदार है। ज्यादातर यहां आदिवासियों का निवास है, माजुली की संस्कृति अद्वितीय है। जोरहाट के रोटरी क्लब ने माजुली जाने वाले छात्रों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था की थी,'' प्रियामा ने कहा। रोटरी क्लब नगाँव ने माजुली में उनके रात्रि भोजन की मेजबानी की।

इस द्वीप पर आ के छात्र मुखौटा बनाने की कला से मुग्ध थे। प्रियामा कहती हैं, ''कलाकारों के साथ बिताए थोड़े समय में, उन्होंने मास्क बनाने की बारीकियां सीखीं और यादों के रूप में अपने घर ले जाने के लिए कुछ खरीदे भी।''

वह कहती हैं कि इन युवाओं के लिए 16-19 आयु वर्ग में ''आदिवासियों के साथ यह उनकी पहली बातचीत थी; उन्हें द्वीप बहुत पसंद आया, भोजन, *महाभारत* और *रामायण* जैसे हमारे पारंपरिक नृत्य नाटक का आनंद लिया, और मास्क बनाने सीखे।''

कलाकारों के साथ बिताए थोड़े समय में, उन्होंने मास्क बनाने की बारीकियां सीखीं और यादों के रूप में अपने घर ले जाने के लिए कुछ खरीदे भी। उन्हें द्वीप बहुत पसंद आया, भोजन, महाभारत और रामायण जैसे हमारे पारंपरिक नृत्य नाटक का आनंद लिया, और मास्क बनाने सीखे।

दो छात्रों को उन्होंने अपने घर पे ठहराया था और बताया कि उनके परिवार के लिए एक ये अद्भुत अनुभव रहा था। ''हमने उन्हें जो कुछ भी दिया, उन्होंने खुशी-खुशी खा लिया। पहले कुछ दिनों में तो मैंने उन्हें हमारा स्थानीय नाश्ता ही दिया, जो चावल से बना था। लियो, जो हमारे साथ रहता था, रसोई में आता और नाश्ते के लिए इनमें से कुछ पारंपरिक व्यंजन बनाने में बहुत रुचि दिखाता था। वो दोनों बहुत जिज्ञासु और सीखने के उत्सुक थे और बहुत सारे प्रश्न पूछते थे। जब सब्जी वाला आता तो बहुत तस्वीरें लेता, सब्जियों के बारे में सवाल पूछता और मोल-तोल को बड़े चाव से देखता था,'' प्रियमा मुस्कुराई।

उनके लिए और भी आकर्षक अनुभव था काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, और ''वे 20वीं शताब्दी के मोड़ पर एक सींग वाले भारतीय गैंडों को विलुप्त होने के कगार से बचाने में इस पार्क के योगदान से अत्यधिक प्रभावित हुए। उस स्थान पर आ कर वे बहुत खुश थे, जिसे इस प्रजाति की सबसे बड़ी आबादी को शरण देने का गौरव प्राप्त है,'' शोभा कहती हैं। यहां एक सफारी की सवारी भी की जहां उन्होंने वन्य जीवन के अलावा एक सींग वाले गैंडों को भी देखा जोकि इस खूबसूरत पार्क की यात्रा का मुख्य केंद्र रहा। वे बेंत के सुंदर उत्पादों को देख कर मोहित थे जो वहीं बनाए जाते हैं और घर ले जाने के लिए उन्होंने काफी तादाद में खरीदे।

मेघालय का शिलांग, छुट्टी बिताने का एक आदर्श गंतव्य, शिलांग के तीन रोटरी क्लबों ने संयुक्त रूप से विदेशी छात्रों के स्वागत के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां युवा दर्शकों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया, रंबिरंगे पारंपरिक परिधान पहन कर धूमधाम से लोक नृत्य में शरीक हुए।

उनकी मेघालय यात्रा का विशेष आकर्षण रही चेरापूंजी की यात्रा, जो अपनी प्राचीन, अनछुई सुंदरता, हरियाली से आच्छादित, झरनों, ट्रेकिंग ट्रेल्स, ताजी हवा और विश्व प्रसिद्ध डबल डेकर लिविंग रूट ब्रिज के लिए प्रसिद्ध है जिसे रबर के पेड़ों से बनाया गया है। इसे सोहरा के रूप में भी जाना जाता है, यह मेघालय में एक ऊंचाई पर स्थित शहर है, और भारी वर्षा के लिए प्रसिद्ध है। शोभा कहती हैं कि आरवाईई के छात्रों को मेघालय में झरने देखना बहुत पसंद आया, उन्होंने संग्रहालय, बाजार का दौरा किया और स्थानीय भोजन का स्वाद चखा। ''वे जानना चाहते थे कि खाना बनाने के लिए किन मसालों का इस्तेमाल किया गया है!''

छात्रों ने तेज़पुर विश्वविद्यालय का भी दौरा किया जहां उन्होंने स्थानीय छात्रों के साथ एक पारस्परिक संवाद सत्र का में भाग लिया था। शोभा और डीजीई अग्रवाल दोनों का कहना है कि रो ई के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में आरवाईई युवाओं को बाहरी दुनिया के अद्भुत अनुभव से रू-ब-रू कराता है, विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृतियों के बारे में जानने का अवसर देता है। आरवाईई छात्रों की पूर्वोत्तर यात्रा ने मीडिया को भी आकर्षित किया और हमें बहुत सारे समाचार पत्रों में व्यापक कवरेज मिला,'' अग्रवाल कहते हैं।

यूथ एक्सचेंज के दो अध्यक्षों ने मंडल 3131 के अपने डीजी अनिल परमार और मंडल 3240 के कुशनाव पाबी, और पीडीजीगण प्रभात केडिया, कल्पना खुंड, देबाशीष दास, मानस चौधरी, सुनील सराफ और कई सहायक गवर्नरों और रोटरी क्लब गुवाहाटी, गुवाहाटी दक्षिण, गुवाहाटी पश्चिम के सदस्यों को धन्यवाद दिया। साथ ही गुवाहाटी लुइ, गुवाहाटी आइकॉन, गुवाहाटी मेट्रो, गुवाहाटी एलीट, दिसपुर, गुवाहाटी स्मार्ट सिटी, गुवाहाटी सिटी, शिलॉन्ग, शिलांग हेरिटेज, आर्किड सिटी शिलांग, जोरहाट, नागांव, तेजपुर, ग्रेटरतेजपुर, कई रोटरेक्ट क्लब और मेजबान परिवार का आभार व्यक्त किया।

छात्रों की यात्रा वृतान्त के बारे में बताते हुए अंत में, शोभा कहती हैं कि गुवाहाटी में शुरू के तीन दिनों के लिए सभी आगंतुकों को रोटेरियनों द्वारा होस्ट किया गया था, और उसके बाद उन्हें एक होटल में ठहराया गया था।

''जानबूझकर मैंने दशहरा उत्सव का समय चुना था क्योंकि पूर्वोत्तर में यह त्योहार शेष भारत की अपेक्षा अलग तरीके से मनाया जाता है। युवाओं ने असम और मेघालय दोनों में अविश्वसनीय प्यार, गर्मजोशी और आतिथ्य का आनंद लिया। उन्हें यह जगह बहुत पसंद आई और उन्होंने इतने सारे दोस्त बनाए हैं कि भविष्य में वे सीधे यहां आएंगे... यह कुछ ऐसा है जैसे यह जगह उनका दूसरा घर बन गया हो।''

ये छात्र अब निश्चित बेहतर रूप से समझ गए होंगे कि रोटरी क्या है। अब यह उनके देशों के रोटेरियनों पर निर्भर है कि वे उन्हें रोटेरियन बनने के लिए प्रेरित करें। निश्चित रूप से हमने रोटरी में उनकी रुचि जागृत की है।

छात्रों के साथ हुई चर्चा में उन्होंने देखा कि पूर्वोत्तर की अपनी यात्रा के बाद, पुणे में एक साल के लिए आए, ''उन्होंने महसूस किया है कि कुल मिला कर भारतीय बहुत प्यार करने वाले और देखभाल करने वाले लोग हैं। रो ई मंडल 2790 की जापानी लड़की इराहो स्वाई ने कुछ मराठी शब्द और मराठी गाने भी सीखे।'' कुछ और भी उनके लिए विशेष रूप से रखे गए एक ट्यूटर से मराठी सीख रहे हैं।

तो क्या भविष्य में ये छात्र रोटरी से जुड़ेंगे, मैं शोभा से पूछती हूं। ''ये छात्र अब निश्चित बेहतर रूप से समझ गए होंगे कि रोटरी क्या है। अब यह उनके देशों के रोटेरियनों पर निर्भर है कि वे उन्हें रोटेरियन बनने के लिए प्रेरित करें। निश्चित रूप से हमने रोटरी में उनकी रुचि जागृत की है। न केवल रोटरी बल्कि भारतीय भोजन और संस्कृति में भी।'' जर्मनी के विन्सेंट ने पाव भाजी और पानी पूरी का इतना आनंद लिया, कि उसने रेडीमेड मिक्स को अपने साथ घर ले जाने का फैसला किया ताकि वहां पहुँच के कुछ बैच बना सकें!

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

HIV संक्रमितों की उनके जीवन साथियों से मुलाकात

स्नेहबंध विवाह मेले में मनवया स्वयंसेवकों के साथ रोटरी क्लब पुणे मेट्रो की टीम।

किरण ज़ेहरा

रोटरी क्लब पुणे मेट्रो, रो ई मंडल 3131 के पूर्व अध्यक्ष शिरीष लावटे कहते है कि भले ही चिकित्सा प्रगति एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को वायरस के प्रसार के बिना लंबे समय तक जीवित रहने और स्वस्थ बच्चे पैदा करने में सक्षम बनाती है, मगर अभी भी उनके लिए दोस्त या साथी ढूंढना मुश्किल हो सकता है। लावटे, मानव्या नामक एक गैर सरकारी संगठन के साथ काम करते है जो एचआईवी पीड़ित अनाथ बच्चों के पुनर्वास में मदद करता है। पिछले 13 सालों से रोटरी क्लब पुणे मेट्रो और मानव्या मिलकर HIV पॉजिटिव लोगों के लिए 'स्नेहबंध- HIV विवाह मेला' नामक एक विशेष जोड़ी बनाओं शिविर आयोजित कर रहे है। ''इस शिविर के माध्यम से एचआईवी संक्रमित लोगों के बीच 350 से अधिक खुशहाल विवाह सम्पन्न हुए है, जिससे इस परियोजना को तीन मंडल पुरस्कार प्राप्त हुए है,'' वह कहते है।

क्लब ने एचआईवी संक्रमित लोगों के लिए 2010 में एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया था।

इस वर्ष यह परियोजना मानव्या के भूतपूर्व छात्रों द्वारा निष्पादित की गई। ''इस युवा, तकनीक-प्रेमी और उत्साही टीम ने कार्यभार संभाला और एक सुरक्षित वेबसाइट विकसित की ताकि इच्छुक लड़के और लड़कियां वहाँ पर पंजीकरण करके एक उपयुक्त साथी की खोज कर सके। पंजीकरण कराने वालों की पहचान और गोपनीयता की रक्षा के लिए विशेष सावधानी बरती गई। यह एक पेपर मुक्त और परेशानी मुक्त कार्य था,'' लावटे मुस्कुराते है। इस तकनीकी हस्तक्षेप की वजह से वैवाहिक मुलाकात के लिए 110 से अधिक ऑनलाइन पंजीकरण प्राप्त हुए।

मुलाकात के दौरान मानव्या के स्वयंसेवकों ने प्रतिभागियों के लिए खेलों का आयोजन किया जिससे उन्हें खुलकर एक-दूसरे के साथ बातचीत करने में मदद मिली। ''आज की तेजी से भागती दुनिया में सही साथी ढूंढना एक कठिन कार्य हो सकता है, जो सामाजिक कलंक और भेदभाव की वजह से एचआईवी रोगियों के लिए और भी जटिल हो गया है। लेकिन इस हॉल का माहौल आरामदायक और सुखद था और हमने शादी की शर्तों पर चर्चा करने में सुरक्षित महसूस किया,'' मेले में आई एक प्रतिभागी रेखा (बदला हुआ नाम) कहती है।

एक अतिरिक्त कदम के रूप में पंजीकरण कराने वालों के माता-पिता को एक अलग कमरे में बैठाया गया जहाँ एक परामर्शदाता ने उनकी यह समझने में मदद की कि ''उन्हें अपने बेटे और बेटियों के लिए सही साथी चुनते समय जाति और धर्म के बारे में नहीं सोचना चाहिए। माता-पिता को यह समझना चाहिए कि एक ऐसे रिश्ते में जहाँ दोनों साथी HIV पॉज़िटिव हो वहाँ यौन स्वास्थ्य, चिकित्सा उपचार और संक्रमण के प्रबंधन जैसे विषयों पर अधिक खुला और ईमानदार संचार होना चाहिए। यह एक मजबूत और सहायक साझेदारी के निर्माण में मदद कर सकता है,'' लावटे बताते है।

रोटरी क्लब पुणे मेट्रो के अध्यक्ष विवेक कुलकर्णी इस बात से उत्साहित थे कि ''इस मेले में दो शादियां तय हुई और कई प्रतिभागियों ने एक-दूसरे के साथ दोस्ती की। इस परियोजना की खास बात यह है कि यह क्षत पीड़ितों और उनके परिवारों को संसाधन एवं सहायता प्रदान करने के महत्व को समझती है जिससे उन्हें सामाजिक बाधाओं को तोड़ते हुए प्यार और साहचर्य खोजने में मदद मिलती है।''

इस वैवाहिक समारोह में मौजूद DGN शीतल शाह कहती है, ''प्रतिभागियों के चेहरे की खुशी और उत्साह दिल छू लेने वाली थी। इस तरह की परियोजनाएं रोटरी की वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन करती है।''■

तूतुकुडी में व्हीलचेयर रैली

टीम रोटरी न्यूज़

व्हीलचेयर रैली और साइक्लोथॉन के प्रतिभागी।

रो ई मंडल 3212 के सपोर्ट द गर्ल चिल्ड्रन पहल के भाग के रूप में, रोटरी क्लब तूतुकुडी ट्रेलब्लेज़र ने अलग सक्षम व्यक्तियों के लिए एक व्हीलचेयर रैली का संगठित किया जिसमें बड़ी संख्या में नारियों ने लड़कियों को अधिकार प्राप्त करने के लिए रोटरी के विषय के साथ अपनी परस्पर निर्भरता व्यक्त करने के लिए हिस्सा लिया। अलग सक्षम व्यक्तियों सलामती अधिकारी शिवशंकरन के साथ रोटेरियन जैसमीन तिलक ने रैली को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया। उन्होंने कामयाब प्रतिद्वंद्वीयों को शील्ड व पुरस्कार वितरित किए।

जनपद विषय पर जागरूकता पैदा करने के लिए वि ओ चिदंबरम कॉलेज, तूतुकुडी से एक प्रसिध्द रेस्तरां में 15 किमी की फासला तय करने के लिए एक साइक्लोथॉन भी संगठित किया गया था। दोनों आयोजनों में क्लब के प्रधान टी मलारविझी और सचिव ए प्रतिमा मौजूद थे।

व्हीलचेयर रैली और साइक्लोथॉन के प्रतिभागी।■

रोटरी मंडल 3150

गांवों का समर्थन करता है

जयश्री

हमारी सहायता और समर्थन से, हम धीरे-धीरे ग्रामीणों के शहरों में पलायन को रोक सकते हैं। हमारे कई गांव मर रहे हैं और लंबे वक्त से उपेक्षित हैं। हम इस परिदृश्य में सुधार करना चाहते हैं,'' DG तल्ला राजशेखर रेड्डी, रो ई मंडल 3150 कहते हैं। मंडल के 113 रोटरी क्लबों में से 64 मंडल की दस्तख़त योजना – *ग्राम विकास* – एक गांव गोद लेने के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हैं, जो रेड्डी कहते हैं, अगले दो साल तक जारी रहेगा। रोटरी क्लबों द्वारा अपने क्षेत्र के निकट के गांवों में पुस्तकालयों की स्थापना, चेक डैम, स्कूलों, सार्वजनिक आरोग्य केंद्रों और आंगनबाड़ियों का नवीनीकरण, और इलाज और पशु इलाज शिविरों का आयोजन कुछ सेवा योजनाएं हैं।

रोटरी क्लब ताडेपल्ली द्वारा समर्थित मल्लेमपुडी गांव की अपनी सफर को याद करते हुए, DG कहते हैं कि जब एक कुटुंब ने मुझे और मेरी टीम को केले, इमली, जैविक हल्दी और बहुत सारी अन्य घरेलू सब्जियों और अनाज के साथ बधाई दी तो वह बेहद खुश हो गए। मैं लफ़्ज़ों से परे चला गया क्योंकि उन्होंने हमें बहुत शुक्रिया अदा किया। क्लब ने गाँव के स्कूल में एक पुस्तकालय प्रारंभ किया था, एक बोरवेल खोदा और एक चेक डैम बनाया। गांव में 20 ग्रामीणों की एक RCC लगाई गई है।

राज्यपाल का कहना है कि RID 3150 में रोटरी क्लबों ने इन गांवों में ₹50,000 से ₹10

एक कुटुंब ने मुझे और मेरी टीम को केले, इमली, जैविक हल्दी और बहुत सारी अन्य घरेलू सब्जियों और अनाज के साथ स्वागत किया। मैं लफ़्ज़ों से परे चला गया क्योंकि उन्होंने हमारा इस तरह से शुक्रिया अदा किया।

DG तल्ला राजशेखर रेड्डी

रोटरी क्लब गुंटूर आदर्श अध्यक्ष दुर्गा वाणी और उनकी टीम के साथ डीजी तल्ला राजशेखर रेड्डी और उनकी पत्नी उमा देवी एक गांव में जहां क्लब के सदस्यों ने ₹40,000 मूल्य के जैविक सब्जी के पौधे दिए।

लाख तक की सेवा योजनाओं को सिर्फ सदस्य योगदान द्वारा किया है। इन रोटरी योजनाओं ने गांवों में एक श्रेष्ठ बदलाव किया है, इसलिए ग्रामीण अपनी जरूरतों के लिए राजनेताओं के पास जाने के बजाय रोटेरियन के साथ संवाद करना आसान मानते हैं।

उनकी प्रीतिपात्र योजनाओं में से एक रोटरी क्लब बापटला द्वारा अपने गोद लिए गए गांव, आदर्शनगर में एक कम विशेषाधिकार कुटुंब की नारी के लिए एक शादी समारोह था। ''यह एक नैसर्गिक संकेत था जहां सारे रोटेरियन्स ने ₹1.5 लाख के उपहार दिए। क्लब के ग्राम विकास प्रधान ने *मंगलसूत्र* प्रायोजित किया, एक अन्य रोटेरियन ने शादी की साड़ी उपहार में दी, क्लब के एक सदस्य ने भोजन का ध्यान रखा और दूसरे लोगों ने युगल के लिए एक नई जिंदगी प्रारंभ करने के लिए ज़रूरी बुनियादी वस्तुओं का उपहार दिया।'' क्लब ने ग्रामीण सभाओं की मेजबानी के लिए ₹2 लाख की लागत से एक बड़े पैमाने पर ग्रेनाइट मंच *रचाबंधा* का भी निर्माण किया। ग्रामीणों के लिए एक दंत जांच शिविर संगठित किया गया था और उनकी आजीविका के समर्थन के लिए धक्का गाड़ियां (push carts) दी गई थीं। गांव में एक RO प्लांट, स्कूली बच्चों के लिए साइकिल और एक व्यावसायिक अभ्यास केंद्र आनेवाला हैं।

ऊपर से: रोटरी क्लब बापटला के अध्यक्ष एम सुधीर कुमार और सदस्य, एक महिला के साथ जिसकी शादी उन्होंने आदर्शनगर गांव में प्रायोजित की थी; डीजी रेड्डी एक ग्रामीण को वाटरव्हील उपहार में देते हुए।

मंडल ने गांवों का दौरा करने के लिए दो कैंसर जांच बसों और एक मोबाइल आँख क्लिनिक इंतज़ाम किया है और मरीजों को आगे के इलाज के लिए नज़दीकी नगर के अस्पतालों में ले जाया जाता है। DG कहते हैं, ''इनमें से कई गांवों में वृक्षारोपण, प्लास्टिक के इस्तेमाल के खिलाफ अभियान और स्कूलों और श्मशान घाटों का पुनर्निर्मित किया जाता है।

रोटरी क्लब सिकंदराबाद केंटोनमेंट ने रमणि राव के नेतृत्व में नारियों को सिलाई का प्रशिक्षण देने के लिए थिम्माजीपल्ली गांव में एक व्यावसायिक केंद्र प्रारंभ किया। नारियों के एक समूह को पुन: प्रयोज्य सैनिटरी पैड बनाना शिक्षा दिया जाएगा और ''हम उन्हें कच्ची सामग्री प्रदान करेंगे और पैड के विपणन में सहायता करेंगे,'' रमणि कहती हैं। यह रोटरी क्लब स्मार्ट हैदराबाद के साथ एक संयुक्त योजना होगी। क्लब ने गाँव के स्कूल में वॉश स्टेशन और पुनर्निर्मित शौचालयों का निर्माण किया और सहायक श्रमिकों को अतिरिक्त वेतन देने का वादा किया ''यह एक खुशी से भरा दिन था जब हम में से 11, अपने रोटरेक्टर्स

एक गांव में किसानों को वितरण के लिए तैयार कृषि उपकरण।

के साथ गाँव की ओर चल पड़े। हमने नारियों के लिए रंगोली मुक़ाबला आयोजित की, और स्कूल परिसर में एक मेगा वृक्षारोपण योजना में ग्रामीणों और छात्रों को शामिल किया,'' वह आगे कहती हैं। क्लब की योजना गांव में फसल की पैदावार बढ़ाने और इसे प्लास्टिक रहित बनाने के लिए मृदा परीक्षक और उर्वरक प्रदान करने की है।

रोटरी क्लब स्मार्ट हैदराबाद द्वारा गोद लिए गए एक गांव के 11 युवाओं ने क्लब द्वारा आयोजित एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात प्लेसमेंट पाया है। क्लब की पूर्व प्रधान अनीता रेड्डी कहती हैं, ''हमारे सदस्यों ने उन्हें अपनी कंपनियों में लेखा अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर और संग्रह एजेंट के रूप में नियुक्त किया है।''

रोटरी क्लब निज़ामाबाद ने 500 लीटर RO प्लांट प्रदान किया है, एक स्कूल में पुनर्निर्मित शौचालय ब्लॉक और लिंगसमुद्रम में पुस्तकें और स्कूल बैग बांटे हैं। DG रेड्डी ने थिमनपलेम गांव में RC ओंगोल सेंट्रल द्वारा स्थापित 1,000 लीटर RO प्लांट का प्रारंभ किया। क्लब ने गांव में खेती-बाड़ी के साधन, उर्वरक और पशु चारा प्रायोजित किया।

रोटरी क्लब पंढरीपुरम द्वारा गोद लिए गए गांव में खाद का गड्ढा उपलब्ध कराया गया।

रोटरी क्लब परचूर सेंट्रल ने एक RCC स्थापित किया, और अपने गोद लिए गांव नगुलापलेम में एक चेक डैम का निर्माण किया और RCC सदस्यों ने वहां की सड़क की सुधार के लिए हर एक को ₹2,000 का योगदान दिया। रोटरी क्लब गुंटूर विकास ने अनंतवरप्पाडु गांव में 10 सीमेंट बेंच प्रदान किए।

अनीता कहती हैं कि गांवों में तरक्क़ी गतिविधियों को प्रारंभ करने से पहले क्लब स्थानीय पंचायतों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर दस्तख़त करते हैं, ताकि सरकारी योजनाओं के साथ टकराव से बचा जा सके। ''अब रोटरी नाम जिले भर के ग्रामीणों से परिचित है। यह हमें बहुत गर्मजोशी से भर देता है जब वे हमें प्रेम से हासिल करते हैं और हर बार जब हम गांव जाते हैं तो हमारे साथ कुटुंब के रूप में स्नेह से चलते हैं, वह महात्मा गांधी के लफ़्ज़ों को उद्धृत करते हुए मुस्कुराती हैं - भारत अपने गांवों में जीता है। ■

ADVT.

WWS15

IT ALL STARTS WITH **WASH**

JOIN US IN MELBOURNE Friday, May 26, 2023

Join People of Action at World Water Summit 15

Rotarians are playing a critical role addressing WASH—water, sanitation, and hygiene—necessary for community health, economic growth, food security, education, well-being, and the alleviation of poverty.

Join us right before the international convention. Keynote speakers include Past RI President Barry Rassin, and "the Toilet Warrior" Mark Balla. Breakout sessions encourage knowledge sharing and networking.

WASH-RAG thanks the sponsors of WWS15:

SATO A BETTER LIFE. EVERY DAY.

Aquatabs water purification tablets

unicef for every child

AQUA

Business Connect

Innovation for Good. BY KOHLER

Sawyer

World Vision water

Rotary | WASH Rotary Action Group WATER - SANITATION - HYGIENE

For more information go to WASH-RAG.org or scan the QR code to register.

Rotary PEOPLE OF ACTION

अहमदाबाद की झुग्गी महिलाओं के लिए एक MHM परियोजना

रशीदा भगत

रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर, रो ई मंडल 3054, ने एक MHM कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए इसके द्वारा प्रायोजित एक रोटरी क्लब, RCC जीवनतीर्थ और रो ई मंडल 3132 महाराष्ट्र के एक अन्य रोटरी ई-क्लब - रोटरी क्लब ई-क्लब ऑफ एम्पावरिंग यूथ, अहमदनगर के बीच सहयोग का एक बड़ा उदाहरण स्थापित किया। इस सुसंगठित और अच्छी तरह से समन्वित कार्यक्रम से अहमदाबाद के एक प्रमुख झुग्गी क्षेत्र में रहने वाली 2,000 से अधिक कचरा बीनने वाली एवं अन्य महिलाओं की आजीविका बढ़ने की उम्मीद है।

इस परियोजना का विवरण देते हुए, रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर के अध्यक्ष मनोनीत अरूप सिन्हा ने कहा कि इस परियोजना के पीछे एक नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ बिंदु शिरसाथ, है जो अहमदनगर ई-क्लब की सम्मानीय सदस्य है जिसने RCC जीवनतीर्थ के साथ एक मिश्रित सत्र आयोजित किया था, जिसे उन्होंने RCC जीवनतीर्थ के लिए उपाध्यक्ष-पर्यावरण और क्लब सलाहकार के रूप में समन्वित किया था।

गुजरात के एक गैर सरकारी संगठन जीवनतीर्थ फाउंडेशन का सामाजिक मुद्दों के लिए काम करने का एक अभूतपूर्व ट्रैक रिकॉर्ड है। इसके संस्थापक सदस्यों में से एक राजेंद्र पुरोहित (जो राजूभाई के नाम से लोकप्रिय) है, ''हमारे क्लब के एक मानद सदस्य है और यह संगठन शिक्षा, आजीविका निर्माण और पर्यावरण की रक्षा के क्षेत्रों में काम करता है। वह एक बेहद सफल प्रोफेसर थे और उन्होंने एवं उनकी पत्नी दीप्ति, जो एक सफल बैंकर थी, दोनों ने जीवनतीर्थ को चलाने के लिए अपनी नौकरियाँ छोड़ दी और इसे यूनाइटेड फॉस्फोरस, जिनके निदेशकों में से एक PRIP कल्याण बेनर्जी है, जैसे कॉर्पोरेटों के CSR कोष से बड़ा निधीयन समर्थन मिला।''

डॉक्टर बिंदु शिरसाथ(दाएं) महिलाओं के साथ सैनिटरी पैड की सिलाई का डेमो देखती हुई।

यह पति-पत्नी दोनों क्रमश: जे पी नारायण और विनोबा भावे से अत्यधिक प्रभावित थे। इस जीवनतीर्थ फाउंडेशन ने एक कृषि पहल के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, के साथ साझेदारी भी की है।

सिन्हा कहते है कि इस परियोजना से गुजरात की सबसे बड़ी झुग्गी कहे जाने वाले रामपिर्नो टेकरो, जूना वडाज, अहमदाबाद, की पहले से ही जीवनतीर्थ की लाभार्थी रही 2,000 महिला कूड़ा बीनने वाली महिलाओं और झुग्गीवासियों को अब पुनर्नवीनीकृत कपड़े से दोबारा इस्तेमाल किये जा सकने वाले सैनिटरी पैड का निर्माण और उनका विपणन करके अपनी आजीविका बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा।

जीवनतीर्थ फाउंडेशन में अपने द्वारा सिले हुए सैनिटरी नैपकिन को प्रदर्शित करती महिलाएं।

MHM के इर्द-गिर्द केंद्रित इस परियोजना के विशिष्ट विवरणों पर ध्यान देते हुए, डॉ बिंदु, जो फ्लाइट की अड़चन के कारण अहमदाबाद में हाल ही में आयोजित हुई कार्यशाला के लिए एकत्रित 20 महिलाओं के साथ शामिल नहीं हो सकी, ने मासिक धर्म स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर इस कार्यशाला को आभासी रूप से संबोधित किया। ''उन्होंने महिलाओं के सवालों का जवाब दिया और मासिक धर्म के बारे में कई वर्जनाओं और मिथकों को तोड़ा, मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व पर, एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए उचित पोषण पर जोर दिया, प्लास्टिक और रसायनों वाले डिस्पोजेबल पैड के जहरीले खतरों से पर्यावरण और पर्यावरण को बचाने के लिए रैश-फ्री, कैश-फ्री और ट्रैश-फ्री टिकाऊ कपड़े के पैड के उपयोग को बढ़ावा दिया। उन्होंने उनसे दोबारा इस्तेमाल किये जाने वाले कपड़े के पैड की सिलाई एवं बिक्री से आय अर्जित करने की संभावना के बारे में बात की,'' सिन्हा कहते है।

कार्यशाला का दूसरा घटक दोबारा इस्तेमाल किये जाने वाले एवं किफायती सेनेटरी नैपकिन के निर्माण को प्रदर्शित करना था। इस प्रक्रिया का अहमदनगर से सीधा प्रसारण किया गया और झुग्गी बस्तियों की किशोरियों एवं महिलाओं और कूड़ा बीनने वालियों ने राजूभाई के गैर सरकारी संगठन द्वारा प्रदान की गई सात सिलाई मशीनों पर सिलाई की। डॉ बिंदु ने बताया कि ऐसे प्रत्येक पैड धोने योग्य, दोबारा इस्तेमाल किये जा सकने योग्य है और उपयोग के आधार पर 2 से 3 साल तक चल सकते है, और फिर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना इसका निपटान किया जा सकता है।

उत्साहित सिन्हा कहते है, ''2,000 महिलाओं के इस समूह के साथ-साथ बड़े समुदाय के लिए जो यह करेगा वह जबरदस्त है क्योंकि यह उनके कौशल और कमाई को उन्नत बनाएगा। केवल कूड़ा बीनने वाले होने से बेहतर अब उन्हें स्थायी आय मिलेगी और वे अपने समुदाय के अधिक सम्मानित सदस्य बन जाएंगे। यह पानी और परित्यक्त कपड़े का उपयोग करके पर्यावरण जागरूकता को भी बढ़ावा देगा, साथ ही जिम्मेवार खपत को प्रोत्साहित करेगा।''

डॉ बिंदु का अनुमान है कि ऐसे छह सैनिटरी पैड का एक पैक आसानी से ₹300-350 में बिक सकता है, जबकि कच्चे माल और पैकेजिंग सहित उत्पादन लागत 150 से अधिक नहीं आयेगी।

इस परियोजना के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री PUL (पॉलीयुरेथेन लैमिनेट) है, जिसका उपयोग डायपर, खाद्य पैकिंग, बेडशीट, वेल्क्रो और बटन में किया जाता है।

रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर के वर्तमान अध्यक्ष प्रदीप कमल चतुर्वेदी इस परियोजना द्वारा दी गई संभावनाओं से इतने मंत्रमुग्ध थे कि उन्होंने इसे अपने क्लब की एक स्थाई परियोजना घोषित कर दिया है।

इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक उपरांत फाउंडेशन (Jeevantirth.Org) द्वारा मार्गदर्शित एक स्टार्ट-अप पहल) के साथ भागीदारी और साझेदारी है, जिसमें इसकी संस्थापिका रिद्धिका भंडारी और उनकी टीम के साथ-साथ NIFT और NID दोनों के कुछ प्रतिभाशाली युवा स्नातक शामिल है, जो पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर अपने नए विचार प्रदान करते है। उपरांत राजूभाई द्वारा मार्गदर्शित और समर्थित और रिद्धिका द्वारा संचालित एक स्टार्ट-अप है, जो महिलाओं द्वारा बीने गए पुराने कपड़ों को अलग और रीसायकल करता है, और उन्हें हस्तनिर्मित उत्पादों जैसे कोस्टर और अन्य आकर्षक घरेलू वस्तुओं में अपग्रेड करता है। NIFT और NID के छात्र डिजाइन, मूल्य संवर्धन और मापनीयता के विचार प्राप्त करने के लिए उनके अंतर्गत काम करते है।

इस कार्यशाला में जीवनतीर्थ के न्यासी दीप्ति राजू, RCC अध्यक्ष कमलेश दाभानी और DRFC (रो ई मंडल 3054) PDG C- ललित शर्मा, AG महेंद्र पटेल, सचिव बाबूभाई पटेल और सचिव निर्वाचित बालकृष्ण पटेल सहित रोटरी नेतृत्वकर्ताओं और सदस्यों का एक समूह उपस्थित था।

रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर के अध्यक्ष चतुर्वेदी कहते है कि लागत के हिसाब से यह परियोजना बहुत बड़ी नहीं हो सकती है "लेकिन महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण की रक्षा के मामले में इसका प्रभाव बहुत बड़ा रहेगा।" ■

मोतियाबिन्द शल्य इलाज शिविर द्वारा आँखों की प्रकाश बचाना

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब मुंबई भांडुप के अध्यक्ष उदय शेट्टी और उनकी टीम।

कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को आंखों की देखभाल प्रदान करने के लिए, रोटरी क्लब मुंबई भांडुप, रो ई मंडल 3141, भक्तिवेदांत अस्पताल और अनुसंधान संस्थान और बिलावर एसोसिएशन के सहकारिता से अगस्त से *मोतियाबिंद रहित भांडुप* परियोजना को अंजाम दे रहा है। अस्पताल के डॉक्टर हर महीने के पहले शनिवार को एक अच्छी तरह से सुसज्जित मोबाइल क्लिनिक में नेत्रों की बीमारियों के मरीज़ों की जांच करने के लिए जाते हैं।

हालांकि यह परियोजना मुंबई में भांडुप के निवासियों के लिए लक्षित है, "हमें नगर के दूसरे भागों से भी लोग मिलते हैं।" पहले कुछ महीनों में, शिविर बिलावर एसोसिएशन के परिसर में आयोजित किए गए थे, किंतु बाद में मोबाइल आई क्लिनिक को ठाणे पश्चिम में मुलुंड चेक नाका के नज़दीक एक मंदिर परिसर में तबादला कर दिया गया। क्लब के प्रधान उदय शेट्टी ने कहा। मोतियाबिंद के निदान वाले शख्सों को दो रोज़ के पश्चात वापस रिपोर्ट करने के लिए कहा जाता है जब उन्हें ऑपरेशन के लिए मीरा रोड के अस्पताल में ले जाया जाता है और इलाज के पश्चात वापस उनके इलाके में छोड़ दिया जाता है।

अब तक आठ शिविर संगठित किए गए हैं जिनमें 470 से ज्यादा मरीज़ों की जांच की गई और अस्पताल में 148 लोगों की मोतियाबिंद की कामयाबी से ऑपरेशन की गई। जबकि दवा, अस्पताल में रहने, खाना और परिवहन के साथ शल्य-चिकित्सा के खर्च का भुगतान अस्पताल द्वारा किया जाता है, क्लब मासिक शिविरों के लिए रसद और दूसरे इंतजामों का ध्यान रखता है।

क्लब की कुछ दूसरे दर्शनीय परियोजनाओं में कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए *पिंक ऑटो,* सिलाई में नारियों को रियाज़ करने के लिए कौशल उन्नति केंद्र, और छात्रों को अपने कॉलेज की पढ़ाई के लिए बिना किसी ब्याज का ऋण छात्रवृत्ति मुहैया करना शामिल है। ■

एक उत्कृष्ट RID 3000 डिस्कॉन

टीम रोटरी न्यूज़

सम्मेलन में आरआईपीआर पीडीजी एशेज़ गांगुली और उनकी पत्नी नंदिता।

डीजी आई जेराल्ड और पीडीजी एम मुरुगनंदम, मार्गरेट जेराल्ड और सुमति मुरुगनंदम की उपस्थिति में भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

DGE आनंद ज्योति, जो रो ई मंडल 3000 में पहली महिला गवर्नर बनेंगी, ने कार्निवल नामक दो दिवसीय मंडल सम्मेलन में अपनी कोर टीम का परिचय दिया।

कोयम्बतूर में PSG कन्वेंशन सेंटर में डिस्कोन का प्रारंभ करते हुए, भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति, वेंकैया नायडू ने समुदायों के लिए अपनी बहुमुखी योजनाओं के लिए रोटरी की तारीफ़ की। वाग्मी सुखी शिवम ने रोटरी और रोटेरियन्स को मस्वयं से ऊपर सेवाफ करने के लिए शुक्रिया अदा किया। DG जेराल्ड ने PDG मुरुगानंदम और डॉ ज़मीर पाशा को विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किए, और 10 सदस्यों को सेवा पुरस्कार के अवसर प्रदान किए गए।

विजय TV एंकर गोपीनाथ, उद्योगपति च् पोन्नुस्वामी और ट्रांसजेंडर कल्कि ने दर्शकों को प्रेरित करने वाले प्रेरणादायक वक्तृता दिए। कल्कि बाद में PGD डॉ ज़मीर पाशा और माला बालसुब्रमण्यम के साथ रोटरी की नई बहुरूपता, न्यायनीति और समावेश नीति पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

दूसरे दिन भी, लोकसभा सांसद S वेंकटेशन, परिवेश सक्रियतावादी G सुंदरराज और फिल्म निर्देशक S A चंद्रशेखर सहित प्रसिद्ध लोगों ने बहुरूप मामलों पर भाषण दिए।

मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधिपति K चंद्रू ने अपने निजी अनुभवों को याद करते हुए कहा, ''हमारी न्यायपालिका ऐसी है कि भारत के हर आम आदमी को न्याय मिलेगा, लेकिन प्राप्त करने में देरी हो सकती है।'' तमिल फिल्म अभिनेता पारतिबन ने आगामी पीढ़ी के फिल्म निर्माताओं के लिए नए उभरते मार्गों पर बात की। एन्स और एनेट्स के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इससे पहले, रो ई प्रधान के प्रतिनिधि PDG एशेज गांगुली, रो ई मंडल 3142, और उनकी पत्नी नंदिता का *ओयिलाट्टम,* एक रूढ़ि-गत लोक नृत्य और *चेंडा मेलम,* केरला के तबला ढोल की ताल के साथ प्रारंभ समारोह में गर्मजोशी अभिनंदन किया गया।

फेलोशिप मीट के संगठित करने के कामयाबी के लिए रामचंद्र बाबू के नायकत्व में डिस्कॉन टीम ने रसद का ध्यान रखा। ■

ADVERTORIAL

प्राची – पवन अग्रवाल

मण्डलाध्यक्ष, रो.अ.मण्डल 3110

मण्डल 3110

Pawan & Prachi Agarwal

प्रतिबिंब

The Reflection

District Conference 2023

Jennifer E. Jones & Nick Krayacich

मण्डल 3110 द्वारा 17 से 19 मार्च को होटल लीला एंबियंस एंड कन्वेंशन सेंटर, कड़कड़डूमा, दिल्ली में मण्डलीय सम्मेलन – 'प्रतिबिंब' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि–आर.आई. निदेशक, रो. ए. एस. वेंकटेश और श्रीमती विनीता वेंकटेश तथा पीडीजी जार्ज सुंदरराज रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रतिनिधि थे। गौड़ गोपाल दास ने नेतृत्व पर विशेष सत्र लिया। टीम बिल्डिंग और लीडरशिप पर एक और सत्र कपिल देव द्वारा एक पैनल चर्चा के माध्यम से लिया गया। अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं में अरुण जेमिनी, इरा त्रिवेदी, रूमा देवी, सुदीप कोचर और डा. जितेंद्र सिंह शंटी थे। डीजी पवन अग्रवाल और प्रथम महिला प्राची अग्रवाल द्वारा मण्डल के कॉलेज ऑफ गवर्नर्स के सदस्यों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि एवं आर.आई.पी.आर. के साथ दीप प्रज्जलन

गौड़ गोपाल दास के साथ मण्डलाध्यक्ष परिवार

गौड़ गोपाल दास द्वारा उद्बोधन

कपिल देव का सम्मान

कपिल देव के साथ पैनल डिस्कशन

आर.आई. निदेशक ए.एस.वेंकटेश के साथ पैनल डिस्कशन

डा. जतिन्दर सिंह शंटी का सम्मान

मुख्य अतिथि एवं आर.आई.पी.आर.

आर.आई.पी.आर जॉर्ज सुन्दरराज द्वारा सम्बोधन

गणेश वन्दना

आयोजन समिति

रूमा देवी द्वारा लकी ड्रा

Do follow us: @Rotary3110

मण्डल 3110 की गतिविधियां

रो. राज मेहरोत्रा
CDS (Admin)

पीडीजी देवेन्द्र अग्रवाल
ए.आर.आर.एफ.सी.

रोटरी फाउंडेशन को 10,000 अमेरिकी डॉलर का योगदान देकर प्रमुख डोनर बनकर मण्डलीय सम्मेलन के दौरान कपिल देव द्वारा हस्ताक्षरित प्रतिष्ठित बैट जीतने के लिए रोटरी क्लब आगरा के रोटेरियन उमेश गुप्ता को

हार्दिक बधाई

पीडीजी शरत चन्द्रा
डी.आर.एफ.सी.

Rotary PEOPLE OF ACTION

RID 3000 के रोटेरियनों ने भूकंप पीड़ितों की मदद करते हुए तुर्की की यात्रा का आनंद उठाया

रशीदा भगत

दो साल पहले, जब रो ई मंडल 3000 के लगभग 125 रोटेरियन्स ने अपने आगामी गवर्नर आई जेराल्ड के नेतृत्व में तुर्की की छुट्टियों की यात्रा की योजना बनाई, तो वे ओटोमन्स की जमीन पर मजेदार छुट्टी मनाने का इंतज़ार कर रहे थे। ''इस यात्रा की योजना मैंने 2013 की तरह ही बनाई थी, जब मैंने करीब 115 रोटेरियन के साथ चीन की सद्भावना मिशन की यात्रा का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया था। तब हम बीजिंग और शंघाई गए थे। पहले हमारा विचार था कि 2022 में हम रूस जाएंगे, लेकिन यूक्रेन में चल रहे युद्ध के कारण हमने अपना गंतव्य तुर्की कर दिया,'' जेराल्ड कहते हैं।

पूरे मंडल से - मदुरै, त्रिची, डिंडीगुल, पुदुक्कोट्टई, करूर, पेरम्बलुर, थेनी, कोडाइकनाल और अरियालुर के रोटेरियनों ने सहमति दे दी ; होटल बुक हुए और वीज़ा भी ले लिए गए। लेकिन यात्रा से ठीक 10 दिन पहले, तुर्की और सीरिया दोनों ने भयानक भूकंप के झटके महसूस किये जिसने दोनों देशों को बुरी तरह प्रभावित कर के रख दिया, इधर टूर प्लानर परेशान थे। ''लेकिन फिर, हुआ यूँ कि हमारे क्लब के अध्यक्षों में से एक, रोटरी क्लब मदुरै मेट्रो हेरिटेज के सी आर वेंकटेश ने सुझाव दिया कि हमें यात्रा को निरस्त नहीं करना चाहिए। हम रोटेरियन हैं जो हमेशा संकट में लोगों की मदद करते आये हैं, इसलिए हमें वहां जाकर भूकंप से प्रभावित लोगों के लिए कुछ ना कुछ अवश्य करना चाहिए। इसलिए मैंने उनसे पूछा, आप बताएं कि हम क्या - क्या कर सकते हैं और जहां तक बन पडेगा हम उनकी सहायता करने का हरसंभव प्रयास करेंगे,'' डीजी बोले, जो स्वयं भी इस ग्रुप का हिस्सा थे।

रोटरी क्लब मदुरै मेट्रो हेरिटेज के अध्यक्ष सी आर वेंकटेश (बाएं से दूसरे) और उनकी टीम भूकंप पीड़ितों के लिए राहत सामग्री के साथ तुर्की यात्रा के लिए तैयार।

डीजी आई जेराल्ड ने 325,000 तुर्की लीरा का चेक RID 2420 डीजी सुआत (उनके दाहिनी ओर) और PRID सफाक एल्पे (दाएं से तीसरे) को सौंपा। चित्र में रोटरी क्लब इस्तांबुल एनातोलिया के अध्यक्ष आयसे (बाएं), वेंकटेश (डीजी जेराल्ड के बाएं), गुडविल मिशन की अध्यक्ष चित्रा रमेश, पीडीजी कारा और मार्गरिट जेराल्ड भी शामिल हैं।

परियोजना समन्वयक वेंकटेश के साथ, रो ई मंडल 3000 के रोटेरियन्स ने तुर्की राहत कोष पर काम करना शुरू किया; जेराल्ड कहते हैं, उनका लक्ष्य लगभग ₹10 लाख था, लेकिन लगभग ₹15 लाख इकट्ठे हो गए।

वेंकटेश को याद हैं, ''रिकॉर्ड तीन दिनों में, हमारा मंडल तुर्की राहत कोष के लिए ₹15 लाख जुटाने में कामयाब हो गया था। प्रत्येक क्लब के ₹5,000 के लक्ष्य के सामने, कुछ क्लबों ने ₹25,000 से अधिक राशि का योगदान दिया, जिसमें रोटरी क्लब मदुरै मेट्रो हेरिटेज ने ₹2 लाख और रोटरी क्लब करूर ने ₹1.18 लाख का योगदान दिया था।''

एकत्रित राशि में से ₹2.38 लाख के तंबू और बिस्तर यहीं से खरीदे गए, जिनकी भूकंप से बचे लोगों को तुरंत आवश्यकता थी। जेराल्ड कहते हैं, यात्रा कर रहे 125 रोटरियनों को पर्याप्त सामान ले जाने की अनुमति थी, इस राहत सामग्री को वे अपने सामान की तरह विमान में साथ ले जा सकते थे। इस्तांबुल पहुंचने पर, ''हमने रोटरी क्लब सांता क्लारा, यूएस की हरबीर कौर भाटिया को आवश्यक राहत सामग्री सौंपी, जो भूकंप से प्रभावित लोगों में राहत का सामान वितरित करने के लिए शेल्टरबॉक्स और अन्य संगठनों के साथ काम कर रही थीं।''

इस्तांबुल में तुर्की सफाक के पूर्व रो ई निदेशक, पीडीजी कारा, रोटरी क्लब इस्तांबुल अनातोलिया इंटरनेशनल के अध्यक्ष आयसे और क्लब के कुछ सदस्यों की उपस्थिति में रो ई मंडल 2420 के गवर्नर सुआत को शेष राशि, लगभग ₹14 लाख (325,000 तुर्की लीरा) का चेक दिया। डीजी सुआत ने कहा कि इस फंड का उपयोग मोबाइल अस्पताल बनाने के लिए किया जाएगा, जिसकी तत्काल आवश्यकता थी।

डीजी जेराल्ड कहते हैं कि तुर्की में भूकंप प्रभावितों को सहायता उपलब्ध कराने के बाद, भारतीय रोटेरियन इस्तांबुल, कप्पाडोसिया आदि की यात्रा करते हुए छुट्टी मनाने आगे निकल लिए। ''हमने गुब्बारे की सवारी पैराग्लाइडिंग आदि का आनंद लिया, और छुटियों के मजे करने के साथ साथ हमें आत्म संतुष्टि भी हुई,कि रोटेरियन के रूप में, हमने भी वही किया जिस चीज के लिए रोटरी प्रसिद्द है, जिसमें रोटरी श्रेष्ठ है - ज़रूरतमंदों की मदद।''

इसके आगे क्या, यह पूछने पर उन्होंने कहा, ''भूकंप से भयंकर विनाश हुआ है और उन लोगों को हर प्रकार की सहायता चाहिए जितनी भी हम कर सकें। बहुत सारे पुनर्निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में धन की आवश्यकता है। हम भारत के रोटेरियनों से अपील करते हैं कि वे जितना कर सकते हैं, उतना योगदान करने के लिए आगे आएं।'' ■

RID 3000 द्वारा दिये गये एक तम्बू को एक रोटेरियन इस्तांबुल में स्थापित करते हुए।

भूख से लड़ने के लिए एक मुट्ठी चावल

किरण ज़ेहरा

हैदराबाद के "इंटरेक्ट क्लब ऑफ संस्कार- द लाइफ स्कूलफकी अध्यक्ष शैनाज शेख अपनी मुट्ठी में चावल भरकर कहती है, ''भुखमरी से होने वाली मौतों को खत्म करने और हमारे स्थानीय समुदायों में भूख और कुपोषण से निपटने के लिए बस इसी की आवश्यकता है।'' शहनाज़ और उनके क्लब के सदस्य हैदराबाद के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को *प्रोजेक्ट फिस्ट ऑफ राइस* के माध्यम से शहर में भूख को खत्म करने में मदद करने हेतु मुट्ठी भर चावल दान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है।

यह सब तब शुरू हुआ जब मूल क्लब, रोटरी क्लब हैदराबाद लीजेंड्स, रो ई मंडल 3150 ने इंटरेक्टरों को स्कूल आते वक्त अपने घर से एक मुट्ठी चावल लाने के लिए प्रोत्साहित किया और इसे प्रवेश द्वार पर रखे डिब्बे में डालने के लिए कहा। दान के पहले चरण में 250 किलोग्राम चावल एकत्रित हुए जिसे बेगमपेट, हैदराबाद के देवनार स्कूल फॉर द ब्लाइंड को दिया गया। ''इंटरेक्टरों ने पहली बार देने की खुशी का अनुभव किया और हमने उन्हें इस परियोजना को जारी रखने हेतु प्रेरित किया,'' रोटरी क्लब हैदराबाद लीजेंड्स की अध्यक्ष मोहना वामसी कहती है।

बाद में, क्लब के कुछ इंटरेक्टरों ने कुछ रोटेरियन के साथ इस परियोजना पर शोध करने हेतु शहर भर के अनाथालयों का दौरा किया। ''30-40 बच्चों वाले एक अनाथालय को अपने निवासियों को दिन में दो बार का भोजन प्रदान करने हेतु लगभग 300 किलोग्राम चावल की आवश्यकता होती है। यदि अनाथालय में पर्याप्त चावल नहीं होता तो बच्चों को भूखा सोना पड़ता है,'' वामसी कहती है। इन बच्चों के संघर्ष के बारे में जानकर ''इंटरेक्टर पूरी तरह से हिल गए'' और उन्होंने भूख से लड़ने के लिए एक सक्रिय अभियान की शुरूआत की।

शोध करते समय, उन्हें *खाद्य नीति* पत्रिका में प्रकाशित एक लेख मिला जिसके अनुसार ''चावल के दान जैसे खाद्य सहायता कार्यक्रम भारत में भूख को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। इसमें कहा गया है कि खाद्य सहायता प्रावधान से महिलाओं और बच्चों में भोजन लेने की मात्रा में वृद्धि होती है। ये खाद्य दान स्वास्थ्य में सुधार कर सकते है, एनीमिया को कम कर सकते है और बच्चों के विकास में सहायता कर सकते है।''

इंटरेक्टरों ने धीरे-धीरे अपने द्वारा दान किए गए चावल की मात्रा को बढ़ा दिया और अन्य विद्यार्थियों ने भी इसका पालन किया। इस पहल ने गति प्राप्त की और यह स्कूल से परे विस्तारित हो गई। इस परियोजना को रोटेरियनों के संपर्कों के माध्यम से व्यक्तियों एवं संगठनों द्वारा चावल के बड़े दान मिलना शुरू हो गए।

''दुनिया भर में पर्याप्त भोजन, कपड़े या घर के बिना रहने वाले बहुत बच्चे है। चाहे वह यूक्रेन हो, सीरिया हो या तुर्की हो, बच्चे हर जगह पीड़ित है। हम कम से कम अपने ही समुदायों की मदद कर सकते है और अपने आसपास के बच्चों के जीवन को आसान बना सकते है,'' शैनाज़ कहती है। एक इंटरेक्टर के रूप में ''उन्होंने अपने पास जो कुछ भी है उसकी सराहना करना और समुदाय को लौटाना सीखा फिर चाहे वो बहुत ही छोटे रूप में क्यों न लौटाया जाए।''

वामसी कहते है कि ''भोजन दान करने के साथ जुड़ा एक और मुद्दा यह है कि लोग बाकी पूरे वर्ष की तुलना में त्योहारों पर अधिक उदार होते है। इसमें समस्या यह है कि भूख का संकट मौसमी नहीं होता। इससे पूरे वर्ष निपटने की आवश्यकता होती है।'' पिछली दिवाली पर इंटरेक्टरों ने अन्य स्कूलों में

संस्कार-द लाइफ स्कूल के इंटरेक्ट क्लब के सदस्य प्रोजेक्ट फिस्ट ऑफ राइस *कार्यान्वित करते हुए।*

स्टॉल लगाए और वंचितों पर भूख के भयावह प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संवेदनशील बनाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

हाल ही में जब मंडल ने एक झठ गतिविधि के तहत बॉलीवुड और टॉलीवुड के अभिनेताओं के बीच एक क्रिकेट मैच की मेजबानी की तो रोटरी क्लब हैदराबाद लीजेंड्स ने इस मैच के लिए ₹250 प्रति टिकट के हिसाब से 250 टिकटें खरीदी और क्लब के सदस्यों को ₹599 प्रति टिकट के हिसाब से बेच दी; इंटरेक्टरों ने भी ₹400 प्रति टिकट के हिसाब से 70 टिकट बेचे। इससे जो पैसे कमाएं उन्हें *फिस्ट ऑफ राइस* पहल के लिए दान किया गया।

क्लब का लक्ष्य जून 2023 तक 20,230 किलोग्राम चावल इकट्ठा करना है। ''हमने चावल की एक मुट्ठी के साथ शुरुआत की थी और अब तक हम 10,000 किलोग्राम से अधिक चावल एकत्रित करके उसे अपने शहर के अनाथालयों को दान कर चुके है। हमारा चावल का डिब्बा वास्तव में एक अक्षय पात्र में बदल गया है – हम जितना अधिक देते है यह उतना ही भरता जाता है,'' 15 वर्षीय इंटरेक्ट अध्यक्ष कहती है। ■

प्रोजेक्ट सूर्या वाई में आदिवासी मकानों को प्रकाशित करता है

वी मुत्तुकुमारन

एक सुबह एक मराठी दैनिक पढ़ने पर, DGE स्वाति हेर्कल, रो ई मंडल 3132, महाराष्ट्र के सतारा जनपद में वाई तालुक में सात गांवों में बस्तियों में रहने वाले कातकरी और धनगर आदिवासियों द्वारा सामना की जाने वाली तकलीफों को पढ़कर चकित थीं। चूंकि किनारे पर रहने वाले आदिवासी समुदायों में बिजली नहीं है, देर के घंटों में जंगली जानवरों के संभावित आक्रमण से वे लगातार दुखी थे। अपनी आधारभूत आवश्यकताओं को सम्पूर्ण करने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलकर जाना पड़ता है। मगर उन्हें शाम होने से पहले जल्दी घर पहुँचना पड़ता है क्योंकि तेंदुए शिकार पर होते हैं, *प्रोजेक्ट सूर्या* की मुख्य स्वाति कहती हैं, जिसने इन आदिवासी बस्तियों में 148 सोलर लैंप और स्ट्रीट लाइटें लगाई थीं।

डीजीई स्वाति हेर्कल अपनी टीम के साथ कोलेश्वर बस्ती की ओर जाती हुई।

जनवरी के पहले सप्ताह में ठउ वाई की बोर्ड बैठक में, क्लब के मुख्य जितेंद्र पाठक ने स्वाति के नायकत्व में 10 सदस्यीय टीम का गठन किया, जो आदिवासी कॉलोनियों का दौरा करने के लिए प्राथमिक जाँच के लिए गई थी। ''हमने देखा कि आदिवासी कॉलोनियों में बहुत जल्दी अंधेरा छा गया था। वे तेंदुए के हमले के डर से शाम 7 बजे के पश्चात बाहर नहीं निकलते हैं और चैन से सो भी नहीं पाते हैं,'' स्वाति याद करती हैं। प्राथमिक जाँच के पश्चात , एक पांच सदस्यीय योजना दल का गठन किया गया, जिसे काम की निगरानी करने हेतु इन असमीप पर्वतीय इलाकों में कई दौरे करने थे।

पहले चरण में, 72 मिट्टी के मकानों और बांस की झोपड़ियों में से हर एक में दो सौर लैंप लगे और चार कॉलोनियों में एक सौर स्ट्रीट लाइट लगाई गई। कुल मिलाकर ₹2.5 लाख की लागत के 148 सौर साधन लगाए गए। इस योजना को सदस्य योगदान और ओहैयो, US से PDG मीना पटेल से 1,000 डॉलर के उपहार के द्वारा वित्त पोषित किया गया था। ''अगले चरण में, हम 238 आदिवासी मकानों में सौर लैंप स्थापित करेंगे, इस प्रकार इन सात गांवों में सभी बस्तियों को सम्पूर्ण करेंगे, कुछ खड़ी पहाड़ियों पर,'' स्वाति बताती हैं। आदिवासी समूह धोम, मलप्पुर, वैगांव, बोरगांव, कोलेश्वर, मडगनी मूरा और कोंधवले गांवों में स्थित हैं। हर एक मकान में सोलर लैंप चार्ज करने हेतु मकान के

हमने देखा कि आदिवासी कॉलोनियों में बहुत जल्दी अंधेरा छा गया था। वे तेंदुए के हमले के डर से शाम 7 बजे के पश्चात बाहर नहीं निकलते हैं और चैन से सो भी नहीं पाते हैं।

DGE स्वाति हेर्कल

ऊपर बैटरी के साथ एक सोलर पैनल और एक मोबाइल फोन चार्जर होगा।

तीन समूहों में सोलर स्ट्रीट लाइटें नहीं लगाई जा सकीं क्योंकि ''हम खंभों और दूसरे सामानों के साथ पहाड़ी पर नहीं चढ़ सकते थे। मगर अगले चरण में, जो अगस्त तक सम्पूर्ण हो जाएगा, शेष कुटुंबों के पास सोलर लैंप होंगे और छूटी हुई कॉलोनियों में स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी,'' स्वाति ने आश्वासन दिया।

एक विकट ज़रूरत

आदिवासी गांवों के लिए सोलर लैंप की अहम जरूरत के बारे में बताते हुए, क्लब के मुख्य पाठक कहते हैं, ''उन्हें अब अंधेरे के बाद घर के भीतर रहने की जरूरत नहीं है। स्ट्रीट लाइटें इलाकों को चमकदार और रोशन रखती हैं और जंगली जानवरों को दूर रखती हैं।'' कोंधावले में रोटरी, राधा वाडकर (70), जो 13 साल पहले अपने पति को खोने के पश्चात अकेली रह रही हैं, और आमदनी के लिए एक भैंस पर निर्भर हैं, का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करते हुए कहती हैं, ''मेरे ज़िंदगी में अब सौर लैंप के साथ एक चिंगारी आ गई है। मुझे तन्हाई बिल्कुल भी महसूस नहीं होता है।''

कोलेश्वर में रहने वाले एक दूसरे लाभार्थी बापू खुटेकर (75) का कहना है कि पहले उन्हें अपने मोबाइल हैंडसेट को रीचार्ज करने हेतु ढाई घंटे से ज्यादा नीचे चलना पड़ता था। ''मगर अब मोबाइल रीचार्जर और बैटरी के साथ, मुझे उस खतरा भरे ट्रेक को नीचे और पीछे करने की ज़रूरत नहीं है। साथ ही, अब वह बत्ती के दीयों के लिए महीने में 15 लीटर तेल ख़रीदने में खर्च होने वाले पैसे बचा सकता था। सोलर लैंप ने मेरे ज़िंदगी में श्रेष्ठता के लिए बदलाव लाया है,'' वे कहते हैं।

स्वाति, लक्ष्मी पवार एक आदिवासी महिला को सोलर लैम्प भेंट करती हुयी।

स्थापना उत्सव के लिए, छह साल का एनेट ओम शिंदे, रोटेरियन प्रमोद शिंदे के बेटे, और स्वाति के भतीजे एनेट वेद हेर्कल को मिलाकर 15 सदस्यीय टीम को लाभार्थियों को सोलर साधनों को सौंपने हेतु सात आदिवासी बस्तियों में एक मुश्किल ट्रेक करना पड़ा। ''यह हम सारों के लिए काफी तजुर्बा था। मगर हम ग्रामीणों के लिए और ज्यादा करने हेतु तैयार हैं,'' स्वाति कहती हैं।

रोटरी क्लब वाई के अध्यक्ष जितेंद्र पाठक (दाएं) और रोटेरियन प्रमोद शिंदे की मौजूदगी में मदगनी मूरा क्लस्टर में स्वाति और रोटेरियन दीपक बागड़े ने धनगर आदिवासियों को सोलर लैंप सौंपे।

पाठशाला शिक्षा

गाँवों के अपने लगातार दौरे के दौरान, परियोजना टीम ने देखा कि बच्चे स्कूल जाने के बजाय मछली पकड़ने और फिर उन्हें बाज़ारों में बेचने में लगे हुए थे। ''वे इसे अस्तित्व के लिए कर रहे हैं। हम आदिवासी बच्चों को रोज तीन बार खाना उपलब्ध कराने के लिए इन गांवों के स्कूल प्रबंधन से बात करने जा रहे हैं ताकि वे कक्षाओं में जा सकें और पढ़ सकें। जैसा कि अभी दिया जा रहा है सिर्फ दोपहर का खाना देना काफी नहीं है,'' DGE का कहना है कि दोपहर का खाना कार्यक्रम का बढ़ाके स्कूल छोड़ने वालों को स्कूलों की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

दूसरे वर्ष जनपद गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालने के पश्चात , स्वाति कहती हैं, मैं रो ई मंडल 3132 में तमाम क्लबों को उन आदिवासी गांवों की पहचान करने के लिए कहूंगी, जिन्हें सोलर लैंप की आवश्यकता है, ताकि *प्रोजेक्ट सूर्या* को पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा इलाके में बढ़ा सके। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

बेंगलुरू अस्पताल को स्टेम सेल प्रसंस्करण साधन उपहार दिए गए

टीम रोटरी न्यूज़

प्रो*जेक्ट होप* के तहत, रोटरी क्लब बैंगलोर लेकसाइड, रो ई मंडल 3190, ने स्टेम सेल हार्वेस्टिंग और ऑटोलॉगस स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन के लिए साधन उपहार दिए। ₹1 करोड़ की परियोजना बेंगलुरु में किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी के सहकारिता से प्रारंभ की गई थी और दो कॉरपोरेट्स, वर्चुसा कॉर्पोरेशन और एम्बिटेल टेक्नोलॉजीज से CSR फंडिंग से मुमकिन हुई।

किदवई संस्थान पहले स्टेम सेल प्रोसेसिंग को आउटसोर्स कर रहा था, मगर अब हमारे क्लब के *प्रोजेक्ट होप* ने अस्पताल को स्वतः यथेष्ट बना दिया है। क्लब के प्रधान प्रसन्ना मारार कहते हैं, हमने अस्पताल में एक एफेरेसिस यंत्र और अल्ट्रा-कम तापमान फ्रीजर प्रदान किए हैं।

अस्पताल की बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ वसुंधरा कैलासनाथ ने क्लब को शुक्रिया अदा करते वक़्त बताया कि स्टेम सेल प्रतिरोपण कैंसर, खून और स्व - प्रतिरक्षित विकारों जैसे तरह तरह की बीमारियों के इलाज का एक अहम तरीका है। इसका इस्तेमाल उन कैंसर मरीज़ों के इलाज के लिए किया जाता है जिन्हें कीमोथेरेपी की बहुत ज्यादा खुराक मिली है। ङ्कङ्कीमोथेरेपी न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं बल्कि तंदुरस्त कोशिकाओं में भी नुक़सान पहुँचाती है, जिसमें खून बनाने वाली स्टेम कोशिकाएं भी शामिल हैं। स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन शरीर में तंदुरस्त स्टेम सेल की आपूर्ति की भरपाई करता है, जिससे मरीज कीमोथेरेपी से ठीक हो सकते हैं और आगे का इलाज प्राप्त कर सकते हैं। अब हम नए साधनों की सहायता से स्टेम सेल प्रोसेसिंग को इन-हाउस करना मुमकिन हैं।'' ■

मांडवी में रोजगार मेला

रोटरी क्लब मांडवी, रो ई मंडल 3054 ने 23 फरवरी को नगर में जॉब फेयर का आयोजन कर रोटरी का 118वां उद्घाटन दिवस मनाया। क्लब के मुख्य तेजस वासानी ने कहा कि इस कार्यक्रम में करीब-करीब 500 प्रत्याशियों ने हिस्सा लिया और उनमें से 150 को तरह तरह का कंपनियों द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया और योजना के प्रधान भाविन गनात्रा, अक्षय महेता और हरिओम अबोती की प्रशंसा की।

उद्योगपति शैलेश सुरैया ने सेवायोजन मेले का प्रारंभ किया जिसमें रिलायंस रिटेल, वोडाफोन, ICICI बैंक, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और डोरफ केटल केमिकल्स जैसे संगठनों और अन्य स्थानीय उद्योगपतियों और अस्पताल प्रबंधनों शामिल थे। नौकरी मेले के संगठित करने में कच्छ जनपद रोजगार कार्यालय और मांडवी औद्योगिक रियाज़ संस्थान भी शामिल थे। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

सरकारी अस्पताल को मिला डायलिसिस उपकरण

टीम रोटरी न्यूज़

एस्पिनवॉल सीएफओ टीआर राधाकृष्णन (बाएं) सरकारी अस्पताल के अधीक्षक डॉ शाहिर शा का अभिवादन करते हुए। (बाएं से) अस्पताल सचिव एन प्रतिभा, रोटरी क्लब कोचीन बीचसाइड सचिव सी अजयकृष्णन, डीजी राजमोहन नायर, क्लब अध्यक्ष सिजो जोस, रोटेरियन शियास हाशिम और पूर्व अध्यक्ष मुरली नायर भी चित्र में शामिल हैं।

DG राजमोहन नायर ने रोटरी क्लब कोचीन बीचसाइड, रो ई मंडल 3201 द्वारा निष्पादित CSR अनुदान योजना के भाग के रूप में सरकारी अस्पताल, एर्नाकुलम के अधीक्षक को डायलिसिस इकाइयों के लिए ₹5 लाख के पांच मल्टीपारा मॉनिटर सौंपे।

इस मौके पर रोटरियन राधाकृष्णन, मुख्य वित्तीय अधिकारी और निदेशक, एस्पिनवॉल, जिन्होंने परियोजना का समर्थन किया है, भी मौजूद थे। साधन अस्पताल में कम विशेषाधिकार प्राप्त मरीज़ों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस प्रावधान करेगा। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष सिजो जोस, सचिव अजयकृष्णन, राज्यपाल के समूह प्रतिनिधि शियास हाशिम और रोटरियन मुरली नायर भी मौजूद थे। अस्पताल अधीक्षक ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर और क्लब को उनके कोशिशों के लिए शुक्रिया अदा किया और एस्पिनवॉल को उसकी CSR पहल के लिए आभार व्यक्त किया। ■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय डेस्क से

क्लब मान्यताएँ

- रोटरी फाउंडेशन क्लबों को अपने अनुदानों और कार्यक्रमों के समर्थन के लिए मान्यता अर्जित करने के कई अवसर प्रदान करता है। माई रोटरी में जिला/क्लब नेताओं के लिए उपलब्ध क्लब फाउंडेशन बैनर रिपोर्ट मौजूदा रोटरी वर्ष में विभिन्न क्लब बैनरों जैसे 100% फाउंडेशन गिविंग क्लब; 100% हर रोटेरियन, हर वर्ष क्लब; वार्षिक अनुदान देने में शीर्ष तीन प्रति शख्स; 100% पॉल हैरिस सोसाइटी क्लब; 100% पॉल हैरिस फेलो क्लब (एक बार का बैनर) और 100% रोटरी का प्रॉमिस क्लब।

प्रत्येक प्रकार के क्लब बैनर के विवरण के लिए https://www.rotary.org/en/donate/recognition पर जाएं

क्लब फाउंडेशन बैनर रिपोर्ट में सूचीबद्ध बैनर प्राप्तकर्ता सदस्यता और अतिरिक्त या पुनर्वितरित योगदान में परिवर्तन के वजह से सम्पूर्ण रोटरी वर्ष में उतार-चढ़ाव कर सकते हैं। 30 जून को रोटरी वर्ष की समाप्ति के पश्चात TRF द्वारा अंतिम बैनर प्रमाणीकरण संसाधित किया जाता है। पिछले वर्ष के लिए अर्जित क्लब बैनर अक्टूबर या नवंबर में मौजूदा DG को भेज दिए जाते हैं। आप rotarysupportcenter@rotary.org पर डिस्ट्रिक्ट फाउंडेशन बैनर रिपोर्ट का अनुरोध कर सकते हैं। यह क्लब/मंडल नेताओं के लिए उनके माय रोटरी डेसळप के द्वारा भी उपलब्ध है।

मुख्य दाता मान्यता

TRF उन व्यक्तियों या जोड़ों को पहचानता है जिनकी संयुक्त दान राशि 10,000 तक पहुंच गई है, भले ही उपहार का नाम कुछ भी हो। यह मान्यता स्तर केवल निजी योगदान के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है न कि मान्यता बिंदुओं के हस्तांतरण के द्वारा। मुख्य दाता प्रत्येक नए मान्यता स्तर पर उपहार की स्मृति में एक क्रिस्टल पहचान टुकड़ा और पिन(ओं) का विकल्प चुन सकते हैं। (Level ranges: Level 1: $10,000 to $24,999; Level 2: $25,000 to $49,999; Level 3: $50,000 to $99,999; and Level 4: $100,000 to $249,999.

- मुख्य दाता मान्यता के लिए जीवनसाथी का योगदान जोड़ा जा सकता है। अपने खाते को जीवनसाथी के खाते से जोड़ने के लिए दाता सेवा दल *(ashwini.sharma@rotary.org)* से संपर्क करें।
- मुख्य दाता पहचान स्वचालित रूप से संसाधित नहीं होती है और मुख्य दाता पहचान सामग्री के प्रसंस्करण के लिए दाता से उत्कीर्णन निर्देशों के साथ RI कर्मचारियों को रिपोर्ट करने की ज़रूरत होती है।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

चेन्नई में एक समावेशी संगीत उत्सव

जयश्री

दिसंबर 2002 में, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने चेन्नई में संगीत अकादमी के प्लेटिनम जुबली समारोह की अध्यक्षता करते हुए DRDO के विकलांग कलाकारों की एक मंडली को मंच पर लाकर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया जिन्होंने दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास, राष्ट्रपति भवन में स्थित मुगल गार्डन के फूलों पर उनके द्वारा लिखी एक कविता पर प्रदर्शन किया।

रोटरी क्लब मद्रास कोरोमंडल के अध्यक्ष रमेश अनंत कहते है, ''इस अनूठे भाव ने हमें अकादमी में एक समावेशी संगीत उत्सव आयोजित करने हेतु प्रेरित किया ताकि विकलांग प्रतिभाशाली संगीतकारों को एक मंच प्रदान किया जा सके।'' क्लब ने 2005 में 'पैरेलल म्यूजिक फेस्ट' (PMF) के अपने पहले संस्करण की शुरुआत नेत्रहीनों के एक स्कूल, कर्ण विद्या के संगीत में प्रतिभाशाली छात्रों को आमंत्रित करके की थी। ''दो दशकों से भी अधिक समय से हम इस स्कूल के छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए समर्थन दे रहे है और उन्हें रोजगार के अवसरों के लिए कुशल बना रहे है। हम अपने विद्यार्थियों के पहले बैच को मुख्यधारा के कलाकारों के साथ प्रदर्शन करते हुए देखकर रोमांचित थे। तब से हमने पीछे मुड़कर नहीं देखा और यह PMF का हमारा 16वां संस्करण है,'' वह मुस्कराते है। यह उत्सव हर साल दिसंबर में अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस (3 दिसंबर) के साथ आयोजित किया जाता है।

संगीत अकादमी के अध्यक्ष एन मुरली (बाएं), कर्नाटक संगीतकार नेवेली संथानगोपालन के साथ तालवादक के श्रीवत्सा को 2020 पीएमएफ लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान करते हैं।

''हमारा उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों में आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें अपनी अंतर्निहित प्रतिभा विकसित करने हेतु प्रोत्साहित करना है। हम चाहते है कि उन्हें यह एहसास हो कि वे जो भी हासिल करना चाहते है अगर उसमें वे अपना दिल और अपनी आत्मा लगा देते है तो उनकी विकलांगता कोई बाधा नहीं है,'' क्लब के PMF अध्यक्ष आर श्रीधर कहते है।

हर साल, दिसंबर संगीत सत्र के दौरान, संगीत अकादमी एक प्रतिष्ठित कलाकार को संगीत कलानिधि पुरस्कार प्रदान करती है। वर्ष 2005 में दृष्टिबाधित वायलिन वादक डॉ एम चंद्रशेखरन को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और ''कर्ण विद्या के विद्यार्थी उनकी इस उपलब्धि से बहुत प्रभावित हुए थे।''

छह साल बाद 2010 में क्लब ने हुबली के गडग के नेत्रहीन हिंदुस्तानी संगीतकार पुट्टाराज गवई से प्रेरित होकर दिव्यांग कर्नाटक संगीतकारों के लिए वार्षिक PMF पुरस्कार की शुरुआत की। ''जब 2010 में गवई की मृत्यु हुई तो उनके अंतिम संस्कार में दस लाख प्रशंसक शामिल हुए और पूरा शहर थम सा गया। उनके संगीत की लोकप्रियता ऐसी थी, हालांकि वह नेत्रहीन थे,'' अनंत बताते है आगे यह कहते हुए कि क्लब ने डॉ चंद्रशेखरन को पहला PMF पुरस्कार प्रदान किया।

इस वर्ष इस उत्सव का उद्घाटन वायलिन वादक लालगुडी विजयलक्ष्मी ने संगीत अकादमी में किया था। ''यह एक बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम था क्योंकि कोविड महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद इसका आयोजन किया गया था।'' अकादमी में संगीत कलानिधि पुरस्कारों के साथ-साथ 2020 से तीन वर्षों के लिए PMF पुरस्कार प्रतिष्ठित दिव्यांग संगीतकारों को प्रदान किए गए। श्रीधर कहते है, ''विकलांग संगीतकारों के लिए अकादमी के अध्यक्ष एन मुरली और संगीत कलानिधि विजेताओं द्वारा सम्मानित किया जाना एक सपने के सच होने जैसा था।''

शारीरिक रूप से विकलांग PMF पुरस्कार विजेता इरोड नागराज के लिए उस कार्यक्रम में संगीत कलानिधि विजेता लालगुडी जी जे आर कृष्णन और लालगुडी विजयलक्ष्मी के साथ वायलिन के प्रस्तुतीकरण में मृदंगम बजाकर उनका सहायक बनना एक सुखद क्षण था। वायलिन वादक टी के पद्मनाभन, बांसुरी

बाएं से: पीएमएफ पुरस्कार विजेता के श्रीवत्सा , टी के पद्मनाभन, टी शशिधर और नेरकुणम एस मणिकंठन।

वादक टी शशिधर के साथ के. श्रीवत्स ने मृदंगम और नेरकुनम एस मणिकंदन ने मोरसिंग बजाकर अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कर्ण विद्या स्कूल के नेत्रहीन विद्यार्थियों को संगीत विशेषज्ञों सहित विशिष्ट दर्शकों के लिए अपने संगीत कौशल का प्रदर्शन करने में समान रूप से खुशी हुई।

हर साल क्लब की PMF समिति देश भर के दिव्यांग शास्त्रीय संगीतकारों, चाहे वह कर्नाटक हो या हिंदुस्तानी, की पहचान करके उनको मुख्यधारा के कलाकारों के साथ प्रदर्शन करने हेतु एक मंच प्रदान करती है। वोडाफोन, इंडिया सीमेंट्स और निप्पन पेंट्स जैसी कंपनियां इस वार्षिक कार्यक्रम के लिए साल दर साल क्लब के साथ साझेदारी कर रही है। इससे यह भी मदद मिली कि बड़ी संख्या में सदस्य संगीत के प्रति झुकाव रखते है और ''हमारे बीच कर्नाटक संगीतकार ओ एस अरुण है जो अपने प्रदर्शन के माध्यम से धन जुटाने में हमारी मदद करते है,'' श्रीधर मुस्कुराते हुए कहते है। ■

कोच्चि में श्रीलंकाई बच्चों का इलाज

टीम रोटरी न्यूज़

सीएचडी सर्जरी के बाद कोच्चि के अस्पताल में श्रीलंकाई बच्चे अपने माता-पिता, डीजी राजमोहन नायर और रोटरी क्लब कोचीन वेस्ट के रोटेरियन के साथ। पीडीजी माधव चंद्रन (दाईं ओर) भी चित्र में शामिल हैं।

रोटरी क्लब कोचीन वेस्ट, रो ई मंडल 3211, रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट, रो ई मंडल 3220, श्रीलंका के सहयोग से, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर, कोच्चि में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 10 श्रीलंकाई बच्चों के लिए सर्जिकल उपचार प्रायोजित किया। पिछले साल अक्टूबर और नवंबर के दौरान डीजी राजमोहन नायर द्वारा अक्टूबर में अस्पताल में परियोजना शुरू करने के बाद बच्चों को दो बैचों में इलाज किया गया था।

ये बच्चे *प्रोजेक्ट नियोना* के तहत सुधारात्मक सर्जरी के लिए पहचाने गए द्वीप राष्ट्र के 60 बच्चों के एक बैच का हिस्सा हैं, जिसका नाम लक्षद्वीप द्वीपों के पास एक नाव दुर्घटना में मरने वाले 18 महीने के बच्चे के नाम पर रखा गया है। उनका परिवार भी इस परियोजना के लिए समर्थन दे रहा है, जो छोटे बच्चों के लिए दूसरा जीवन देगा।

सभी 60 बच्चों का छह महीने के भीतर इलाज किया जाएगा, सहायक राज्यपाल अजीत गोपीनाथ ने कहा। *परियोजना नियोना* इस क्षेत्र में डॉक्टरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए श्रीलंका में बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी और भ्रूण चिकित्सा के क्षमता निर्माण को भी सुनिश्चित करेगा। सीएचडी रोगियों को संभालने के लिए अमृता संस्थान में तीस श्रीलंकाई नर्सों को बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। तीन कार्डियक सर्जनों को कोच्चि अस्पताल में बाल चिकित्सा कार्डियक सर्जरी में दो महीने का पर्यवेक्षण दिया जाएगा। अस्पताल के विशेषज्ञ सीएचडी के भ्रूण का पता लगाने के लिए चुनिंदा स्त्री रोग विशेषज्ञों और रेडियोलॉजिस्ट के लिए श्रीलंका में साल में दो बार कार्यशालाएं प्रदान करेंगे।

गोपीनाथ ने कहा कि परियोजना की कुल लागत ₹1.6 करोड़ है। ■

अलीगढ़ में उद्यमियों का सृजन

किरण ज़ेहरा

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के पास के छोटे शहरों और गांवों के उद्यमियों द्वारा चलाए जाने वाले अनेक छोटे व्यवसाय 'स्टेप अहेड' नामक एक स्टार्ट-अप प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद लॉन्च होने के लिए तैयार है। रोटरी क्लब अलीगढ़ आइकन, रो ई मंडल 3110 द्वारा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में 32 चयनित उम्मीदवारों को उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता, रचनात्मकता, सहयोग और विकास की बारीकियों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उद्यमिता के माध्यम से शहरी नवीकरण को उत्तेजित करने हेतु ह्यूस्टन विश्वविद्यालय द्वारा डिजाइन किए गए और AMU के वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर आसिया चौधरी द्वारा शुरू किए गए 16 सप्ताह के SURE (स्टिम्यलैटिंग अर्बन रिनूअल थ्रू आन्ट्रप्रनर्शिप) कार्यशाला में कुछ प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।

अपने व्यावसायिक विचारों और उत्पादों को प्रस्तुत करने के बाद अंतिम दौर में पहुँचने वाले 10 व्यक्तियों को निर्णायकों के मूल्यांकन के आधार पर चुना गया और उन्हें स्टार्ट-अप मेले में अपने विचारों को प्रदर्शित करने एवं संभावित खरीदारों, बैंकरों और व्यक्तिगत ग्राहकों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान किया गया। रोटरी के नेटवर्क ने उद्योगपतियों, पेशेवरों और प्रभावशाली लोगों को इस आयोजन हेतु आकर्षित करने में मदद की। DG पवन अग्रवाल ने इस परियोजना के परिणाम से प्रभावित होकर कहा कि ''इस तरह के कार्यक्रम उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र की जटिलताओं को दूर करके महत्वाकांक्षी छोटे व्यापारियों की उनके लक्ष्यों तक पहुँचने में मदद करते है।''

मंडल CSR अध्यक्ष लालेश सक्सेना ने कहा कि इस स्टार्ट अप प्रतियोगिता में दो पहलू शामिल थे – उत्पादों के उपयोग का प्रदर्शन, विचारों का आदान-प्रदान और एक समापन सत्र। उन्होंने आगे कहा, ''चूंकि यह एक प्रचार मेला था इसलिए प्रतिभागियों को अपने उत्पादों को बेचने की अनुमति नहीं थी लेकिन अगर वे चाहते तो वे उसके नमूने दे सकते थे।''

''हज़ारों लोग उद्यमी बनने की इच्छा रखते है लेकिन बहुत कम ही लोग इसमें सफल हो पाते है। मैं भाग्यशाली हूँ कि मैं *स्टेप अहेड* का हिस्सा बनी। यह सुनियोजित और सावधानीपूर्वक निर्मित

डीजी पवन अग्रवाल और रोटेरियन राज मेहरोत्रा स्टार्ट-अप प्रदर्शनी में एक स्टॉल का दौरा करते हुए।

कार्यक्रम मेरे जैसे लोगों की उद्यमिता को बेहतर ढंग से समझने में मदद करके मुझे अपने सपने के एक कदम नज़दीक लाया है,'' एक प्रतिभागी नाजरीन हसन कहती है। उन्होंने अपने ट्रेडमार्क और GST का पंजीकरण कराया है। ₹5 लाख के लिए उनका ऋण स्वीकृत हो गया है और उन्हें स्टार्ट-अप मेले में फैब्रिक पैचवर्क के लिए अनेक ऑर्डर मिले है। ''लेकिन जब लोगों ने मुझे कलाकार कहा तो मैं खुशी से झूम उठी। इससे पहले किसी ने भी मुझे इस तरह संबोधित नहीं किया,'' वह मुस्कुराती है।

हालांकि प्रत्येक प्रतिभागी को सौदा नहीं मिला, प्रोफेसर आसिया ने कहा कि उनका ध्यान ''विकल्पों को समझने में उनकी मदद करते हुए उन्हें वित्तीय साक्षरता प्रदान करने, रचनात्मकता को प्रज्वलित करने, सहयोग को बढ़ावा देने और विकास के अवसर प्रदान करने पर था।'' स्टार्ट अप मेले के बाद एक प्रतिभागी से हाल ही में फोन पर हुई उनकी बातचीत को याद करते हुए वह कहती है, ''वह युवती अब अपने पिता के व्यवसाय में उनकी सहायता करने और उनके खातों की देख-रेख करने को लेकर बिल्कुल आश्वस्त महसूस करती है।'' आसिया ने इसे एक बड़ी जीत माना ''क्योंकि प्रतिभागियों को एक व्यवसाय चलाने का ज्ञान प्राप्त हुआ।''

यह कार्यक्रम एक समापन सत्र के साथ खत्म हुआ जिसमें AMU के प्रो-वाइस चांसलर, मोहम्मद गुलरेज सहित सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए जिन्हें अपने सपनों को वास्तविकता में बदलने हेतु मूल्यवान ज्ञान और कौशल प्राप्त हुआ। ■

डोंबिवली क्लब 2-दिवसीय RYLA होस्ट करते हैं

टीम रोटरी न्यूज़

14-30 वर्ष वर्ग के नौजवानों के लिए मुंबई के डोंबिवली प्रदेश में सात रोटरी क्लबों द्वारा रो ई मंडल 3142 में दो दिवसीय संयुक्त RYLA का आयोजन किया गया। इस प्रदेश में क्लबों द्वारा साझा किए गए व्हाट्सएप समूह पर रोटरी क्लब डोंबिवली पूर्व के प्रधान विजय डुम्ब्रे द्वारा सबसे पहले सुझाव दी गई, वे 109 सहभागीयों को नगर से 20 km दूर बदलापुर, ठाणे में एक ख़ूबसूरत रिसॉर्ट में ले गए।

रोटरी क्लब डोंबिवली पूर्व के रोटन आशीष बोबाडा, एक प्रमाणित NLP व्यवसायी और कोच, ने RYLA को CFL - साइबर सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और नायकत्व - मामले के तहत डिजाइन किया। उद्घाटन के मौके पर DG कैलाश जेठानी ने सहभागियों को नौजवानों के लिए रोटरी के कार्यक्रमों और नायकत्व गुणों को आकार देने में RYLA के अहमियत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने डोम्बिवली RYLA के संचालन के लिए हाथ मिलाने के लिए क्लबों की तारीफ़ की। वित्तीय साक्षरता (सेवानिवृत्त जीवन महालकर), साइबर सुरक्षा (सेवानिवृत्त

एक RYLA सत्र प्रगति में।

शिरीष देशपांडे और अमर देशपांडे, एथिकल हैकर), नायकत्व (सेवानिवृत्त संजय कुमार) और रोटेरियन बोबडे द्वारा टीम निर्माण गतिविधियों पर कई सत्रों ने RYLA को नौजवानों के लिए एक मनोरंजक बना दिया।

RYLA किंग, क्वीन और सर्वोत्तम टीम के लिए पुरस्कार दिए गए। रोटरी क्लब डोंबिवली डाउनटाउन के प्रधान एनी बिजॉय ने प्रतिनिधियों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

रोटरी क्लब डोंबिवली मिडटाउन के प्रधान अजय कुलकर्णी ने कहा, ''सारे सहभागीयों को प्रमाण पत्र दिए गए और जिले भर में इस कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की गई।'' ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्ससिटी वैद्यक-संबंधी सेवाओं पर केंद्रित है

एक व्यक्ति, क्लब द्वारा संचेती इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर को दिए गए रोबोटिक ग्लव का इस्तेमाल करते हुए।

जयश्री

मोतियाबिंद और भेंगापन ऑपरेशन, और परिष्कृत चिकित्सा साधन प्रायोजित करना इस वर्ष रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्ससिटी, रो ई मंडल 3131 की प्रमुख सेवा परियोजनाएं रही हैं।

क्लब के सदस्य और आँखों का विशेषज्ञ डॉ राजेश पवार और साने गुरुजी आरोग्य केंद्र, हडपसर, पुणे की एक नेत्र टीम की सहायता से क्लब ने सतारा, महाराष्ट्र के पास रहमतपुर में एक आँखों का जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर के लिए पंजीकृत 500 लोगों में से 60 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया था जो तीन बैचों में किया गया था। रोटरी क्लब पुणे विजडम ने वल्कन टेक्नोलॉजीज को लाया, जिन्होंने अपनी CSR पहल के हिस्से के रूप में ₹6,000 की लागत वाली ऑपरेशन को वित्त पोषित किया।

क्लब के सदस्य संदेश सावंत ने कहा कि ग्यारह बच्चों में स्क्विंट आई डिसऑर्डर का पता चला था और मेजबान क्लब ने मई में संशोधक ऑपरेशन निर्धारित की है, जब बच्चों की गर्मी की छुट्टियां होंगी। पुणे में महेश सहकारी बैंक शहर के ताराचंद अस्पताल में की जाने वाली ऑपरेशन को प्रायोजित करेगा। शिविर में बुजुर्गों को ऐनक वितरित किया गया।

''हमारे क्लब ने विशेष रूप से पुणे के आसपास ग्रामीण जनसंख्या के बीच मोतियाबिंद और स्क्विंट विकारों का पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए हर साल शिविर आयोजित करने के लिए इसे हमारी गौरवपूर्ण परियोजना बनाने का निर्णय

मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद मरीज़।

किया है। हमारे सदस्य ऑपरेशन के लिए कोष जमा करेंगे,'' उन्होंने कहा।

क्लब के सदस्यों ने छात्रों के लिए इसकी आवश्यकताओं को समझने के लिए रहीमतपुर के एक स्कूल पंचक्रोशी शिक्षण मंडल से बातचीत की, जो शिविर स्थल था। यह स्कूल में डिजिटल कक्षा प्रारंभ करने के लिए खेल साधन और स्मार्ट टीवी भी प्रावधान करेगा। सावंत ने कहा, ''जल्द ही हम छात्रों के लिए RYLA का आयोजन करेंगे।''

रोबोटिक दस्ताने

क्लब ने शहर में संचेती इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर को रोबोटिक दस्ताने, और इलेक्ट्रिकल और अल्ट्रासाउंड थेरेपी मशीनों की एक जोड़ी प्रायोजित की। दस्ताने हाथ के पक्षाघात वाले मरीजों और नसों और मांसपेशियों को उत्तेजित करके उंगली और हाथ की ऐंठन से पीड़ित मरीजों का इलाज करने में सहायता करेंगे। अल्ट्रासाउंड और इलेक्ट्रोथेरेपी उपकरण मरीज की रिकवरी के लिए व्यापक दर्द से राहत और मांसपेशियों की उत्तेजना प्रावधान करेंगे। ''ये यंत्र एक दाता द्वारा प्रावधान किए गए थे जो गुमनाम रहना चाहता है,'' उन्होंने कहा।

शोध समर्थन

क्लब ने हाल ही में भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (IISER), पुणे के लिए एक IT कंपनी के द्वारा ₹18 लाख के अनुसंधान साधन और अभिकर्मकों के वित्तपोषण में सहायता की। सावंत ने समझाया कि यंत्र SARS-CoV- 2 जीनोम की प्रतिकृति और प्रतिलेखन में सहायता करेंगी। IISER के शोधकर्ता यह अध्ययन करेंगे कि वायरस कैसे फैलता है, इसके फैलाव को रोकने के तरीके खोजेंगे और इसका निदान करने के लिए परीक्षण विकसित करेंगे। ''इस प्रतिष्ठित योजना का नेतृत्व IISER के वैज्ञानिक डॉ साईकृष्णन कायरत कर रहे हैं, जो शायद दुनिया की दस ऐसी अनुसंधान प्रयोगशालाओं में से एक है।''

साधन में प्रोटीन शोधन के लिए विशेष क्रोमैटोग्राफिक कॉलम, क्रिस्टल/प्रोटीन फ्रीजिंग और शिपिंग साधन और बेहद कम मात्रा माप के लिए पिपेट सेट शामिल हैं। ''हमें आशा है कि परियोजना जून से प्रारंभ होगी क्योंकि ये सभी साधनें इटली से आयात की जा रही हैं। अध्ययनों से हमारे देश को कोविड और इसी तरह की महामारी वायरस के खिलाफ विश्वव्यापी जंग में नेतृत्व करने में सहायता मिलेगी,'' उन्होंने कहा। ■

विद्युत मरम्मत सेवा में नौजवानों को कुशल बनाना

टीम रोटरी न्यूज़

कम विशेषाधिकार, बेरोजगार नौजवानों को एक नियमित आमदनी मुहैया करने के उद्देश्य से, रोटरी क्लब नागपुर, रो ई मंडल 3030 ने ICICI फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाकर 72 दिनों के क्रैश कोर्स द्वारा उन्हें बिजली और घरेलू साधनों की मरम्मत में माहिर बनने के लिए रोटरी सेंटर की प्रारंभ की- ज्ञान पर।

रोटरी सेंटर के लिए 100 से ज्यादा क्लब सदस्यों ने दान दिया, जिसे रियाज़ कार्यक्रम के लिए ICICI कौशल अकादमी, नागपुर से निपुणता प्राप्त है। इसके अलावा, ICICI अकादमी ने व्यावसायिक केंद्र में कार्यक्रम संपूर्ण करने के पश्चात प्रतिष्ठित फर्मों में 100 से ज्यादा लाभार्थियों को निपुण बनाया और रखा। अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम बिजली और घरेलू साधनों और दूसरे घरेलू सामानों की आधारभूत प्रारम्भ, सर्विसिंग और मरम्मत के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों तरह का तजुर्बा मुहैया करता है। जो लोग 10 वीं कक्षा पास कर चुके हैं, वे कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

108 छात्रों के पहले तीन बैच, जिनमें एक लड़की भी शामिल है, जिन्होंने रियाज़ पाठ्यक्रम पूरा किया था, को शीर्ष फर्मों - IFB, ब्लू स्टार, हायर, रिलायंस डिजिटल, सैमसंग और टाटा स्काई द्वारा संचालित सेवा केंद्रों में रखा गया था। रोटरी क्लब नागपुर के प्रधान नीलुफर राणा ने कहा, ''ICICI फाउंडेशन के सहकारिता से इस कौशल पहल को प्रारंभ करने पर हमें नाज़ है, क्योंकि यह आर्थिक रूप से कमजोर कुटुंबों के नौजवानों को एक स्थायी आजीविका का काबिल बनाएगा।''■

आपके गवर्नर्स

शशांक रस्तोगी
शिक्षाविद्, रोटरी क्लब भिलाई ग्रेटर
रो ई मंडल 3261

दिनेश कुमार शर्मा
प्रिंटिंग, रोटरी क्लब बुलंदशहर
रो ई मंडल 3100

लाखों लोगों के फायदे के लिए चिकित्सा शिविर

शशांक रस्तोगी दूसरी पीढ़ी के रोटेरियन है जो 2001 में इस संगठन में शामिल हुए। ''एक इंटरेक्टर, रोटरेक्टर होने के बाद रोटरी में शामिल होने से मुझे एक मजबूत नींव मिली,'' वह कहते है। वह अपने दिवंगत पिता रोटेरियन वाय पी रस्तोगी से प्रभावित थे।

DG के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान 50 हैप्पी स्कूल पूरे हुए, छत्तीसगढ़ के दुर्ग के एक सरकारी अस्पताल में एक ICU सुविधा (वैश्विक अनुदान: 30,000 डॉलर) स्थापित की गई और ₹2.25 करोड़ की लागत से 1,500 विकलांगों को कृत्रिम अंग प्राप्त हुए। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में आयोजित चार दिवसीय राहत चिकित्सा शिविर में एक लाख रोगियों की जांच की गई; और मोतियाबिंद, ऑन्कोलॉजी एवं अन्य की 3,000 सर्जरियाँ की गई। उनकी इस वर्ष चिकित्सा शिविरों के माध्यम से 10 लाख लोगों तक पहुँचने की योजना है।

TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 100,000 डॉलर का है। उनका लक्ष्य 150 नए सदस्यों और पांच नए क्लबों को जोड़ने का है। रस्तोगी के प्रेरणास्रोतों में PRIP शेखर मेहता, PRID कमल सांघवी, PRID भरत पंड्या और RID वेंकटेश और RID कोटबागी शामिल है। उनकी मां एक इनर व्हील सदस्य थी।

श्रीलंका के साथ रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज

दिनेश शर्मा, जो 2008 से एक रोटेरियन है, गरीबों और वंचितों की मदद करने के लिए रोटरी में शामिल हुए। उन्होंने श्रीलंका के छह दिवसीय दौरे पर 60 रोटेरियनों की एक टीम का नेतृत्व किया और रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज के लिए कोलंबो के DG पुबुडु डी ज़ोयसा, रो ई मंडल 3220 के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया।

उन्होंने सेवा परियोजनाओं के लिए DDF के रूप में उपयोग किए जाने हेतु 25,000 डॉलर की एक अक्षय निधि तैयार की। ''पहली बार हमारे पास पांच प्रमुख दानकर्ता है, जो इस मंडल के लिए गर्व का विषय है।'' तीन वैश्विक अनुदान परियोजनाएं प्रक्रियाधीन है। क्लबों ने 175 नए सदस्यों को शामिल किया है एवं 75 और सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य है ताकि सदस्यता संख्या 2600 तक पहुँच जाए। 750 साइकिलें और 350 व्हीलचेयर वितरित की गईं।

मंडल ने पांच एकड़ में रोटरी फॉरेस्ट बनाया है और दो हैप्पी स्कूल (₹8 लाख) पूरे किए है। तीन वैश्विक अनुदान परियोजनाएं (प्रत्येक लगभग ₹40 लाख) प्रक्रियाधीन है।

शर्मा का TRF को देने का लक्ष्य 83,000 डॉलर था लेकिन उन्होंने 91,000 डॉलर एकत्रित किए और जून के अंत तक उनका लक्ष्य 150,000 डॉलर तक पहुंचने का है।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

एस राजमोहन नायर
बीमा, रोटरी क्लब कोचीन सेंट्रल
रो ई मंडल 3201

जरूरतमंद परिवारों के लिए 500 घर

राजमोहन नायर का VIBGYOR मिशन मूल्य वर्धित शिक्षा, समावेश, जिम्मेदार समुदायों, हरित क्रांति, युवाओं का जुड़ाव और बुजुर्गों का समर्थन करने पर केंद्रित है।

रोटरी पारपीडम परियोजना का उद्देश्य बेघर परिवारों के लिए 500 घरों का निर्माण करना है, जिसमें 200 पहले ही सौंप दिए गए है और बाकी 300 जून तक पूरे हो जाएंगे। AKS सदस्य कोचुसेफ चित्तिलापल्ली ने इस पहल के लिए ₹10 करोड़ का योगदान दिया। 150 शिक्षकों को GREAT (गवर्नर्स एक्सलन्स अवार्ड्स फॉर टीचर्स) पुरस्कार दिए जाएंगे और स्कूल जाने वाली लड़कियों को 1,000 साइकिलें दान की जाएंगी।

क्लबों ने सुविधाओं में सुधार लाने हेतु सड़क खंडों (प्रत्येक 1.5-2 किमी) को अपनाया है। थेक्कडी में एक ICU एम्बुलेंस (वैश्विक अनुदान: 80,000 डॉलर) लॉन्च की जाएगी और पलक्कड़ के सरकारी अस्पताल के एक डायलिसिस केंद्र (वैश्विक अनुदान: 32,000 डॉलर) में चार मशीनें होंगी। रोटरी क्लब कोयम्बटूर मिडटाउन ने कृत्रिम अंग परियोजना के लिए 125,000 डॉलर का एक वैश्विक अनुदान आवेदन दायर किया है, जिसका उद्देश्य 25,000 प्रोस्थेटिक्स वितरित करना है। नायर का लक्ष्य TRF को 2 मिलियन डॉलर दान करना है।

नायर 1996 में रोटरी से जुड़े और उन्हें प्रेरित करने का श्रेय PRIP शेखर मेहता, न्यासी भरत पंड्या, PRID कमल सांघवी और RID वेंकटेश और RID महेश कोटबागी को जाता है।

जयागौरी हदीगल
बाल रोग विशेषज्ञ, रोटरी क्लब मणिपाल
रो ई मंडल 3182

"रोटेरियन होना एक अद्भुत अनुभव है"

डॉ जयगौरी हदीगल एक बाल रोग विशेषज्ञ है और मातृ एवं बाल देखभाल परियोजनाओं को लेकर भावुक है। उनके रोटरी क्लब पूरे वर्ष बच्चों में सीखने के विकारों पर जागरूकता शिविर एवं सेमिनार आयोजित कर रहे है और ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए जा रहे है।

वह कर्नाटक के हासन जिले में 400,000 डॉलर की लागत से दो फिजियोथेरेपी इकाइयों और एक मानव दूध बैंक का उद्घाटन करेंगी, जिसे ₹40 लाख के एक वैश्विक अनुदान द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। उनके क्लब ने गरीबी रेखा से नीचे की महिलाओं को 400 सिलाई मशीनें वितरित की और 30 जून तक 150 और वितरित की जाएंगी। उन्हें इस रोटरी वर्ष के अंत तक TRF के लिए 200,000 डॉलर जुटाने की उम्मीद है।

10 प्रतिशत की शुद्ध सदस्यता वृद्धि के लक्ष्य के साथ वे इस वर्ष एक नया क्लब शुरू करेंगे। डॉ हदीगल 2002 से एक रोटेरियन है और उनका मानना है कि लोगों की सेवा करना और उनसे बातचीत करना सीखने की एक महान अवस्था और पुरस्कृत अनुभव है।

न्यासी भरत पांड्या रोटरी में उनके आदर्श है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

'राइड फॉर रोटरी' रोटेरियनों को जोड़ता है

वी मुत्तुकुमारन

16 देशों से 42 विदेशी रोटेरियनों ने चेन्नई के पास स्थित पल्लव युग के एक समुद्र तटीय रिसॉर्ट, महाबलीपुरम से पश्चिमी घाट के नीलगिरी पर्वत पर स्थित ऊटी से होते हुए कर्नाटक के मंगलुरु तक 11 दिवसीय एक मोटर रैली में भाग लिया। उन्हें भारतीय रोटरी क्लबों को बेहतर तरीके से जानने का मौका मिला क्योंकि रास्ते में उन्होंने उनकी मेजबानी की और साथ ही उन्होंने भारतीय पारंपरिक व्यंजनों एवं आतिथ्य का आनंद लेते हुए भारतीय विरासत एवं संस्कृति को अच्छी तरह से जाना।

रोटरी क्लब ऊटकामुंड, रो ई मंडल 3203 के अध्यक्ष कमलेश कटारिया कहते है, *राइड फॉर रोटरी* केवल रो ई मंडल 3181 द्वारा TRF के लिए आयोजित एक प्रतिष्ठित धन संचयन समारोह ही नहीं है ''बल्कि यह एक ऐसी रैली है जो विदेशी रोटेरियनों को उनका स्वागत करने वाले एवं संक्षिप्त ठहराव के दौरान सुखद प्रवास प्रदान करने वाले भारतीय क्लबों के साथ जोड़कर रोटरी फैलोशिप का जश्न मनाती है। ऊटी में आयोजित भव्य फैलोशिप बैठक में, पांच रैलीकर्ताओं ने अपने क्लबों की असंख्य गतिविधियों के बारे में बात की जबकि एक अन्य ने सुंदर स्थानों को देखने से मिलने वाली खुशी को याद किया,'' वह कहते है।

कटारिया ने विदेशी प्रतिनिधियों को अपने 51 साल पुराने एवं नीलगिरी के प्रथम क्लब की सेवा परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी, इसके बाद क्लब के झंडों का आदान-प्रदान, मनोरंजन शो और रात्रिभोज किया गया। ''यह एक उत्कृष्ट समारोह था जिसमें आगंतुकों ने 20 रोटेरियनों - हमारे क्लब और रो ई मंडल 3181 से प्रत्येक से 10 - के साथ फैलोशिप एवं बातचीत का आनंद लिया। जहाँ TRF को बढ़ावा देना मुख्य लक्ष्य था वहीं इस मंच ने विदेशियों को हमारे साथ गहराई से जुड़ने का मौका दिया,'' वह कहते है।

DG जे के एन पलानी, रो ई मंडल 3231 और ऊनह प्रकाश कारंत, रो ई मंडल 3181 द्वारा महाब्स में मोटर चालकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद रोटरी क्लब ईगल टाउन तिरुक्कळुकुंड्रम के सदस्यों ने 15 जनवरी को वाहन चालकों को गर्मजोशी से विदाई दी। ''अगले 10 दिनों तक 25 जनवरी को अपने गंतव्य स्थान मंगलुरु पहुँचने से पहले पुडुचेरी, तंजावुर, मदुरै, तिरुपुर, कोयंबटूर, ऊटी, मैसूरु और मदिकेरी के क्लबों ने उनकी मेजबानी की,'' *राइड फॉर रोटरी* के उपाध्यक्ष और रोटरी क्लब आइवरी सिटी मैसूरु के चार्टर अध्यक्ष आर मुत्तुकुमारन बताते है। तमिलनाडु में अच्छी तरह से चुने गए विरासत स्थलों और कस्बों में भारत के पूर्वी तट से लेकर पश्चिमी तट तक 1,380 किमी की दूरी ने विदेशी रोटेरियनों के सामने भारतीय जीवन शैली, ''हमारी संस्कृति, भोजन और ऐतिहासिक समृद्धि की अच्छी झलक पेश की,'' वह कहते है।

तंजावुर में PDG सी गुणशेखरन ने उनका स्वागत किया और आगंतुकों को एक यूनेस्को विरासत स्थल एवं राजा राजेंद्र चोल द्वारा निर्मित एक भव्य इमारत, बृहदेश्वर मंदिर का निर्देशित दौरा कराया गया। ''मदुरै में लगभग 20 क्लबों ने संयुक्त रूप से एक भव्य स्वागत समारोह का मंचन

(बाएं) डीजी प्रकाश कारंत (रो ई मंडल 3181) की उपस्थिति में, डीजी जे के एन पलानी ने (दाएं) फ्रांस के प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

मडिकेरी में 'राइड फॉर रोटरी' के प्रतिभागी।

किया जहाँ लोक संगीत और नृत्य सहित पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया गया। ये विदेशी मेहमान इन कला प्रदर्शनों से बहुत प्रभावित हुए,'' मुत्तुकुमारन कहते है।

मिट्टी बचाओ, पानी बचाओ

हर साल इस रैली की थीम बदलती है और इस सातवें संस्करण के लिए रो ई मंडल 3181 ने प्रकृति की रक्षा और उसके संरक्षण के अपने प्रयासों के अंतर्गत एक टैगलाइन *मिट्टी बचाओ, पानी बचाओ* रखी। ''राज्य और उनकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर इस अभियान के लिए हमारी ब्रांडिंग भी भिन्न थी। परियोजना के विवरण पर काम करने और विदेशियों के लिए व्यवस्था करने हेतु इस परियोजना के लिए 16 सदस्यीय एक पैनल का गठन किया गया,'' वह कहते है। इस संस्करण के लिए इस पैनल का नेतृत्व रोटरी क्लब पुत्तूर के अध्यक्ष कृष्णनारायण मुलिया ने किया था।

यूएस, यूके, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, स्पेन, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, बेल्जियम, पोलैंड, डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, नॉर्वे और रोमानिया के सभी 42 प्रतिभागियों को इस रैली शुल्क के रूप में ₹2.5 लाख का भुगतान करना पड़ा, जिसका एक हिस्सा यात्रा एवं रहने के खर्च पर उपयोग किया जाएगा; शेष राशि TRF को दान की जाएगी। ''यह एक तरह के छोटे रो ई सम्मेलन जैसा है क्योंकि विदेशी मेहमानों ने समुदायों के लिए भारतीयों क्लबों द्वारा किए जाने वाले विविध कार्यों के बारे में जानकर उनकी बहुत प्रशंसा की। हम हर साल रैली के खर्चों का हिसाब रखने के बाद बची हुई आय से एक बड़ी राशि TRF को दान करते है,'' मुलिया कहते है।

रोटरी क्लब हेमडल, रो ई मंडल 2275, नॉर्वे से तीसरी बार के एक प्रतिभागी, टोर्बजोर्न विक कहते है, ''मैंने वास्तव में रास्ते भर के रोटरी क्लबों द्वारा दिए गए आतिथ्य का आनंद लिया और उनकी प्रभावशाली सेवा गतिविधियों से प्रेरित हुआ।'' रोटरी क्लब वेटिंगन, रो ई मंडल 1980, स्विट्ज़रलैंड के रोटेरियन राज पटोली अपने स्वर में गर्व के साथ कहते है, ''मैं अपने क्लब से तीन सदस्यों को इस अनूठी रैली में लाया हूँ, जिसमें मैं तीसरी बार भाग ले रहा हूँ। एक शून्य-त्रुटि मोटर रैली सुनिश्चित करने के लिए आयोजकों द्वारा अच्छा गृहकार्य किया गया।'' मंगलुरु में DG कारंत की अध्यक्षता में आयोजित इस समापन समारोह में इन विदेशी मेहमानों को सम्मानित किया गया।■

फेलोशिप मीट में रोटरी क्लब शेंक्टाडी, यूएस से रोटेरियन सोंड्रा एम रस (केंद्र में) पारंपरिक दीपक जलाते हुए। (बाएं से) चित्र में रोटरी क्लब ऊटाकामुंड अंतरराष्ट्रीय सेवा अध्यक्ष पामेला क्लार्क, सदस्य थेल्मा नेताजी और शांति; रोटरी क्लब सिंट निकलास, बेल्जियम से रोटेरियन डर्ट कॉलर्ट और मेजबान क्लब के अध्यक्ष कमलेश कटारिया भी शामिल हैं।

TRF की मदद से अच्छे कार्य

जयपुर में किडनी केयर सेंटर

टीम रोटरी न्यूज़

बाएं से: जयपुर के रीनल साइंसेज सेंटर मेंक्लब अध्यक्ष सुनील दत्त गोयल, देवेश बंसल, पीडीजी एस वी एस राव (RID 3020), पीडीजी रमेश अग्रवाल और पूर्व अध्यक्ष मनोज बंसल।

रोटरी क्लब जयपुर राउंड टाउन, रो ई मंडल 3054, और रोटरी क्लब राजधानी, रो ई मंडल 3292, नेपाल ने 288,000 डॉलर (₹21.6 मिलियन) के जीजी के माध्यम से जयपुर के राजस्थान अस्पताल में रीनल साइंसेज सेंटर प्रारंभ करने के लिए सहयोग किया। केंद्र कम लागत वाली डायलिसिस और जुड़े हुए सेवाएं प्रावधान करेगा जैसे रेटिनोपैथी और न्यूरोपैथी के लिए कम विशेषाधिकृत मरीज़ों के लिए इलाज। योजना समन्वयक PDG रमेश अग्रवाल ने कहा कि इस योजना से अब तक 5,500 से ज्यादा मरीज लाभान्वित हो चुके हैं।

नई सुविधा निजी अस्पतालों से बहुत कम लागत पर सरल डायलिसिस से लेकर गुर्दा प्रत्यारोपण प्रक्रिया, मोतियाबिंद और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और दूसरे जुड़े हुए इलाजों तक देखभाल का एक सम्पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रावधान करेगी। इसने 100 से ज्यादा पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण देकर रोजगार के मौके प्रावधान करने में भी सहायता की है।■

क्या आपने

रोटरी न्यूज़ प्लस

पढ़ा है?

या यह आपके जंक

फोल्डर में जा रही है?

हम हर महीने आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन **ROTARY NEWS PLUS** निकालते हैं। यह प्रत्येक सदस्य को महीने के मध्य तक ई-मेल द्वारा भेजा जाता है।

रोटरी न्यूज़ प्लस हमारी वेबसाइट www.rotarynewsonline.org पर पढ़ें।

चंडीगढ़ में एक विशेष RYLA

किरण ज़ेहरा

रोटेरियन के साथ RYLA प्रतिभागी।

विशेष बच्चे बाकी अन्य बच्चों से सामाजिक, मानसिक और शारीरिक रूप से भिन्न होते है। उनपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है और पूर्व तैयारी के बिना उनसे ध्यान, कला, नृत्य कार्यशालाओं और खेल सत्रों में बैठने की उम्मीद नहीं की जा सकती। वे उत्साही होते है लेकिन हमें उन्हें व्यस्त रखने हेतु किसी भी जानकारी के छोटे-छोटे भाग करके उनके सामने पेश करना पड़ता है,'' चंडीगढ़ के SOREM (सोसाइटी फॉर रिहैबिलिटेशन ऑफ मेंटली चैलेंज्ड) की अध्यापिका संगीता जैन कहती है। इसलिए, जब रोटरी क्लब चंडीगढ़ मिडटाउन, रोई मंडल 3080 ने अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस को मनाने के लिए *विशेष* नामक एक विशेष RYLA की मेजबानी की तो ''SOREM ने सुनिश्चित किया कि बच्चों को एक मस्ती भरे दिन के लिए तैयार करने हेतु हमारे पास प्रशिक्षित संकाय मौजूद हो।''

इस साल SOREM में आयोजित इस कार्यक्रम के लिए 15 से 35 वर्ष की आयु के मध्य के लगभग 100 मविशेष प्रतिनिधियोंफने पंजीकरण कराया। क्लब के अध्यक्ष संजय कालरा कहते है, ''यहाँ का माहौल उत्साह और मस्ती से भर गया क्योंकि दृश्य, श्रव्य और बोलने में अक्षम बच्चों के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक चुनौतियों वाले बच्चे भी एक-दूसरे के साथ उत्साह से जुड़े। हम चिंतित थे कि हम बच्चों को इन गतिविधियों में व्यस्त रख पाएंगे या नहीं लेकिन उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास से हमें आश्चर्यचकित कर दिया,'' वह आगे कहते है।

कालरा कहते है कि यह कार्यक्रम विशेष जरूरतों वाले बच्चों एवं वयस्कों के समग्र विकास पर केंद्रित है और मजेदार गतिविधियों के माध्यम से उनमें व्यक्तिगत और नेतृत्व गुणों को विकसित करता है। अगर उचित लोगों का समर्थन मिले तो ''ये बच्चे चमत्कार कर सकते है।'' सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए जबकि बाकी सभी बच्चों को RYLA प्रमाण पत्र दिए गए।

कालरा कहते है, RYLA विशेष के माध्यम से ''हमारे क्लब को इन विशेष बच्चों के लिए हमारी चिंता प्रदर्शित करने का अनूठा अवसर प्राप्त हुआ। इस आयोजन ने विकलांग लोगों की क्षमताओं को उजागर करने और सहानुभूति, समावेशिता और करुणा की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करने में मदद की।''

सभी प्रतिभागियों द्वारा अच्छी तरह से आनंद लिया जाने वाला सत्र नृत्य कार्यशाला का था। क्लब के अध्यक्ष मुस्कुराते हुए कहते है, इन बच्चों को बिना किसी रोक-टोक के खुशी से नाचते हुए देखना दिल छू लेने वाला था। *ज़ी न्यूज़* के चैनल हेड और संपादक दीपक धीमान ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। *रेडियो पंजाब* आधिकारिक रेडियो साझेदार था।

क्लब ने विकलांगों को कृत्रिम अंग प्रदान करने वाले प्रोजेक्ट सहयोग की सफलता के उपलक्ष्य में एक *रोटरी वॉक विद अ डिफरेंस* का भी आयोजन किया।■

एक सुरक्षित पेयजल समाधान

प्रीति मेहता

माजी रिएक्टर प्रौद्योगिकी CSR पहलों द्वारा सहायता प्राप्त ग्रामीण आबादी के लिए जलजनित बीमारियों के उन्मूलन का वादा रखती है।

मरीन इंजीनियर अंजन मुखर्जी 'नेचर' पत्रिका में अपने शिकार पर हमला करने के लिए ऊर्जा का इस्तेमाल करने के लिए स्नैपिंग झींगा (Alpheidae) द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक पर एक लेख पढ़ रहे थे, जब उन्हें लगा कि जल को साफ करने और रोगाणुओं से राहत पाने के लिए उसी विधि को नियोजित किया जा सकता है। उस वक्त उन्हें कम ही पता था कि उनके प्रेरित विचार एक ऐसी तकनीक विकसित करेंगे, जो दुनिया को जलजनित बीमारियों से राहत दिलाने लायक होगी।

2001 में जब मुखर्जी मर्चेंट नेवी में थे, और खाली जहाज को जब तक कि वह ताजा माल से लदा न हो जाए, तब तक स्थिर करने के लिए, जहाजों के गिट्टी टैंकों में ले जाए जाने वाले जल को साफ करने का तरीका निकालने की कोशिश कर रहे थे। लोड करने से पहले, गिट्टी के टैंकों को खाली कर दिया गया था, और अनुपचारित जल को सागर में छोड़ दिया गया था जो पारिस्थितिकी तंत्र के कुछ भाग के लिए नुक़सान पहुंचनेवाला हो सकता है। ''मैं एक प्रधान वैज्ञानिक के कार्यालय

में इंतज़ार कर रहा था, मैं निर्वहन जल मुद्दे के बारे में देखने गया था। अचानक मेरे मन में यह बात आई कि तड़क-भड़क वाली झींगा की बायोमिमिक्री आगे का रास्ता हो सकती है। वैज्ञानिक ने समाधान निकालने के लिए मुझे सही लोगों के सामने रखा,'' मुखर्जी याद करते हैं।

2016 में जब दुनिया भर में यात्रा करने वाले मुखर्जी, अकस्मात भारत के एक डायरिया-पीड़ित गाँव में गए, तो उनका ध्यान अचानक इस तथ्य की ओर गया कि हर साल भारत में असुरक्षित जल के सेवन के वजह से स्वच्छता से संबंधित डायरिया से होने वाली बीमारियों से हजारों बच्चे मर जाते हैं। इसके अलावा, दूषित जल न सिर्फ दस्त, बल्कि हैजा और टाइफाइड भी फैलाता है। आगे के शोध से पता चला कि देश के 650,000 गांवों में 85 प्रतिशत जल, पाइप और हैंडपंप के माध्यम से बोरवेल का इस्तेमाल करके निकाला जाता है। ये भूजल या जलभृत में टैप करते हैं, जो बीमारी पैदा करने वाले रोगाणुओं और प्रदूषकों से व्यापक रूप से दूषित होते हैं। बड़ी जनसंख्या की सेवा करने वाले हैंडपंप अधिकतर पीने के लिए अनुपयुक्त जल देते हैं। साथ ही, भारत में 11 मिलियन हैंडपंपों में से सिर्फ 8 मिलियन ही चालू हालत में हैं।

सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले हैंडपंप, भारत के मार्क खख मॉडल को लेते हुए, मुखर्जी ने 2017 में उसी स्नैपिंग झींगा वैज्ञानिक सिद्धांत पर एक यंत्र विकसित किया। यंत्र को 30 मिनट से भी कम वक्त में पंप पर फिट किया जा सकता है, यहां तक कि एक शक्स जिसके पास कोई तकनीकी ज्ञान नहीं है वह भी यह कर सकता है। उन्होंने अपने आविष्कार, माजी' रिएक्टर का पेटेंट कराया, जो 'मा'-माता, पोषणकर्ता की अवधारणा को उद्घाटित करता है। इस में दिलचस्प बात यह है कि अफ्रीका में, जहां जल्द ही रिएक्टर प्रवेश कर सकता है, माजी का रींह स्वाहिली और अफ्रीकी भाषा में जल है।

2021 में, माजी रिएक्टर को ड्यूचेस संग्रहालय, नूर्नबर्ग, जर्मनी में भविष्य गैलरी की नई तकनीकों में एक स्थायी प्रदर्श के रूप में चुना गया था। संग्रहालय, ऐसे नवाचारों की खोज कर रहा था जिनमें बड़ी योग्यता थी, उसे एक उपयुक्त प्रदर्श के रूप में मिला।

तो, यह आविष्कार कैसे काम करता है? मुखर्जी बताते हैं, स्नैपिंग झींगा के मामले में, यह अपने पंजे को तोड़कर 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार से जल के जेट से शिकार पर हमला करता है। इसके मद्देनजर कम दबाव का 'बुलबुला' बनता है। जब बुलबुला गिरता है, तो यह रॉकेट लॉन्च या जेट इंजन की तरह जोर से धमाका करता है। एक सेकंड के एक छोटे से अंश के लिए, बुलबुले में तापमान 4,426 डिग्री सेल्सियस (8,0000 डिग्री फ़ारेनहाइट) से ज्यादा बढ़ जाता है, अनिवार्य रूप से अपने शिकार को नष्ट कर देता है। पॉपिंग एक सेकंड के एक अरबवें हिस्से के लिए रोशनी की दीप्ति भी पैदा करता है।

स्नैपिंग झींगा के समान, माजी 'रिएक्टर साधन द्रव' की गतिज ऊर्जा को लाखों लक्षित माइक्रो बुलबुले में बदलाव करता है, प्रत्येक एक स्थानीय रिएक्टर के रूप में काम करता है। ये बुलबुले अपने पतन के वक्त बड़ी मात्रा में तीव्र ऊर्जा छोड़ते हैं। परिणामी शॉक वेव्स शारीरिक रूप से रोगाणुओं को मारती हैं और उन लोगों को जल पहुंचाती हैं जो पहले से 99 प्रतिशत से ज्यादा सुरक्षित हैं। आकस्मिक रूप में, साधन जल निकालने के वक्त हैंडपंप पर मानव हाथ के स्ट्रोक पर प्रतिक्रिया करके काम करता है।

शीघ्र ही मुखर्जी ने अपने आविष्कार के साथ बाजार में प्रवेश करने के लिए अपनी कंपनी *Taraltec Solutions* लॉन्च की। हालांकि, साधन के निर्माण के लिए, मरीन इंजीनियर छोटे पुर्जों के लिए तीसरे पक्ष के निर्माण मार्ग को सबसे अच्छा पाता है, जिसमें वह सभी पुर्जों को एक साथ रखता है। ''यह अत्याधुनिक काम है और मैं उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ काबिलियत के पास जाता हूं,'' वे कहते हैं।

माजी रिएक्टर ने मुखर्जी को भारी कर्षण दिया है। उन्होंने 2017 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, लॉकहीड मार्टिन और टाटा ट्रस्ट द्वारा आयोजित इंडियन इनोवेशन ग्रोथ प्रोग्राम अवार्ड 2.0 के साथ कई पुरस्कार जीते हैं; 2019 में ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय की ओर से सर्वश्रेष्ठ नवाचार पुरस्कार; 2020 में वे

ताराल्टेक के संस्थापक अंजन मुखर्जी ने 2017 में तेल अवीव, इज़राइल में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और इज़राइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को माजी रिएक्टर के बारे में बताया।

स्थिरता, महाराष्ट्र स्टार्ट-अप सप्ताह के विजेता थे; और उसी वर्ष उन्होंने राष्ट्रीय स्टार्ट-अप पुरस्कार (जल और जल नेटवर्क) जीता।

2021 में, माजी रिएक्टर को ड्यूचेस संग्रहालय, नूर्नबर्ग, जर्मनी में भविष्य गैलरी की नई तकनीकों में एक स्थायी प्रदर्श के रूप में चुना गया था। मुखर्जी नहीं जानते हैं कि यह कैसे हुआ। संग्रहालय, साफ रूप से ऐसे नवाचारों की खोज कर रहा था जिनमें बड़ी योग्यता थी, उसे एक उपयुक्त प्रदर्श के रूप में मिला।

इन सभी मान्यताओं को प्राप्त करने के बाद भी, मुखर्जी एक अग्रणी शख्स हैं, जो दावा करते हैं कि कोई भी कारोबारी भारी मुनाफा नहीं कमाता है। वह चाहते हैं कि उनके आविष्कार से मानव जाति को ज्यादा से ज्यादा फ़ायदा हो। सामाजिक प्रभाव सेवा प्रदान करने वाली एक शुद्ध विज्ञान बूटस्ट्रैप्ड कंपनी के संस्थापक के रूप में, वह सदैव उन कंपनियों की खोज में रहते हैं जो ग्रामीण जनसंख्या को ज्यादा माजी रिएक्टर प्रदान करने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) मार्ग का इस्तेमाल करेंगी। रिलायंस, गोदरेज, जुबिलेंट, ल्यूपिन जैसी कंपनियां और टाटा ट्रस्ट्स, वाटर ऐड और नालंदा फाउंडेशन जैसे संस्थाओं ने अपनी CSR गतिविधि के हिस्से के रूप में माजी रिएक्टर प्रदान करने के लिए पहले से ही ताराल्टेक को चुना है। यह मौजूदा वक्त में महाराष्ट्र, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की क्षेत्रों में सुरक्षित जल का वितरण कर रहा है।

मुखर्जी कहते हैं, ''हमने CSR फंडिंग के माध्यम से लगभग दस लाख लोगों को प्रभावित किया है'' वे ऐसे और संगठनों की खोज में हैं जो साधन की योग्यता को पहचानें और इसे हर उस गांव में स्थापित करने के कार्य को आगे बढ़ाएं, जहां जल पीने लायक और सुरक्षित नहीं है।

पंचायती राज मंत्रालय ने भी सभी राज्यों को लिखा है कि इस उद्देश्य के लिए केंद्रीय वित्त आयोग के उपहार का इस्तेमाल किया जा सकता है। परीक्षण के वक्त में अच्छा नतीजा प्रदान करने वाले यंत्र के साथ, मरीन इंजीनियर को आशा है कि उनके यंत्र का इस्तेमाल देश और दुनिया भर में जलजनित बीमारियों के उन्मूलन के लिए किया जाएगा।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

डिंडीगुल अस्पताल के लिए डायलिसिस मशीनें

डायलिसिस मशीनों के उद्घाटन के अवसर पर क्लब के सदस्यों के साथ **DGE** *अनंता जोथी।*

रोटरी क्लब डिंडीगुल, रो ई मंडल 3000 ने रोटरी क्लब सैतामा शिंतोशिन, रो ई मंडल 2770 (जापान) और TRF के सहयोग से डिंडीगुल के पास ओडनचत्रम में क्रिश्चियन फैलोशिप अस्पताल में 10 डायलिसिस मशीनों को प्रायोजित किया। DGE अनंत जोती ने इस परियोजना का उद्घाटन किया।.■

एक नया रोटरी हॉल

नवनिर्मित रोटरी हॉल के सामने क्लब के सदस्यों के साथ डीजी वेंकटेश एच देशपांडे और पीडीजी गौरीश धोंड।

रोटरी क्लब बैलहोंगल, रो ई मंडल 3170 ने अपने रोटरी हॉल का उद्घाटन किया। संरचना 2,500 वर्ग फुट में फैली हुई है और इसे ₹90 लाख की कुल लागत से पूरा किया गया है। नई सुविधा से विभिन्न समुदाय-उन्मुख गतिविधियों और कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल की जाएगी।.■

सूरत में सार्वजनिक छवि में वृद्धि

प्रतिमा का अनावरण करने के बाद क्लब के सदस्यों के साथ **DG** *श्रीकांत इंदानी।*

शहर में रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ावा देने के लिए, रोटरी क्लब सूरत ईस्ट, रो ई मंडल 3060 ने रोटरी क्लब एमोरी ड्रूड हिल्स, रो ई मंडल 6900, अटलांटा, यूएसए के सहयोग से सूरत के एक महत्वपूर्ण भीड़ वाले चौराहे पर ₹8.57 लाख की कुल लागत से सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थापित की। इस प्रतिमा का अनावरण DG श्रीकांत इंदानी ने किया।■

पानी के संरक्षण के लिए एक अनुस्मारक

विश्व वन्यजीव दिवस मनाने के लिए, रोटरी वाटर मिशन (पानी बचाने के लिए रो ई मंडल 3232 की एक पहल) और प्रकृति इको केयर सॉल्यूशंस ने स्पेंसर प्लाजा, चेन्नई में पूरी तरह से रद्दी धातु से बनी *कल्पवृक्ष* नामक एक 10 फुट लंबी मूर्ति का अनावरण किया। यह मूर्ति भविष्य में सूखे और अकाल से बचने के लिए पानी का ध्यानपूर्वक और सम्मान के साथ उपयोग करने का स्मरण कराती है।■

कल्पवृक्ष, मूर्ति।

नौशाद

बॉलीवुड संगीत के कोहिनूर

एस आर मधु

1946 की फिल्म *शाहजहाँ* में मौसिकी के बेताज बादशाह नौशाद और महान गायक के एल सहगल पहली बार परदे पर एक साथ उतरे थे । सहगल को आमतौर पर गाना रिकॉर्ड करने से पहले अपने पसंदीदा ड्रिंक ब्लैक लेबल की जरूरत होती थी। नौशाद ने उन्हें *जब दिल ही टूट गया* गाने को दो बार रिकॉर्ड करने के लिए राजी कर लिया, शराब पीने से पहले और बाद।

इसके बाद नौशाद ने सहगल से पहले और बाद के दोनों संस्करणों को सुन कर किसी एक को चुनने के लिए कहा। अवाक् रह गए सहगल ने शराब से पहले गाये संस्करण को चुना और नौशाद से कहा: ''काश मैंने आपके साथ पहले काम किया होता।''

अकेले सहगल ही ऐसे गायक नहीं थे जिनके करियर को नौशाद ने तराशा बल्कि वो लता और रफ़ी, मुकेश, तलत, सुरैया, शमशाद बेगम, ज़ोहरा बाई, उमा देवी को भी सलाह दिया करते थे। कहते हैं कि उन्होंने सिर्फ महान गीतों की ही रचना नहीं की बल्कि महान गायक भी निर्मित किये।

बॉलीवुड संगीत के ''संगीत सम्राट'' और कोहिनूर के रूप में मशहूर, उन्होंने हालांकि सिर्फ

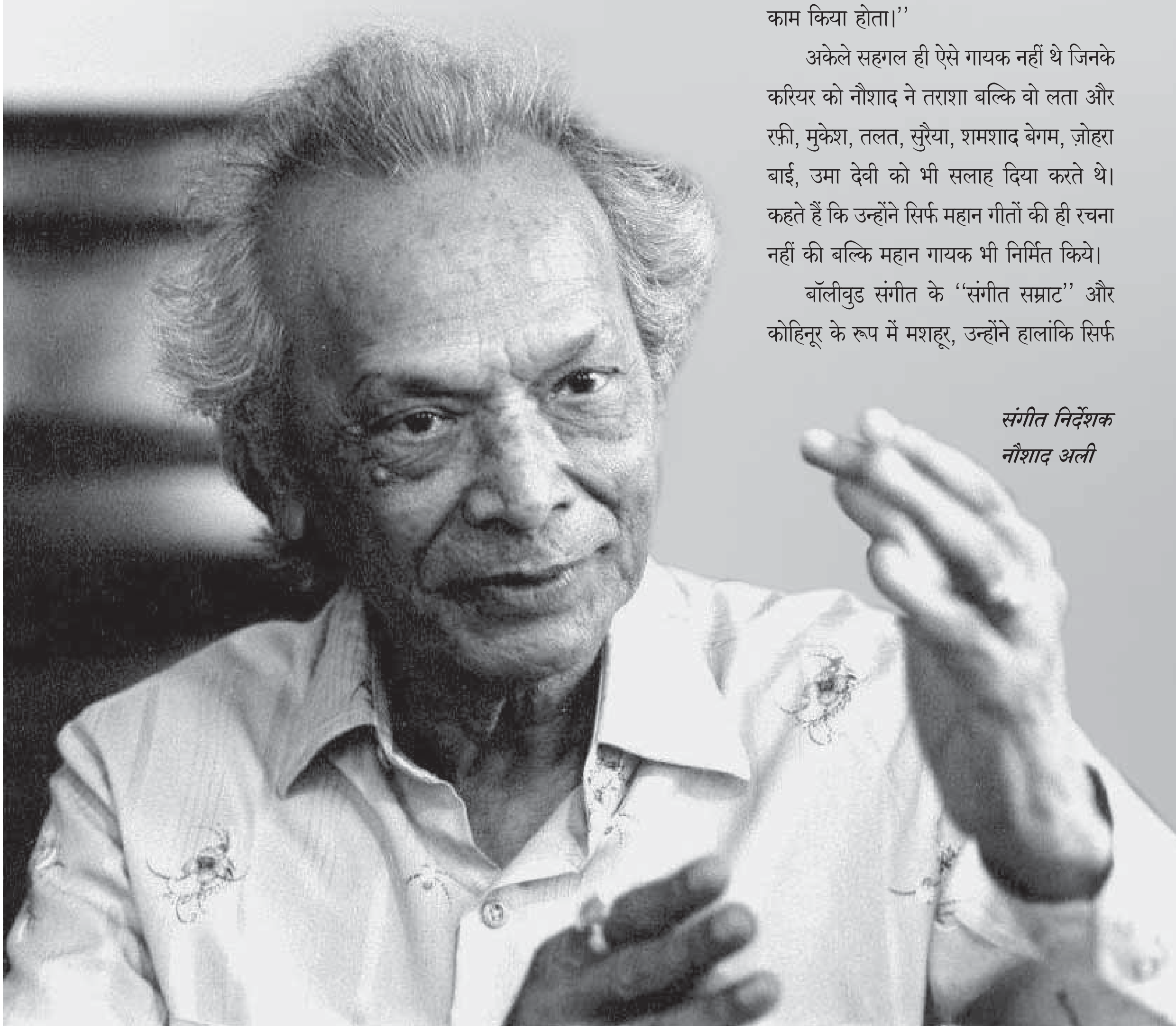

संगीत निर्देशक नौशाद अली

65 फिल्मों में संगीत दिया है, कई गीतों की यादगार धुनों के रचयिता, वे विलक्षण संगीत प्रतिभा के धनी थे। उनका संगीत कार्य भारतीय संगीत का एक मिश्रित संकलन है – शास्त्रीय और लोक, ग़ज़ल, भजन और कव्वाली। एस डी बर्मन ने कहा था, ''नौशाद से संगीतकारों ने लोकप्रियता के साथ संगीत में गुणवत्ता को मिश्रित करना सीखा है, विशेष रूप से हिंदी फिल्मों में शास्त्रीय संगीत का उपयोग करके। उनकी गिनती हिंदी फिल्म उद्योग के महानतम और अग्रणी संगीत निर्देशकों में होती है।''

लेकिन खुद नौशाद अपने संगीत कौशल के सन्दर्भ में सदैव विनम्र रहे। ''एकमात्र संगीतकार तो सिर्फ अल्लाह है। उसने मुझे आसमान की ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया,'' उन्होंने कहा था।

बॉलीवुड संगीत के ''संगीत सम्राट'' और कोहिनूर के रूप में मशहूर, उन्होंने हालांकि सिर्फ 65 फिल्मों में संगीत दिया है, कई गीतों की यादगार धुनों के रचयिता, वे विलक्षण संगीत प्रतिभा के धनी थे।

लता मंगेशकर के साथ नौशाद।

भारतीय सिनेमा के संगीत की तीन कालजयी पराकाष्ठा – *बैजू बावरा* (1952), *मदर इंडिया* (1957) *मुग़ल-ए-आज़म* (1960) और इसके अलावा भी कई उत्कृष्ट कृतियाँ हैं। ऐसी ही फिल्मों ने संगीतकार को स्टारडम के शीर्ष पर पहुंचाया होगा। सम्मिलित रूप से, ये बेजोड़ खजाना है। उनकी 65 में से 35 फिल्मों ने रजत जयंती, 12 ने स्वर्ण जयंती और तीन ने हीरक जयंती मनाई हैं।

उन्होंने ऑर्केस्ट्रा, इंस्ट्रूमेंटेशन और ध्वनि के साथ नए प्रयोग किये जो परिवर्तनशील साबित हुए। पार्श्व गायन में आवाज और संगीत के ट्रैक को अलग अलग रिकॉर्ड करने वाले वह पहले शख्स थे; बांसुरी और शहनाई, सितार और मैंडोलिन का संयोजन करने वाले भी पहले संगीतकार। उन्होंने हिंदी फिल्म संगीत के लिए अकॉर्डियन भी पेश किया और खंजूरी के साथ तबला, ढोलक और घाटम जैसे ताल वाद्य यंत्रों को मिलाकर विशेष धुन का आविष्कार किया। फिल्म आन में उन्होंने 100 वाद्य यंत्रों का एक ऑर्केस्ट्रा और एक गाने में 100 गायकों का कोरस प्रस्तुत किया (*मुगल-ए-आज़म* में ऐ मोहब्बत जिंदाबाद के लिए)। उन्होंने पार्श्व संगीत का उपयोग करते हुए मूड और माहौल बनाने के लिए कई उत्कृष्ट प्रयोग किये।

निश्चय ही नौशाद का सबसे उल्लेखनीय योगदान था, शास्त्रीय संगीत को उनकी पसंदीदा धुनों में पिरो कर जन-जन तक पहुंचाना। यहां तक कि वो शास्त्रीय संगीत इतना ही नहीं वो शास्त्रीय संगीत की महान हस्तियों को भी सिनेमा में खींच लाये। *बैजू बावरा* में उस्ताद अमीर खान और पंडित डीवी पुलस्करसंग और *मुगल-ए-आज़म* में उस्ताद बड़े गुलाम अली खान।

बाएं से: मजरूह सुल्तानपुरी, उर्दू शायर कतील शिफाई, राजिंदर कृष्ण और नौशाद।

उनके बेहतरीन नग्मे

लोग कहते थे नौशाद के पास जादुई स्पर्श (मिडास टच) था। उन्होंने सब कुछ संगीत के स्वर्ण में परिवर्तित कर दिया! उदाहरण:

- *आवाज़* दे कहाँ है अनमोल घड़ी, 1946: नूरजहाँ की आवाज़ में एक दर्द भरा प्रभावशाली गीत।

लक्ष्मीकांत, प्यारेलाल और मनोज कुमार के साथ।

- *तू कहे अगर जीवन भर - अंदाज़,* 1949। पियानो पर मुकेश की आवाज़ में दिलीप कुमार ने हीरोइन नरगिस को मोहित कर दिया। उस्ताद के ओके करने से पहले मुकेश गाने की रिहर्सल के लिए नौशाद के घर 23 बार गए थे। नौशाद के संगीत में पहले मुकेश, फिर तलत, दिलीप की आवाज़ में खूब चमके, अंत में रफ़ी।
- *दुनिया बदल गयी* और *मेरा जीवन साथी बिछड गया - बाबुल,* 1950। यादगार रचना। तलत और शमशाद का उत्कर्ष। दिलीप और मुनव्वर सुल्ताना पर फिल्माया गया है।
- *दिल में छुपा के प्यार का तूफ़ान ले चले - आन,* 1951। नौशाद ने रफ़ी को कई प्रकार से आई लव यू गवाया। यहां रफी की आवाज में मुस्कुराकर, चिढ़ाते हुए दिलीप गुस्से से भरी नादिरा को रिझाते हैं।
- *बैजू बावरा* के गीत, 1952: इस फिल्म में रफी के गाये तीन गीत - *मन तड़पत हरी दर्शन को आज* ; *इन्सान बनो और ओ दुनिया के रखवाले* - रफी की ऊंचाइ और नौशाद की प्रतिभा के प्रमाण थे। दोनों जादूगरों ने शास्त्रीय रागों पर आधारित इन गीतों के साथ स्टारडम के क्षितिज पर उड़ान भरी और हिंदी संगीत के परिदृश्य को बदल दिया। लता के *मोहे भूल गए सावरियां* में सुंदरता, माधुर्य और उदासी का अद्भुत संयोजन। रफी के गाये *तू गंगा की मौज* ने नौशाद को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ संगीत के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिलाया था ।
- जब *बैजू बावरा* ने रॉयल सिनेमा में सिल्वर जुबली मनाई, तो नौशाद ने कहा, ''मैं यहीं सामने फुटपाथ पर सोया करता था। सड़क पार करने में मुझे 16 साल लग गए।''
- और फिर 1957 में आई *मदर इंडिया।* इस महान फिल्म में लता, शमशाद, रफी और मन्ना डे द्वारा 12 गीत प्रस्तुत किए गए। *दुनिया में हम आए हैं तो जीना ही पड़ेगा* और *नगरी नगरी द्वारे द्वारे* लता के गाये, दिल को छू लेने वाले दो गीत भाग्य और अन्याय के विरुद्ध लड़ती नरगिस के आक्रोश को परिलक्षित करते हैं। कुछ प्रभावशाली युगल गीत और समूह गीत भी इस फिल्म की भव्यता में चार चाँद लगाते हैं।
- *प्यार किया तो डरना क्या - मुगल-ए-आज़म,* 1960। अपने प्यार को महिमा मंडित करते हुए और अपने दुश्मनों का तिरस्कार करती मधुबाला के नृत्य ने परदे पर आग लगा दी थी। अतुलनीय संगीत के साथ लता की सुरीली आवाज़ में मधुबाला पर फिल्माया गया ये गीत फिल्म की तरह ही अमर हो गया है।

फिल्म *आन* में उन्होंने 100 वाद्य यंत्रों का एक ऑर्केस्ट्रा और 100 गायकों का कोरस प्रस्तुत किया *मुगल–ए–आज़म* में *ऐ मोहब्बत जिंदाबाद* के लिए।

- *मोहब्बत की झूठी - मुगल-ए-आज़म,* 1960। भारतीय सिनेमा की खूबसरत अदाकारा जंजीरों में कैद है। नैराश्य से भरे इस गीत में संगीत सम्राट और स्वर माधुर्य की रानी लता ने जादू बिखेरा है।
- *मेरे महबूब - मेरे महबूब,* 1963। रफी की मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज में राजेंद्र कुमार दिलकश साधना से प्रेम याचना करते हैं। नौशाद की इस रचना ने तीनों को अमर कर दिया!

जब *बैजू बावरा* ने रॉयल सिनेमा में सिल्वर जुबली मनाई, तो नौशाद ने कहा, ''मैं यहीं सामने फुटपाथ पर सोया करता था। सड़क पार करने में मुझे 16 साल लग गए।''

24 दिसंबर, 2019 को लखनऊ के एक रूढ़िवादी परिवार में नौशाद का जन्म हुआ था। संगीत में बचपन से ही रुचि थी, फिल्म और संगीत से प्रभावित होकर, वह स्कूल छोड़कर लखनऊ में अक्सर रॉयल सिनेमा चले जाते थे। वो मूक फिल्मों के साथ बजने वाले लाइव ऑर्केस्ट्रा को बड़े चाव से सुना करते थे - नौशाद की संगीत प्रतिभा ने यहीं पर करवट ली। उन्हें एक पुराने वाद्य यंत्र की दुकान में क्लीनर की नौकरी मिल गई, वो चोरी छुपे वहां हारमोनियम बजाया करते थे। एक दिन पकड़े गए, लेकिन दुकान का मालिक इस किशोर पर क्रोधित होने की अपेक्षा उसकी प्रतिभा से अधिक प्रभावित हुआ और उसे एक हारमोनियम उपहार में दिया।

नौशाद के घर में संगीत पर पाबंदी थी और उनके पिता लड़के की संगीत की दीवानगी से परेशान थे, उन्होंने हारमोनियम उठा कर बाहर फेंक दिया और घर और संगीत में से एक का चुनाव करने के लिए कहा। नौशाद ने संगीत को चुना। यह 1937 की बात है, तब वह 18 वर्ष के थे। नौशाद ने सितार उस्ताद युसुफ अली से और बब्बर खान से हारमोनियम बजाना सीखा था ।

इस युवक ने कुछ समय एक शौकिया नाटक कंपनी में बिताया, जिसने उत्तर और पूर्व भारत में कई शो किए, और इस दौरान उन्होंने पंजाब, गुजरात, राजस्थान और सौराष्ट्र के लोक गीत सीखे। जब कंपनी बंद हो गई, तो नौशाद बंबई चले आए - उम्मीद और अवसरों का महानगर, जहां, उनके पास न घर था, न दोस्त थे, न ही कोई नौकरी।

कुछ वर्षों तक बंबई का जीवन मुश्किलों में गुजरा। नौशाद अक्सर रॉयल सिनेमा के सामनेवाले फुटपाथ पर सोया करते थे। काम की तलाश में कोलाबा से दादर के स्टूडियो तक वह पैदल जाया करते थे और संगीतकारों की सहायता के लिए नाना प्रकार के कार्य करते थे। स्वतंत्र संगीतकार के रूप में उन्हें पहला ब्रेक *प्रेम नगर* (1940) में मिला। आखिरकार, करीब चार साल और 10 फिल्मों के बाद किस्मत उन पर मेहरबान हुई। उनकी फिल्म *रतन* ब्लॉकबस्टर

शंकर जयकिशन और ओ पी नैय्यर के साथ।

बिमल रॉय, मीनाकुमारी और नौशाद - पहले फिल्मफेयर पुरस्कारों के विजेता।

साबित हुई। ज़ोहराबाई अंबालेवाली द्वारा गाया गीत *अंखियां मिला* के एक जबरदस्त हिट हुआ था। बहुत ही खूबसूरत नगमा *ओ जानेवाले बलमवा* (श्याम कुमार और ज़ोहराबाई द्वारा प्रस्तुत) सभी गुनगुनाया करते थे। यहीं से शुरू हुआ कामयाबी का सफर और अब नौशाद की फीस बढ़ कर प्रति फिल्म ₹25,000 हो गई।

इसी समय उनके माता-पिता ने उनकी शादी कर दी, उनके संगीत से रिश्ते को छुपाया गया। नौशाद के ससुराल वालों को बताया गया कि उनका बेटा एक दर्जी का काम करता है, दरअसल उस समय संगीत को अच्छा पेशा नहीं समझा जाता था, ऊपर से विडंबना ये कि शादी में बैंड ने इस दूल्हे द्वारा रचित *रतन* के गाने बजाए - लेकिन नौशाद तब भी नहीं कह सके कि ये गाना उन्हीं का कंपोज किया है जिसका उन्होंने चुपचाप लुत्फ़ उठाया!

1946 में आई *अनमोल घड़ी* एक शानदार हिट फिल्म साबित हुई थी। *आवाज़ दे कहाँ है* (एक नूरजहाँ-सुरेंद्र युगल) ने सनसनी फैला दी थी जो बॉलीवुड संगीत में एक मील का पत्थर है। *आ जा मेरी बर्बाद मोहब्बत के सहारे* और *क्या मिल गया भगवान* दूसरे अविस्मरणीय नगीने थे।

शादी से पहले नौशद के माता पिता ने उनके ससुराल वालों से कहा कि उनका बेटा एक दर्जी का काम करता है, ऊपर से विडंबना ये कि शादी में बैंड ने इस दूल्हे द्वारा रचित *रतन* के गाने बजाए – जिसका उन्होंने चुपचाप लुत्फ़ उठाया!

बैजू बावरा, मदर इंडिया और *मुग़ल-ए-आज़म* जैसी महान फिल्मों के अलावा भी संगीत की उत्कृष्ट लहरियों का सिलसिला जारी रहा। इनमें 1940 के दशक में आई शाहजहाँ और *अंदाज़* शामिल है; *बाबुल, दीदार,* शबाब। 1950 के दशक में *आन, अमर* और *उड़नखटोला;* 1960 के दशक में आई *कोहिनूर, मेरे महबूब* और *गंगा जमना।* हर फिल्म में संगीत की एक से बढ़ कर एक मनोरम प्रस्तुति है।

नौशाद और रफ़ी

रफ़ी-नौशाद की जोड़ी स्वर्ग से बन कर उतरी थी। *दुलारी* (1949) फिल्म में पहले बड़े हिट *सुहानी रात ढल चुकी* से लेकर, नौशाद के लिए रफ़ी ने 149 गाने गाए, जिसमें करीब 80 सोलो भी शामिल थे और रफ़ी बॉलीवुड के सर्वाधिक प्रतिभाशाली गायक बन गए। दोनों के बीच एक दुर्लभ अंतरंग रिश्ता था, शायद इसलिए कि वे आस पास पैदा हुए थे! नौशाद की अधिकांश फिल्मों में दिलीप कुमार की आवाज़ बने रफ़ी, और उन्होंने बॉलीवुड को कई प्रतिष्ठित गाने दिए। 1970 के दशक में जब किशोर कुमार का राज आया था, रफ़ी आत्मविश्वास कि कमी के निराशाजनक दौर से भी गुज़रे थे; तब नौशाद ने ही उन्हें इस दौर से बाहर निकाला था।

नौशाद और लता

लता की आवाज, दिल को छू लेती है, झंकार पैदा कर देती है शरीर को रोमांचित करती है, मंत्रमुग्ध करती है और गुदगुदाती है। एक बार जब नौशाद ने उनकी अद्भुत प्रतिभा को पहचान लिया, इसके बाद तो वह उनकी पहले नंबर

नौशाद, मोहम्मद रफ़ी के साथ।

की पसन्दीदा गायिका बन गईं। नौशाद के लिए उन्होंने 160 गाने गाए। चाहे वो *उठाये जा उनके सितम (अंदाज)* हो, *मोहे भूल गए सांवरिया (बैजू बावरा)*, या *ढूंढो ढूंढो रे साजना (गूंगा जमना)*, लता की आवाज और प्रतिभा ने जादू कर दिया। उन्होंने नौशाद को परफेक्शनिस्ट कहा और बताया कि उनका ज्ञान संगीत तक ही सीमित नहीं है। ''एक कुशल पियानो वादक, वह पश्चिमी संकेतन और सभी वाद्य यंत्र बजाने में निपुण थे। वे खुद एक कवि थे और इसलिए संगीत तैयार करने से पहले वो हर गीत को जांच परख लेते थे।''

उर्दू शायरी के दिग्गजों के साथ - अली सरदार जाफ़री, मजरूह सुल्तानपुरी और कैफ़ी आज़मी (बैठे हुए)।

नौशाद और मुगल-ए-आजम

मुग़ल-ए-आज़म हिंदी चित्रपट की एक यादगार महान फिल्म, संगीत का महाकाव्य और नौशाद की सबसे बड़ी सफलता थी। *बैजू बावरा* में रफी की महान प्रतिभा दिखाई दी थी, पर आठ खूबसूरत गीतों और शमशाद के साथ एक आकर्षक कव्वाली में लता *मुगल-ए-आज़म* पर भारी पड़ी थी। हाँ, लेकिन इसकी ख़ास बात थी, बड़े गुलाम अली खान *(प्रेम जोगन बन के और शुभ दिन आयो)* के दो अविस्मरणीय गीत। जब के आसिफ उनके पास गए और फिल्म में गाने के लिए कहा तो हिंदुस्तानी संगीत के सम्राट ने कहा कि वो फिल्मों के लिए नहीं गाया करते और टरकाने के लिए अप्रत्याशित रूप से ₹25,000 प्रति गीत की भारी भरकम फीस रख दी। (उन दिनों शीर्ष गायकों को ₹500 से ₹1,000 प्रति गीत का भुगतान किया जाता था।) खान साब आश्चर्य चकित रह गए जब के आसिफ ने कहा ''बस इतना ही? आप बेशकीमती हैं,'' और हाथो हाथ उन्हें ₹10,000 की अग्रिम राशि थमा दी। इस फिल्म में *(ए मोहब्बत जिंदाबाद)* रफी का सिर्फ एक, ऊंचे स्वर में गाया अद्भुत गीत जिसे 100 गायकों के साथ कोरस में गाया था।

राम और श्याम (1967) शायद नौशाद की आखिरी सफल फिल्म थी। उन्होंने *लीडर* (1964), *दिल दिया दर्द लिया* (1966), *संघर्ष* (1968), *पालकी* (1968) में कुछ बढ़िया गीत रचे थे, लेकिन इनमें पुराने गीतों का जादू और रचनात्मक की आब गायब थी। *पाकीज़ा* (1972) ने हलचल मचा दी थी, मीना कुमारी पर कई मार्मिक गीत फिल्माए गए थे, लेकिन इसकी सफलता का श्रेय मूल संगीतकार गुलाम मोहम्मद को दिया गया। (गुलाम मोहम्मद की मृत्यु के बाद नौशाद ने संगीत पूरा किया था।)

इस ''संगीत सम्राट'' ने लोकलुभावन स्पर्श के साथ एक विशुद्ध शास्त्रीय संगीतकार के रूप में भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है, 1950 और 1960 के दशक में अद्वितीय धुनों के महान रचयिता ने लोकप्रिय संगीत में अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छुआ। 2006 में नौशाद का निधन हो गया। उन्हें दिए गए कई सम्मानों में दादा साहब फाल्के पुरस्कार (1981) और पद्म भूषण (1992) शामिल हैं थे। उनकी विरासत आज भी बरकरार है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और रोटरी क्लब मद्रास साउथ के सदस्य हैं।

कम रक्तचाप, कम चिंता

भरत और शालन सवुर

चिंता व्यक्ति का रक्तचाप को बढ़ा सकती है। जब हम बहुत ज्यादा चिंतित होते हैं, तो हमारा शरीर तनाव हार्मोन एपिनेफ्रीन और कोर्टिसोल जारी करके प्रतिक्रिया करता है जो हमारी दिल का रफ़्तार को बढ़ाते हैं और हमारी रक्त वाहिकाओं को संकीर्ण करते हैं। 2015 में, शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि ज्यादा -चिंतित लोगों को ब्लड प्रेशर में अचानक स्पाइक्स का खतरा होता है जो दिल, गुर्दे और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है।

यह भी देखा गया कि चिंता से निपटने के पश्चात, BP सामान्य हो गया। वहीं, चूँकि तनाव आज के वक्त का बहुत बड़ा हिस्सा लगता है, पेट में दर्द, अवसाद, नींद न आना, निर्णय लेने में असमर्थता या कुछ चीजों को याद रख न पाना, अस्पष्टीकृत थकान और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली जैसे दूसरे दर्जे के लक्षण थे। कुछ लोग जो बेहतर महसूस करने के लिए स्नैक्स और पेय पदार्थों का सेवन करते थे, उनका भी वजन बढ़ गया और उनके रक्त में चरबी का स्तर बढ़ गया। कई लोगों ने दिन में बहुत ज्यादा कॉफी पी ली और शाम को बहुत ज्यादा शराब पी ली ताकि वे अपने भय और निराशा को दूर कर सकें।

चिंता पर काबू पाएं

ऐसी बहुत ज्यादा चिंता का क्या वजह है? शोधकर्ताओं का कहना है कि इसका एक प्रमुख वजह परिवार और मित्रों से कट जाना है। हाइपर-चिंता को दूर करने और ब्लड प्रेशर स्पाइक्स को रोकने के लिए कुछ कदम हैं जिन को उठाए जा सकते हैं:

~ सोशल मीडिया और टेलीफोन के माध्यम से कुटुंब और मित्रों के साथ जितनी बार मुमकिन हो निजी रूप से संपर्क में रहें। एक समूह में शामिल हों जहां आपको अच्छा कंपन मिले, जिम में भर्ती करें। हाल ही में, मैंने एक 83 वर्षीय शक्स का जिम में कसरत करते हुए एक वीडियो देखा। उसकी मुस्कान उतनी ही चौड़ी है जितना उसका पेट सिक्स-पैक सपाट है। यह कमाल है। वर्कआउट करने के फायदों के अलावा, मित्रों के साथ साझा करना बहुत उचित है। कसरत के लिए RDA, जो भी किसी की उम्र है, WHO के मुताबिक, 150 मिनट के मध्यम कार्डियोवास्कुलर कसरत और सप्ताह में दो शक्ति-प्रशिक्षण कसरत। एक ऐसे गुट में शामिल हों, जो उत्साहपूर्ण गायन-सत्र आयोजित करता है। संगीत दिल को ऊपर उठाता है।

~ चिंता आपको अपनी औषधि लेना भूल सकती है। प्रमुख स्थानों पर अनुस्मारक चिपकाएं - औषधि कैबिनेट, रेफ्रिजरेटर, आपका डेस्क। एक पिल बॉक्स का इस्तेमाल करें जिसके कम्पार्टमेंट पर सप्ताह के दिन लिखे हों। रोज का गतिविधि के साथ दवा लें - अपने दांतों

को ब्रश करना, खाने से पहले। औषधीय सामग्रीओं के लिए एक निश्चित जगह रखें। हर बार जब आप अपनी औषधि लेते हैं तो गोली की बोतल को पलटें - यह एक दृश्य पुष्टीकरण है कि आपने इसे ले लिया है। चिंता- निवारक गोलियों के लिए तैयार रहें अगर आपके डॉक्टर को लगता है कि वह आवश्यक है।

~ अगर आपको लगता है कि आप अपने सभी काम और जिम्मेदारियों का सामना अकेले नहीं कर सकते, तो विशेषज्ञों से संपर्क करें। जहां भी मुमकिन हो, अपनी टीम में किसी को सौंपें। हालाँकि, प्रतिनिधिमंडल को आपका तनाव नहीं बढ़ाना चाहिए और आप चिंता करते हैं कि क्या यह सही किया जा रहा है! उन चीजों को ना कहें जो आप नहीं करना चाहते हैं और उन सक्रियताओं को कम वक्त दें जो आपके लिए आवश्यक नहीं हैं।

~ होश के साथ सांस लें। यथेष्ट रूप से शांतिदायक नींद लें। दोनों कम चिंता और ब्लड प्रेशर। परिचित और तसल्लीब्ख़्श आहार युक्त नियमित भोजन लें।

~ ऐसे काम करें जो आपके लिए मायने रखते हों। एक अच्छी किताब पढ़ें जो ज्ञान से भरपूर हो। मैं दिल से डेसमंड टूटू, दलाई लामा और डगलस अब्राम्स की *द बुक ऑफ जॉय* की अनुशंसा करता हूं। सेहत पर लेख पढ़ें। वे आपको जीवनशैली में परिवर्तन लाने के लिए और उन्हें बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। सोते वक्त, डॉ वेन डायर के 5 मिनट के पॉडकास्ट को सुनें। वे एक ही वक्त में उत्थान और शांत करते हैं। अच्छे सेहत की बात करें और प्रचार करें। सकारात्मकता और कृतज्ञता का जर्नल लिखें। दूसरों को प्रेरित करने के लिए *Youtube* चैनल पर वीडियो बनाएं।

कम रक्तचाप

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने देखा कि वर्षों से उच्च ब्लड प्रेशर होने से लोगों में उनके सेहत के बारे में चिंता का स्तर बढ़ सकता है। क्या लंबे वक्त तक उच्च रक्तचाप से दूसरा जटिलताओं की मसला होगी? क्या वह शक्स बढ़ती चिकित्सा लागतों को वहन करने में समर्थ होगा? तो, पिछले वर्ष, शोधकर्ताओं ने इस मसला को विपरीत छोर से देखा - क्या ब्लड प्रेशर नीचे होने से चिंता कम होगी? नवंबर 2022 तक उनका उत्तर था- हां!

बीमारी नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने 'न्यूरोटिसिज्म या तीव्र चिंता' पर एक नया अध्ययन आरंभ किया। और उन्हें डायस्टोलिक रीडिंग और न्यूरोटिसिज्म के बीच एक लिंक मिला। पत्रिका *जनरल साइकेट्री* में बताया गया है कि डायस्टोलिक तनाव (120/80 mmHg रीडिंग में 80) ज्यादा होने पर 'न्यूरोटिसिज्म दरों पर ठोस आनुवंशिक कारण प्रभाव' पड़ता है। इसका अर्थ था कि जिन लोगों के माता-पिता या दादा-दादी हाइपर-चिंता के लक्षणों से पीड़ित थे, उन्हें अपने रक्तचाप और जीवनशैली के बारे में ज्यादा होशियारी बरतनी थी। विक्षिप्तता *(neuroticism)* का एक विचार प्राप्त करने के लिए, शरीर में एक बेचैनी साफ है जहाँ आप एक जगह पर बैठ नहीं सकते हैं, आप किसी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते हैं, आप X-Ray या MRI स्कैन से गुजरते वक्त स्थिर नहीं रह सकते हैं।

मनोविक्षुब्धता कोई बीमारी नहीं है

साथ ही, शोधकर्ता यह इंगित करने के लिए होशियार हैं कि विक्षिप्तता एक मानसिक बीमारी नहीं है। यह सिर्फ इतना है कि ऐसे लोग हर चीज को नकारात्मक रूप से देखते हैं और अतिविचार, मनोदशा, और करीब किसी भी चीज़ से भय महसूस करते हैं - एक जंग, मुद्रास्फीति, एक मित्र अपने डचड को अनदेखा कर रहे हैं - और बार बार असुरक्षित, रक्षात्मक, नुकीले होते हैं। फिर भी, उनकी संवेदनशीलता उन्हें अपने सेहत का ज्यादा ध्यान रखने में सहायता करती है। उस के साथ , वे महान योजनाकार होते हैं क्योंकि वे मुमकिन रूप से गलत होने वाली स्थितियों की ओर सदैव होशियार रहते हैं। इसके लिए हर कोई भावनात्मक रूप से स्थिर रहना चाहता है।

अच्छी खबर यह है कि BP को 130/80-120/80 की सामान्य सीमा तक नीचे लाने से चिंता की भावनाएं कम होती हैं। भाग्यवश, इझ और चिंता का चिकित्सा किया जा सकता है। इझ कम करने के लिए लगभग 15 औषधीय सामग्री हैं - मूत्रवर्धक और कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स से लेकर बीटा-ब्लॉकर्स तक... कुछ इझ को नीचे करने वाली औषधीय सामग्री में भी मूत्रवर्धक तत्व होता है। अगर यह आपके टैबलेट में है, तो अपने डॉक्टर से जांच लें कि आपको अपने नमक का सेवन कम करना चाहिए या नहीं।

होश के साथ सांस लें। यथेष्ट रूप से शांतिदायक नींद लें। दोनों कम चिंता और ब्लड प्रेशर। परिचित और तसल्लीब्ख़्श आहार युक्त नियमित भोजन लें।

अनुरक्त बनो, निराश नहीं

अपने BP को एक स्वस्थ सीमा के अंदर लाने के लिए, अपनी औषधीय सामग्री और जीवन शैली के कारकों को ठीक करें - वे आपके शरीर, मन और ज़िंदगी में सेहत को प्रवाहित रखते हैं। हमें निराशा नहीं, प्रीति चुनना चाहिए। निराशा क्रोध, मायूसी और अलग-थलग महसूस करने की ओर ले जाती है। प्रीति आपको अपने डॉक्टर, कुटुंब, मित्रों, सहकर्मियों और स्थितियों से जोड़ता है जो आपके मन को प्रसन्न और दिल को खुश करता है। प्यार से फील-गुड हार्मोन एंडोर्फिन, डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन रिलीज होता है जो गहरे रिश्ता का भावना देता है। यह आपको निंदा करने के बजाय समझाता है। आप खुद को एक बड़ी जगह में पाते हैं और धीरे-धीरे, आपको नकारात्मक दिनों की तुलना में ज्यादा अच्छे दिन मिलते हैं और... यह उस हाई-फाइव का वक्त है!

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक हैं और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक हैं।*

शब्दों की दुनिया

डू यू रीड मी?

संध्या राव

यह नाम है एक बुक स्टोर् का बर्लिन शहर में: डू यू रीड मी? और यह एक पुस्तक का नाम भी है,दुनिया भर में बिखरे हुए कुछ प्रमुख बुक स्टोर्स के बारे में।

ईमानदारी से कहूँ, मैं अपनी स्थानीय किताबों की दुकान पर सिर्फ इसलिए जाती हूं क्योंकि यह पड़ोस में है। हर बार, मैं इसी उम्मीद के साथ जाती हूँ कि इस बार खजाना ज़रूर मिलेगा और अक्सर निराशा हाथ लगती है, लेकिन फिर भी मैं भी जाती रहती हूं क्योंकि मेरे शहर में जिन दो किताबों की दुकानों पर मैं नियमित रूप से जाया करती थी, वे अब नहीं रहीं। *गिगल्स* - जिसे, नलिनी चेत्तूर कहती हैं कि उन्होंने मजाक में खोल ली थी, जो कभी कोनेमारा होटल हुआ करता था, नुक्कड़ पर, जहां सबसे रोमांचक और चर्चित किताबें मिला करती थीं और एक दिन वो इस हद तक भर गई कि आप वास्तव में इसमें कदम भी नहीं रख सकते थे। आप प्रवेश द्वार पर खड़े होकर ही उचक-उचक कर चिल्लाकर बताते थे कि आप को क्या चाहिए और यदि नलिनी के पास होती तो वह तुरंत निकाल कर दे देती; कभी-कभी वह आपकी ओर देखती और कहती, अरे हाँ, मेरे पास तुम्हारे लिए एक किताब आई है। दूसरी थी लैंडमार्क एक विशाल स्थान वो भी किताबों, किताबों, किताबों से अटा रहता था और आये दिन नियमित रूप से वहां बुक रीडिंग और अन्य कार्यक्रम आयोजित होते रहते थे और वो हमेशा भरा रहता था, अचानक वो दुकान भी एक दिन बंद हो गई । बस इसके बारे में इतना ही।

बड़े अफ़सोस की बात है, यूं लगता है कि मेरे शहरवासियों के लिए बुक स्टोर के नाम पर कोई म चीजफ नहीं है। किताब की दुकानों के माध्यम से कई नवाचार हुए और चले गए; जो बचे हैं वे वैरायटी स्टोर बन गए हैं जिनमें नवीन वस्तुएं मिलती हैं और चॉकलेट, बैग, मग, खिलौने, कृत्रिम आभूषण, कुछ पत्रिकाएँ और कुछ किताबें। उन लोगों के लिए ये बड़ा ही निराशाजनक रहा जिनका पसंदीदा अड्डा और शिकार गाह एक किताबों की दुकान हुआ करती है - किसी भी देश में, भाषा आड़े नहीं आती इसमें। कुछ तो है इन किताबों में, उनकी शक्ल, गंध और एहसास, जिससे दिल भर जाता है और आत्मा तृप्त हो जाती है

फिर, मेरे पिछले जन्मदिन के आसपास, मुझे एक उपहार मिला: सजिल्द किताब, किताबों की दुकानों के बारे में! वजन कम से कम 2 किलो! मेरी खुशी का पारा ना रहा, शब्दों में नहीं बता सकती, मैंने सरसरी तौर पर कुछ पृष्ठों को पलटा - फिर रख दी। वहाँ यह अन्य विशेष पुस्तकों के बीच रख दी गई ... कुछ दिन पहले, एक सप्ताह दाँत का इलाज करा के हटी थी, मैं सुबह 3 बजे उठ गई। दांत का दर्द चला गया था !! जागते हुए, मैंने टीवी के नीचे से *डू यू रीड मी* को बाहर निकाला? इसमें 60 से अधिक स्टोर के बारे में लिखा है : फिलबुक्स, इस्तांबुल, तुर्की। और मैं एक अजीब से तिलिस्म के वशीभूत हो गई।

बुक स्टोर के बाहरी और भीतरी हिस्से को दर्शाती बढ़िया तस्वीरों के साथ इनका संक्षिप्त विवरण शुरू होता है, 'कॉफी की सुगंध ताजा छापे हुए पृष्ठों की गंध में घुल जाती है।' किताबों की दुकान "केमरे येसिल गोनेनली"- कैफे में दूध और चीनी के साथ कैफे मालिक की अपनी फ़ोटोग्राफ़ी किताब, *फ़ॉर बर्ड्स सेक* रखी है। मेरी किताबों की दुकान एक हाथी है," फ़ोटोग्राफ़र, प्रकाशक और *फिलबुक्स* के मालिक कहते हैं। तुर्की में *फिल* का शाब्दिक अर्थ हाथी है। इसका नाम रहने लायक जगह बनाने के इरादे से था, वे कहते हैं। इस तरह हमने अपनी जगह को एक मजबूत आत्मा देने की कोशिश की है।

प्रत्येक श्रेष्ठ बुकस्टोर की एक आत्मा होती है, वे सभ्यताओं के जीवन और समय से धड़कती, स्पंदित होती रहती हैं; वे कार्यों, विचारों, शब्दों, सपनों का प्रतिबिंब होती हैं; वे सृष्टि के सभी रूपों, चेतन और निर्जीव का प्रतिनिधित्व करती हैं। जेसिका रिट्ज, जो बर्लिन में मार्क किसलिंग के साथ डू यू रीड मी चलाती हैं?, याद करती हैं कि जब प्रकाशन मीडिया संकट में था तब लोगों ने सोचा था कि एक किताबों की दुकान खोलना निरा पागलपन है: '... बड़ी बात यह है कि किताबों या पत्रिकाओं के ज़रिये हमें अलग-अलग आंखों से दुनिया को देखने में मदद मिलती है। उस दृष्टि से, किताबों की दुकान और पुस्तकालय, संग्रहालयों की तरह, ये ऐसे स्थान हैं जो जहां आप बस अपने आप को खो देते हैं, डूब जाते हैं।'

इनमें से किताबों की कुछ दुकानों के नाम पर तो आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे, जैसे, द राइटर्स ब्लॉक, लास वेगास; बुक्स ओवर द क्लाउड्स, शंघाई; अंडर द कवर, लिस्बन; डेस्पेरेट लिटरेचर, मैड्रिड; जाज़होल, लागोस; डिस्लेक्सिया लाइब्रोस, एंटीगुआ; बुकऑफ़, वारसॉ; द बुक बार्ज, कनाल डू निवेर्नेस, फ्रांस; हैप्पी वैली, मेलबोर्न... इस पुस्तक के प्रकाशक गेस्टाल्टेन के संपादकों के अनुसार, किताबों की सबसे खूबसूरत दुकान ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में है: मअपने

थिएटर के क्रिमसन रंग के पर्दे और झिलमिलाते सुनहरे बक्सों के साथ,एल अटेनिओ ग्रैंड स्प्लेंडिड सबसे शानदार दुकानों में से एक होनी चाहिए इस दुनिया में। आगंतुक पियानो संगीत की मद्धम धुनों को सुनते हुए किताबें खोजते हैं; शानदार हॉल में एक पियानोवादक लाइव धुन बजाता है। द थिएटर, जो 1903 में खोला गया था, शुरू में यहां क्लासिक स्टेज शो होते थे फिर इसे सिनेमा, रेडियो स्टूडियो और टैंगो हॉल के रूप में उपयोग किया जाता था, और अंततः यहां 2000 में एक बुक स्टोर खुल गया।

एंटीगुआ, ग्वाटेमाला में, जॉन रेक्सर हमेशा से किताबों की दुकान खोलने का सपना देखा था, लेकिन उसे नहीं पता था कि अपने संग्रह को एक साथ कैसे जुटाया जाये। बरसात की एक रात थी, वह अपने कुत्ते के साथ पशु चिकित्सा क्लिनिक गए थे, जहां उन्होंने गली मोहल्ले के आवारा पशुओं के लिए धन जुटाने के लिए किताबों से भरी अलमारियों को देखा जो बिक्री के लिए उपलब्ध थी। नजदीक से देखने पर उन्होंने पाया कि वो संग्रह तो एक खजाना था, प्रत्येक शीर्षक की कीमत एक-डेढ़ डॉलर से कम थी। लगभग 400 डॉलर में उन्होंने सभी 300 किताबें खरीद लीं : '... पता चला कि 1940 के दशक के दौरान अमेरिकी लेखक गोर विडाल ने कुछ समय एंटीगुआ में बिताया था। ये वही किताबें उसी के एक प्रशंसक की थीं। विडाल के मरने से पहले, उन्होंने पशु चिकित्सा क्लिनिक को किताबें दान कर दी थीं, प्रत्येक पुस्तक के पहले पृष्ठ पर तारिख के साथ हस्ताक्षर किये हुए थे।' तो अगर ये एंटीगुआ है, तो इसका नाम डिस्लेक्सिया लाइब्रोस होना चाहिए।

ईमानदारी से कहूँ, मैं अपनी स्थानीय किताबों की दुकान पर सिर्फ इसलिए जाती हूं क्योंकि यह पड़ोस में है। हर बार, मैं इसी उम्मीद के साथ जाती हूँ कि इस बार खजाना ज़रूर मिलेगा और अक्सर निराशा हाथ लगती है, लेकिन फिर भी मैं भी जाती रहती हूं।

यह जानकर मैं रोमांचित हो गई कि मैं पुस्तक में वर्णित किताबों की तीन दुकानों में जा चुकी हूँ : बर्कले में मोज़ और सैन फ्रांसिस्को में सिटी लाइट्स, दोनों कैलिफोर्निया में हैं और नई दिल्ली में बाहरिसंस। सिटी लाइट्स के मैनेजर ऐलेन काटजेंबर्गर बताते हैं कि, म किताब लिखने या किताब पढ़ने का अनुभव भले ही बहुत ही व्यक्तिगत और एकाकी कार्य हो सकता है, पर कोई भी किताब हमारे अनुभवो का एक ब्यौरा ही तो है। इसलिए, 'किताबों की दुकान हमारी आत्माओं के गोदाम की तरह है।' लाइब्रेरि एक्वाअल्टा की आत्मा पुराने गोंडोल, बाथटब और बैरल में बेतरतीबी से बिखरी और अस्तव्यस्त पडी किताबों की खुशी में बसती है। यहां किताबों से एक सीढ़ी बनाई गई है जो किताबों की ओर ले जाती है, हालांकि किताबों पर पैर रखने का विचार हममें से कुछ लोगों के लिए अपवित्र और अमान्य हो सकता है। 'एक्वाल्टा' का अर्थ है मज्वारफ् दूसरे शब्दों में बाढ़। तो, बाढ़ के मामले में - यह वेनिस है - किताबें गोंडोला में शरण लेती हैं।

शंघाई में किताबों की दुकान - बुक्स ओवर द क्लाउड्स।

वहाँ खुले मैदान में किताबों की दुकानों का जिक्र हैं, एक शहर किताबों की दुकानों का, किताबों की दुकानें जहां कुत्ते और बिल्लियां आ सकते हैं, पहाड़ की चोटी पर बनी किताबों की दुकानें और एक नाव जहाँ किताबें दुकान-मालिक के व्यक्तिगत सामानों के साथ रखी रहती हैं! हे-ऑन-वाये के वेल्श गांव में किताबों की कई दुकानें हैं, जिनमें एक आनेस्टी बुक स्टोर भी शामिल है, जहां, मलोगों को उस दुकान पर पढ़ने लायक कुछ मिलता हैं, तो वहां रखे एक बॉक्स में उसकी निर्धारित कीमत डाल देते हैं। सारा हेन्शॉ की फ्लोटिंग बुकस्टोर, द बुक बार्ज, मुझे एक किताबों की दुकान की याद दिलाता है जिसका इस किताब में जिक्र नहीं है: श्रीनगर में गुलशन बुक्स, डल झील के बीच में स्थित है, और वहां केवल शिकारा द्वारा ही पहुँच सकते हैं! इस कैफे-कम-किताबों की दुकान से, शंकराचार्य पहाड़ी और हरि पर्वत का अद्भुत नज़ारा देखने को मिलता है ; वहां आपको कश्मीर से जुड़ी करीब करीब हर विषय की किताब मिल जाएगी, इतिहास से लेकर कविता, कला साथ में और भी बहुत कुछ।

पुस्तक में उल्लिखित सभी दुकानों के नाम यहां लिखना असंभव है, लेकिन हाँ चलते चलते एक आख़री - महान शेक्सपियर एंड कंपनी, पेरिस के सम्बन्ध में, जहां संभवतः अर्नेस्ट हेमिंग्वे, गर्ट्रूड स्टीन, टी एस एलियट, अनाइस निन और जेम्स बाल्डविन सहित सबसे अधिक साहित्यकार अपने कदम रख चुके हैं। वहां की पालतू बिल्ली, जिसे अगाथा क्रिस्टी के नाम पर एगी नाम से बुलाते है, को भी अपने प्रशंसकों की मेल मिलती रहती है!

आपकी इस यात्रा पर, प्रिय पाठकों, चलिए, इस मौके का लुत्फ़ उठाएं।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पुस्तक में चित्रित अधिक बुकस्टोर्स के लिए कृपया https://rotarynewsonline.org/do-you-read-me/ पढ़ें

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब चिदंबरम मिड टाउन - रो ई मंडल 2981

रोटरी क्लब चिदंबरम सेंट्रल, रोटरी क्लब चिदंबरम टेम्पल टाउन के साथ आंखों की जांच और त्वचा विकार का पता लगाने हेतु एक शिविर आयोजित किया गया जिसमें 350 विद्यार्थियों की जांच की गई।

रोटरी क्लब दिल्ली हेरिटेज - रो ई मंडल 3011

क्लब ने नई दिल्ली के डॉ श्रॉफ आई केयर इंस्टीट्यूट के समर्थन से मोतियाबिंद की 58 सर्जरियाँ की।

रोटरी क्लब सेलम मेट्रोपोलिस - रो ई मंडल 2982

अरियालुर में दो दिवसीय रोटरी किंग्स प्रीमियर लीग में बारह रोटरी टीमों ने भाग लिया। गृह क्लब की टीम ने फाइनल जीता।

रोटरी क्लब सोनेपत मिडटाउन - रो ई मंडल 3012

सरस्वती शिक्षा संस्थान में आयोजित किए गए एक MHM शिविर में 2,000 से अधिक सैनिटरी पैड वितरित किए गए।

रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - रो ई मंडल 3000

चार्टर दिवस के मौके पर क्लब के सदस्यों ने वोरैयूर के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले करीब 300 लोगों को मध्याह्न भोजन परोसा।

रोटरी क्लब भुसावल रेलसिटी - रो ई मंडल 3030

क्लब के अध्यक्ष मकरंद चंदवाडकर, जो एक दंत सर्जन भी है, ने जीजामाता प्राथमिक विद्यालय में एक मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमीनार का नेतृत्व किया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब सूरत राउंड टाउन - रो ई मंडल 3060

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश और DG श्रीकांत इंदानी क्लब के स्वर्ण जयंती वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित थे।

रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर मिडटाउन - रो ई मंडल 3100

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में आयोजित एक विशेष शिविर में 50 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर का टीका लगाया गया।

रोटरी क्लब फगवाड़ा मिडटाउन - रो ई मंडल 3070

आईपीडीजी उपिंदर सिंह घई की उपस्थिति में पांच महिलाओं को सिलाई मशीनें दान की गईं।

रोटरी क्लब बरेली मेट्रो - रो ई मंडल 3110

बरेली में आयोजित एक चिकित्सा शिविर में लगभग 90 लोगों की जांच की गई। क्लब एक दशक से अधिक समय से इस शिविर का आयोजन कर रहा है।

रोटरी क्लब फिरोजपुर रॉयल - रो ई मंडल 3090

फिरोजपुर में एक मेडिकल में 135 लोगों ने अपनी रक्त शर्करा और बीपी की जांच की। इसने अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूकता भी पैदा की।

रोटरी क्लब वाराणसी नॉर्थ - रो ई मंडल 3120

देवखट के महर्षि वाल्मीकि सेवा संस्थान में चार महिलाओं को क्लब के सदस्यों द्वारा वित्त पोषित की गई सिलाई मशीनें दान की गईं।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब पुणे मेट्रो - रो ई मंडल 3131

धारा पारिस्थितिकी को संरक्षित करने हेतु जागरूकता पैदा करने के लिए दीवार चित्र बनाए गए। सिंध सोसायटी के सदस्यों ने भी भाग लिया।

रोटरी क्लब गुडूर - रो ई मंडल 3160

गुडूर के एक मंदिर की टंकी का ₹4.12 लाख की लागत से जीर्णोद्धार किया गया। स्थानीय विधायक वारा प्रसाद राव ने रोटेरियनों की उपस्थिति में इस *पुष्करिणी* का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब डोंबिवली डायमंड्स - रो ई मंडल 3142

महिला दिवस के उपलक्ष्य में चैंपियंस कराटे क्लब के सहयोग से डोम्बिवली के सरस्वती हाई स्कूल में 75 लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया।

रोटरी क्लब मणिपाल टाउन - रो ई मंडल 3182

रोटेरियन गणेश नायक ने PDG राजाराम भट और क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में उडुपी पटला स्कूल को एक स्कूल बस दान की।

रोटरी क्लब गुंटूर विकास - रो ई मंडल 3150

वंचित महिलाओं को एक स्थायी आय प्रदान करने के लिए सिलाई मशीनें वितरित की गई। इस परियोजना की लागत ₹21,000 आई।

रोटरी क्लब बेंगलुरु प्लेटिनम सिटी - रो ई मंडल 3190

येलाहाँका के MEC स्कूल में कक्षा 5-10 के लिए विषय सॉफ्टवेयर के साथ एक ई-लर्निंग परियोजना का उद्घाटन किया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब कोयम्बटूर गेलेक्सी - रो ई मंडल 3201

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए निर्मला कॉलेज फॉर वुमन में ₹3 लाख की लागत से तीन मशीनों के साथ एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया।

रोटरी क्लब रामगढ़ सिटी - मंडल 3250

DG संजीव ठाकुर ने सिलाई में महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक सहेली केंद्र का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब मार्थनदम - रो ई मंडल 3212

रोटरी क्लब इविनहेमा, रो ई मंडल 4470 (ब्राज़ील) के साथ साझेदारी में कन्याकुमारी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नागरकोइल में एक मैमोग्राम सुविधा स्थापित की गई।

रोटरी क्लब रायपुर वेस्ट - रो ई मंडल 3261

रोटरी क्लब रायपुर सेंट्रल, मारवाड़ी युवा मंच और यंग इंडिया द्वारा समर्थित एक 5 दिवसीय अंग प्रत्यारोपण शिविर में 90 विकलांगों को कृत्रिम अंग लगाए गए।

रोटरी क्लब वेल्लोर नॉर्थ - रो ई मंडल 3231

DG जे के एन पलानी ने कटपाडी के कांगेयानल्लूर गांव के एक लाभार्थी को एक नए मकान की चाबी सौंपी।

रोटरी क्लब कलकत्ता प्रेसीडेंसी - रो ई मंडल 3291

प्रोजेक्ट एक नई पहचान के तहत सिंगर कंपनी और RCC, श्री रामकृष्ण सेवा समिति के समर्थन से एक व्यावसायिक केंद्र शुरू किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

धमाके के साथ महिला आईपीएल का आगाज़!

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

पिछले महीने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने महिला आईपीएल के पहले संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजित कर एक अद्भुत उपलब्धि हासिल की है। इसके अंतर्गत पाँच टीमों ने भाग लिया, मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, लखनऊ और गुजरात। महिलाओं ने भरपूर क्रिकेट खेला और मुझे कहना होगा कि मैंने इन मैचों का उतना ही लुत्फ़ उठाया जितना किसी पुरुष क्रिकेट मैच का लिया है। हालाँकि, महिलाएं गेंद को पुरुषों की तरह उतनी जोर से नहीं फेंकती या उतनी तेज गेंदबाजी नहीं करती हैं। उनके पास ऊपरी शरीर में पुरुषों की अपेक्षा ताकत की कमी है। लेकिन इसके अलावा वे किसी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं थीं, हर क्षेत्र में वे पुरुषों जितनी ही बढ़िया खेलीं। हालांकि ये बात हमें कुछ दशकों से पता है लेकिन इसे फिर से दोहराया जा सकता है।

कुल मिलाकर यह शानदार प्रदर्शन था और मैं बहुत खुश हूँ किअब यह टूर्नामेंट लम्बे समय तक चलेगा। वास्तव में, जैसे-जैसे ज्यादा टीमें टूर्नामेंट में शामिल होती जाएंगी तो अगर यह मार्च में खेला जाता है, इस के अधिक लम्बे चलने की संभावना बढ़ जाती है, बजाये पुरुषों के आईपीएल की तरह जो मार्च के अंत में शुरू हो कर मई के बीच तक चलता है। उस समय तक गर्मी बहुत बढ़ जाती है और खिलाड़ियों को 40 डिग्री सेल्सियस में खेलना बहुत कष्टदायक होता है। उन्हें मैचों के बीच - बीच में काफी आराम करने की जरूरत पड़ती है। यदि आप हमारे तटीय शहरों में मौजूद आर्द्रता को जोड़ दें तो यह बेहद थकाऊ साबित हो सकता है। सौभाग्य से विश्व क्रिकेट कैलेंडर ऐसा है कि महिला आईपीएल के लिए अब बसंत ऋतु ही उपलब्ध है। और इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

यूँ तो महिलाएं काफी लम्बे अरसे से क्रिकेट खेलती रही हैं। इसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में 100 वर्ष से भी पहले हुई थी। 1976 में भारत में उन्होंने अपना पहला आधिकारिक मैच खेला था। उसके बाद काफी लंबे समय तक उन्हें अधिक महत्त्व नहीं दिया गया था, उचित संसाधनों के साथ प्रोत्साहित करने की अपेक्षा अतिरिक्त प्रदर्शन के रूप में ही लिया गया। और, क्षमा करें, यहां मैं कहना चाहूंगा कि महिला क्रिकेटरों की पिछली पीढ़ियां भी कोई बहुत अच्छी क्रिकेट नहीं खेलती थीं। लेकिन अब समय बदल गया है। महिलाएं भी आगे निकल चुकी हैं। आज जो महिलांए खेल रही हैं वे पुरुषों के समान ही बढ़िया क्रिकेट खेलती हैं। और महिला आईपीएल ने यह प्रमाणित भी कर दिया है । दरअसल, आज महिलाएं जिस स्तर का क्रिकेट खेलती हैं, उस स्तर का क्रिकेट 1970 के दशक तक के पुरुष खेलते थे। यदि मुकाबला किया जाए तो आज अधिकाँश कॉलेजों में पुरुषों की टीम राष्ट्रीय महिला टीमों के सामने नहीं टिक पाएंगी।

1976 में भारत में उन्होंने अपना पहला आधिकारिक मैच खेला था। उसके बाद काफी लंबे समय तक उन्हें अधिक महत्त्व नहीं दिया गया था, उचित संसाधनों के साथ प्रोत्साहित करने की अपेक्षा अतिरिक्त प्रदर्शन के रूप में ही लिया गया।

समय के साथ-साथ महिलाओं के खेल में और सुधार होगा और वो क्रिकेट स्मार्ट भी बनेंगी। हालांकि कुछ अभी भी हैं लेकिन उतनी नहीं जितने क्रिकेट स्मार्ट पुरुषों में हैं । 'क्रिकेट स्मार्ट' शब्द का इस्तेमाल कुछ खिलाड़ियों के खेल के आधार पर, चतुराई से खेलने की कला और क्षमता के लिए किया जाता है। यह काफी हद तक सहज ही होता है लेकिन पूर्व मैचों का अनुभव इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। खिलाड़ी जानता है कि किसी भी परिस्थिति में उसे क्या करना है। रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों की तरह एम एस धोनी के पास भी इसका भरपूर अनुभव है। यूं तो क्रिकेट संयोग का खेल है, बस कुछ मिलीमीटर और कोणों में मामूली बदलाव से परिणामों में भारी फेर बदल हो सकता है। क्रिकेट स्मार्टी इसका फायदा उठाना जानते हैं।

पर जो चीज मुझे अजीब लगती है वो यह है कि इसे ठीक करने में क्रिकेट को इतना समय लग गया। टेनिस, बैडमिंटन, गोल्फ, तैराकी, जिम्नास्टिक और ओलंपिक में शामिल कई अन्य खेलों ने महिलाओं को वो जगह दी है जिसकी महिलाएं हकदार हैं, लेकिन क्रिकेट पिछड़ गया था। पिछले दो दशकों से ही इसने महिलाओं को वह स्थान देना शुरू किया है जिसकी उन्हें जरूरत थी। इसमें नुकसान पूरी तरह से खेल का और उसके प्रशंसकों का ही हुआ है। ये अफ़सोस की बात है। लेकिन वह उपेक्षा अब अतीत की बात हो चली है, जैसा कि हाल ही में समाप्त हुए महिला आईसीसी विश्व कप और महिला आईपीएल ने दिखाया है। महिलाओं ने शानदार क्रिकेट खेली है। इससे ज्यादा और क्या चाहिए? ■

संक्षेप में

महासागर संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र

10 वर्षों से अधिक समय तक शर्तों पर बातचीत करने के बाद, संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी सदस्य देशों ने हाई सीस ट्रीटी पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर स्थित दुनिया के 30 प्रतिशत महासागरों को संरक्षित दर्जा देना है। यूरोपीय संघ ने इस पहल के लिए लगभग 820 मिलियन यूरो देने का निर्णय लिया हैं।

गाज़ा में पहला महिला मुक्केबाज़ी क्लब

फिलिस्तीन के गाज़ा पट्टी में एक अखिल महिला मुक्केबाजी क्लब 40 लड़कियों को प्रशिक्षित कर रहा है। इस मुक्केबाजी केंद्र में एक पूर्ण आकार की मुक्केबाजी रिंग, प्रशिक्षण उपकरण और दीवारों पर माइक टायसन जैसे मुक्केबाजी नायकों के पोस्टर है। इस क्लब के माध्यम से फिलिस्तीनी महिलाएं खेल में लिंग आधारित पारंपरिक मानदंडों और रूढ़ियों को चुनौती दे रही है।

जली हुई सिगरेट के टुकड़ों की सफाई हेतु विधेयक

नए पर्यावरण कानून के अनुसार स्पेन में तंबाकू व्यवसायों को हर साल धूम्रपान करने वालों द्वारा छोड़े गए सिगरेट के जले हुए टुकड़ों की सफाई के लिए भुगतान करना होगा। यह निर्णय अपशिष्ट-कमी और पुनर्चक्रण प्रयासों के पैकेज का हिस्सा है।

कार बैटरी के लिए दूसरा जीवन

नॉटिंघम अधिकारियों ने 40 दो-तरफा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर स्थापित किए है जो सौर पैनलों और एक बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली से जुड़े हुए है, जो अनेक ऑन-साइट सुविधाओं को ऊर्जा प्रदान करने के साथ नगरपालिका के 200 वाहनों के बेड़े को चार्ज करते है और इसके साथ ही यूके के विद्युत ग्रिड को कार्बन मुक्त रखने में मदद करते है।

फुटबॉल प्रशंसकों द्वारा एकजुटता का प्रदर्शन

तुर्की सुपर लीग क्लब बेसिकतास इस्तांबुल के प्रशंसकों ने अंताल्यास्पोर के खिलाफ हो रहे मैच को तुर्की और सीरिया में हाल ही में आए भूकंप से प्रभावित बच्चों के समर्थन में मैदान पर हजारों खिलौने फेंककर बाधित किया। यह खेल 4 मिनट और 17 सेकंड के बाद रोक दिया गया - 6 फरवरी को स्थानीय समयानुसार सुबह 4:17 बजे भूकंप आने के समय को ध्यान में रखते हुए।

किरण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा।

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹40
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

ADVT.